नई दिल्ली, मंगलवार 13 अक्टूबर 2026 ■ आश्विन मास शुक्ल पक्ष-3 ■ वर्ष : 30, अंक : 176 ■ पृष्ठ : 12 मूल्य : 2.00 मौसम अधि. 34 न्यून. 21 haribhoomi.com

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी



- चुनाव आयोग के खिलाफ याचिका दाखिल
- मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने मुलाकात से किया इनकार, कहा- लंबित मामलों पर चर्चा के लिए बैठक उचित नहीं
- उमड़ी भीड़ तो रास्ते बने जंतर मंतर

विरोध के कदमताल के बीच छूमंतर हुआ जंतर-मंतर

वोट चोरी के आरोपों पर सुप्रीम कोर्ट पहुंचे विपक्षी सांसद, राहुल गांधी की अगुवाई में 'मार्च फॉर डेमोक्रेसी'

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

कथित 'वोट चोरी', मतदाता सूची से नाम हटाए जाने और विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया में अनियमितताओं के आरोपों को लेकर सोमवार को विपक्षी इंडिया गठबंधन के सांसदों और नेताओं ने सुप्रीम कोर्ट तक भारी भीड़ के साथ मार्च निकाला। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के नेतृत्व में निकाले गए इस मार्च के जरिए विपक्ष ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की भूमिका पर सवाल उठाए और चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग की। मार्च के बाद राहुल गांधी सहित विपक्ष के 11 नेताओं की ओर से चुनाव आयोग के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की गई। याचिका में मतदाता सूची के पुनरीक्षण के दौरान कथित अनियमितताओं की जांच और चुनाव आयोग के संबंधित रिकॉर्ड तलब करने की मांग की गई है।

सीजेआई ने मिलने का अनुरोध ठुकराया: विपक्षी नेताओं की योजना मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपने की थी। राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे ने 12 अक्टूबर को शाम चार से पांच बजे के बीच मुलाकात का समय मांगा था। हालांकि, मुख्य न्यायाधीश ने 11 अक्टूबर को भेजे गए पत्र के माध्यम से मुलाकात का अनुरोध स्वीकार नहीं किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि ज्ञापन में उठाए गए मुद्दे पहले से ही अदालत के समक्ष विचाराधीन हैं। ऐसे मामलों पर व्यक्तिगत बैठक में चर्चा करना शक्तियों के पृथक्करण के सिद्धांत और न्यायिक मर्यादा ▶▶शेष पेज 5 पर

चुनाव हारना और उस खीझ को आंदोलन करके सड़कों पर निकालना कांग्रेस की नियति बनीः शिवराज



कहा, लंबे समय से कई राज्यों में सत्ता से बाहर कांग्रेस आज क्षेत्रीय दलों के सहारे चलने वाली जूनियर पार्टनर

कांग्रेस अपनी चुनावी हार का ठीकरा संवैधानिक संस्थाओं पर फोड़ रही है, जबकि असली कारण उसका विचार-शून्य नेतृत्वः केंद्रीय मंत्री

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को कांग्रेस पर संवैधानिक संस्थाओं पर हमला करने और अपनी चुनावी हार का दोष दूसरों पर मढ़ने का आरोप लगाया। नई दिल्ली स्थित पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए चौहान ने कहा कि कांग्रेस की हार का कारण उसका नेतृत्व, आंतरिक कलह और जनसमर्थन में कमी है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस न्यायालय, चुनाव आयोग और सेना पर सवाल उठाकर जनता को गुमराह करती है तथा विदेशी ताकतों का सहारा लेती है। चौहान ने कहा कि कांग्रेस पिछले कई वर्षों से लगातार संवैधानिक संस्थाओं पर हमले कर रही है। हद तो यह हो गई है कि पार्टी अपनी चुनावी हार का दोष भी संवैधानिक संस्थाओं पर मढ़ती है। कांग्रेस की हार का सिलसिला लगातार जारी है। हाल ही में हुए उपचुनावों में क्या हुआ, यह सभी जानते हैं। असम में कांग्रेस की स्थिति क्या है, यह भी सबने देखा है। त्रिपुरा और राजस्थान के स्थानीय निकाय चुनावों में तथा उससे पहले हिमाचल प्रदेश में भी कांग्रेस को चुनावी हार का सामना करना पड़ा। एक के बाद एक चुनाव हारना और उस खीझ को आंदोलन करके सड़कों पर निकालना कांग्रेस की नियति बन गई है। कांग्रेस की हार का कारण चुनाव आयोग नहीं, बल्कि स्वयं कांग्रेस का विचार-शून्य नेतृत्व है।

कर्नाटक में झगड़े चले रहे

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री ने कहा कि आज कांग्रेस की हालत यह है कि उत्तर प्रदेश में पार्टी के भीतर जूतम-पैजार हो रही है। पंजाब में प्रदेश अध्यक्ष बदलना पड़ा है। अलग-अलग जगहों पर नेतृत्व को लेकर झगड़े चल रहे हैं। कर्नाटक में कभी सिद्धारमैया तो कभी डी. के. शिवकुमार के बीच खींचतान देखने को मिलती है। तेलंगाना में भी जूतम-पैजार चल रही है। कांग्रेस की हार का कारण कोई और नहीं, बल्कि उसका अपना नेतृत्व है। जो देश को नहीं जानता, देश की जनता को नहीं जानता, यहाँ के जीवन मूल्यों और परंपराओं को नहीं जानता, वह संविधान की क्या बात करेगा। कांग्रेस नेतृत्व की हालत ऐसी हो गई है कि उस पर यह कहावत सटीक बैठती है - "नाच न जाने, आंगन टेढ़ा।" कांग्रेस संविधान की क्या बात करेगी, जिस कांग्रेस ने 90 से ज्यादा बार चुनी हुई सरकारों को बदलने का पाप किया हो, जो पार्टी कपड़ों की तरह मुख्यमंत्री बदलती थी, देश में ▶▶शेष पेज 5 पर

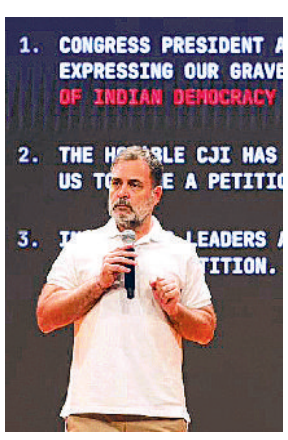

वोट चोरी पर युवाओं से बोले राहुल गांधी- रुकना नहीं, हर दिन लड़ाई लड़नी है, सच हमारे साथ

कहा- दिल्ली की किलेबंदी कर मुख्य चुनाव आयुक्त को बचाने का प्रयास कर रही मोदी सरकार

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने वोट चोरी के मुद्दे पर आंदोलन कर रहे युवाओं का हौसला बढ़ाते हुए कहा, स्देश की रक्षा में लंबा समय लगेगा। हमें रोज रोका जाएगा, लेकिन रुकना नहीं है और हर दिन लड़ाई लड़नी है, क्योंकि सच हमारे साथ है। नेता प्रतिपक्ष ने जोर देकर कहा कि लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए शुरू हुआ प्रतिरोध किसी एक दिन का आंदोलन नहीं है, बल्कि यह वर्षों से चल रही लड़ाई का ▶▶शेष पेज 5 पर

99 चुनाव हारने के बाद भी राहुल गांधी जनादेश स्वीकारने के बजाय संवैधानिक संस्थाओं पर ठीकरा फोड़ते हैं: अनुराग

कहा, जिस कांग्रेस ने आपातकाल में संविधान कुचला, वही कांग्रेस आज संविधान बचाने का दावा कर रही है

राहुल गांधी वोट चोरी के आरोपों के बहाने जनादेश से सीनाजोरी कर रहेः भाजपा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली



भाजपा ने राहुल गांधी पर चुनाव आयोग, न्यायपालिका और संवैधानिक संस्थाओं पर निराधार आरोप लगाकर अराजकता फैलाने का आरोप लगाया। पार्टी के लोकसभा सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने सोमवार को नई दिल्ली स्थित पाटी के केंद्रीय कार्यालय में प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि राहुल गांधी वोट चोरी के आरोपों के समर्थन में प्रमाण प्रस्तुत करें और बताएं कि किस मतदाता ▶▶शेष पेज 5 पर

तृतीया : मां चंद्रघंटा



पिण्डजप्रवरारूढा चण्डकोपास्त्रकैर्युता।
प्रसादं तनुते मह्यं चंद्रघंटेति विश्रुता।।

रॉबर्ट और माइकल वुडफोर्ड, को अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार



नई दिल्ली। अमेरिकी अर्थशास्त्रियों रॉबर्ट ई. हॉल और माइकल वुडफोर्ड को वर्ष 2026 का अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार देने की घोषणा की गई है। रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने सोमवार को स्टॉकहोम में समष्टि-आर्थिक स्थिरीकरण के सूक्ष्म आर्थिक आधारों पर उल्लेखनीय योगदान के लिए दोनों को चुना। उनके शोध से यह समझने में मदद मिली कि आम लोगों के खर्च और कंपनियों के फैसले पूरी अर्थव्यवस्था को कैसे प्रभावित ▶▶शेष पेज 5 पर

भारतीय सेना और एफसीआई के बीच 'भारत राइस' कार्यक्रम को लेकर हुआ एमओयू

ऑपरेशन सिंदूर जैसे अभियान या युद्ध के हालात में एफसीआई से सीधे होगी सेना को चावल की आपूर्ति

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

उच्च-गुणवत्ता वाला होगा चावल, एफसीआई के गोदाम से सेना के आपूर्ति डिपो तक भेजा जाएगा

पिछले साल 2025 में पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में पाकिस्तान के खिलाफ कम समय में की गई ऑपरेशन सिंदूर की सैन्य कार्रवाई हो या आपातकालीन परिस्थितियों के बीच दुश्मन के साथ शुरू हुआ कोई युद्ध हो।

अब भारतीय सेना के जवानों के लिए पौष्टिक आहार की कभी कोई कमी नहीं रहेगी। क्योंकि सोमवार को इस बाबत सेना और भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के बीच 'भारत राइस' नामक शानदार कार्यक्रम का शुभारंभ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर कर किया गया है। इस अवसर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय उपभोक्ता मामले और खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण के मंत्री प्रह्लाद जोशी सहित सेनाप्रमुख जनरल धीरज सेठ, एफसीआई, एनएएफईडी के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान के माध्यम से यह ▶▶शेष पेज 5 पर



पांच वर्ष तक मान्य रहेगा एमओयू

मंत्रालय ने कहा, एमओयू 60 महीने यानी 5 साल तक वैध रहेगा। बाद में इसे आपसी सहमति से आगे बढ़ाया जा सकता है। उच्च-गुणवत्ता वाले इस चावल को मानक विनिर्देशों के मुताबिक उपलब्ध कराया जाएगा। संकटकाल में इसकी एफसीआई के गोदाम से सीधे सेना तक आपूर्ति की जाएगी। बल के सुदूर क्षेत्रों लद्दाख और उत्तर पूर्व के डिपो भी इस कवायद में शामिल किए गए हैं। वहीं, एमओयू के मायने समझें तो इसे निगम की भंडारण, जनशक्ति और संसाधन प्रबंधन का उपयोग सुनिश्चित करने के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए अमलीजामा पहनाया गया है। पूर्व की परिस्थितियों में चावल जैसे जरूरी खाद्यान्न की खरीद सेना की अलग-अलग क्षेत्रों में तैनात इकाईयों द्वारा एफसीआई के स्थानीय गोदाम से की जाती रही है।

युद्ध की असल शक्ति रसद व्यवस्था

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने संबोधन में भारत चावल नामक इस पहल को भरोसे का एक ऐसा बंधन करार दिया। जिसमें चावल अन्नदाता के खेत से पैदा होकर सीधे जवानों की थाली तक पहुंचता है। साथ ही ये जय जवान, जय किसान की भावना को भी मूर्त रूप प्रदान करती है। सुदृढ़ आपूर्ति श्रृंखलाएं, सैनिकों का कल्याण राष्ट्रीय सुरक्षा का अभिन्न अंग है। दूसरे अर्थों में समझें तो यह उस सामूहिक संकल्प का प्रतीक है। जहां एक किसान का श्रम एक सैनिक की शक्ति में तब्दील हो जाता है। उन्होंने ये भी कहा कि आधुनिक युद्ध में सिर्फ हथियार, उपकरण और प्रौद्योगिकी ही एकमात्र महत्वपूर्ण तत्व नहीं हैं। बल्कि युद्ध की वास्तविक शक्ति रसद ▶▶शेष पेज 5 पर

चुनौती के समय यूं जरूरी मजबूत व्यवस्था

उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर का विशेष तौर पर उल्लेख करते हुए बताया, भविष्य में होने वाले संघर्षों के समय पर चेतावनी का समय कम हो सकता है। ऐसे परिदृश्य के मध्य युद्ध में तकनीक का बड़े पैमाने पर शामिल होना हमारी तैयारियों के अलावा रसद श्रृंखलाओं, आपूर्ति नेटवर्क की मजबूती को चुनौती दे सकते हैं। इसलिए सैन्य अभियानों को बेरोकटोक जारी रखने के लिए रसद व्यवस्था को और अधिक सशक्त बनाना बेहद आवश्यक है। उक्त एमओयू इसी दिशा में उठाया गया एक अहम कदम है।

छोटी पहल के बड़े मायने

रक्षा मंत्री ने कहा कि ये पहल छोटी जरूर लग सकती है। लेकिन इससे सुदूर सीमावर्ती इलाकों, दुर्गम क्षेत्रों में राशन पहुंचाने वाले सैनिकों को काफी राहत मिलेगी। जवानों की परिचालन तत्परता महज हथियारों ▶▶शेष पेज 5 पर

नई दिल्ली में विदेश मंत्री डॉ.एस.जयशंकर के साथ होगी मुलाकात, संबंधों से जुड़े सभी पहलुओं पर होगी चर्चा

आज से भारत की यात्रा पर रहेंगी कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद



हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दुनिया के कई भागों में चल रहे सैन्य संघर्षों के बीच मंगलवार से कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद भारत की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगी। जिसमें नई दिल्ली में उनकी अपने समकक्ष और विदेश मंत्री डॉ.एस.जयशंकर के साथ एक महत्वपूर्ण उच्च-स्तरीय बैठक होगी। इस दौरान होने वाली वार्ता में भारत और कनाडा के द्विपक्षीय संबंधों से जुड़े सभी जरूरी विषयों पर व्यापक रूप से चर्चा की जाएगी। यह जानकारी सोमवार को भारत में कनाडा के दूतावास ने एक बयान जारी कर दी है। जिसमें बताया कि विदेश मंत्री आनंद की यह यात्रा 13 से 16 अक्टूबर तक चलेगी। जिसमें वह भारत के अलावा ▶▶शेष पेज 5 पर

रोडमैप के जरिए उन्नत होगी साझेदारी

बयान के अनुसार, अनीता आनंद की इस भारत यात्रा में दोनों विदेश मंत्रियों के बीच सहयोग को और अधिक आगे बढ़ाने यानी गहराई प्रदान करने के लिए रोडमैप के माध्यम से तय की गई प्राथमिकताओं में शामिल क्षेत्रों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। जिसमें व्यापार, ऊर्जा, रक्षा-सुरक्षा और आम जन के बीच मौजूद संबंध मुख्य रूप से शामिल हैं। यहां बता दें कि 2025 से भारत, कनाडा के विदेश मंत्रियों के बीच होने वाली यह 11वीं बैठक होगी। जो दोनों देशों में होने वाले उच्च-स्तरीय आदान-प्रदान समेत बढ़ते हुए आपसी संबंधों का प्रमाण प्रस्तुत करती है।

ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम में करेंगी शिरकत

राष्ट्रीय राजधानी में कनाडाई मंत्री ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम द्वारा आयोजित की गई परिचर्चा में भी भाग लेंगी। जिसका विषय 'मिडिल पावर्स एंड द चेंजिंग ग्लोबल ऑर्डर' रखा गया है। वर्तमान समय में बनी हुई भू-राजनीतिक अस्थिरता के दौर में उनके द्वारा बहुआयामी व बहुपक्षीय सहयोग पर जोर दिया जाएगा। इसके अलावा कनाडा को न केवल भारत बल्कि ▶▶शेष पेज 5 पर

बैंडमिंटन कोच पुलेला गोपीचंद से हरिभूमि-आईएनएच न्यूज के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी का सार्थक संवाद

शिकायत नहीं, संकल्प चाहिए, अगर प्रतिभा को मौका मिले, तो खुल जाती है सफलता की राह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

भारत के अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी और कोच पुलेला गोपीचंद के नाम से रायपुर में भी बैडमिंटन अकादमी खोली गई है। इस संबंध में कोच गोपीचंद का साफ कहना है, यह अकादमी सिर्फ मेरे नाम से नहीं रहेगी, मैं भी यहां लगातार आऊंगा और यहां की प्रतिभाओं को निखारने का काम किया जाएगा। वे कहते हैं, शिकायत नहीं संकल्प चाहिए। अगर प्रतिभा को मौका मिले तो सफलता की राह खुल जाती है। सपने बड़े हों, तो सुविधाओं का इंतजार नहीं, रास्ते बनाने पड़ते हैं। प्रस्तुत है, कोच पुलेला गोपीचंद से हरिभूमि-आईएनएच न्यूज के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी के साथ संवाद के अंश।



- दो चीजें आपसे जाननी थीं, एक तो आपने ये बताया कि आप जब जूनियर नेशनल चैंपियन बने, उस समय बमुश्किल आपकी 17-18 साल की उम्र थी। आपने बताया कि 91 में आपको टाटा स्टील में जॉब मिल गई। एक 17-18 साल का लड़का, नौकरी पा गया, कैसे?
- अभी पढ़ाई नहीं, कोई स्किल नहीं, कोई इंटरेस्ट नहीं, अभी जॉब भी नहीं रहेगी तो हम करेंगे क्या जिंदगी में? 18 साल में मैंने ज्वाइन कर लिया। सो, माय मदर एल्लाइड टू एवरी कॉर्पोरेट, कि ये खेलते रह जाएगा या पढ़ाई ठीक से नहीं करेगा तो ये करेगा क्या? सो, आई थिंक क्रेडिट टू माय मदर, उन्होंने ऐसा सोचा कि इसको जॉब करनी है।
- उस समय कोई खिलाड़ी आपके जेहन में रहता था कि मैं ऐसा बनना चाहता हूं या कोई रोल मॉडल था आपका? ▶▶शेष पेज 5 पर

- उस दौर में आपने रैकेट थामा, जिस समय सामान्य मध्यमवर्गीय परिवारों में कहा जाता था, बेटा पढ़ो, पढ़ोगे तो कुछ बन जाओगे, नहीं तो चप्पलें चटकाओगे, कैसे?
- परिवार का सपोर्ट था और हमारे पिता एक बैंक में काम करते थे तो उनका ट्रांसफर होते-होते हम हैदराबाद पहुंचे, करीब 1985 के टाइम पे। तब देश में सभी लोग क्रिकेट खेलना चाह रहे थे, हम भी ऐसे ही थे। थोड़ा-बहुत खेला घर पे, मतलब अपार्टमेंट में और थोड़े विंडोज हमने भी तोड़े तो नेबर्स ने कंप्लेन की, तब माताजी ने बोला कि चलो स्टेडियम लेकर चलते हैं। क्रिकेट में एडमिशन मिला नहीं, और टेनिस के बारे में पैरेंट्स सोचते हैं कि बहुत महंगा खेल है, इसलिए बैडमिंटन ज्वाइन किया, एडमिशन मिल रहा था। उसके बाद पढ़ाई और खेल का जो बैलेंसिंग एक्ट था, वो काफी मुश्किल था।

भाजपा महिला मोर्चा ने यौन शोषण के आरोपी सांसद बिमोल अकोइजाम के मुद्दे पर कांग्रेस के खिलाफ किया प्रदर्शन

'लड़की हूं, लड़ सकती हूं' का नारा देने वाले राहुल गांधी और प्रियंका गांधी सांसद अकोइजाम पर गंभीर आरोपों के बावजूद चुप क्यों हैं: रूपकुमारी चौधरी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की अध्यक्ष रूपकुमारी चौधरी और प्रभारी डी. पुरंदेश्वरी के नेतृत्व में पार्टी की महिला सांसदों, विधायकों, पार्षदों और महिला मोर्चा की हजारों कार्यकर्ताओं ने 'नारी शक्ति हुंकार आंदोलन' के तहत जेएनयू की 11 छात्राओं के साथ यौन दुर्व्यवहार के गंभीर मामले में आरोपी कांग्रेस सांसद अंगोमचा बिमोल अकोइजाम के खिलाफ आंध्र एजुकेशन सोसाइटी स्कूल से काँग्रेस मुख्यालय तक मार्च निकाला और जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। बैनर और पोस्टर के साथ दो घंटे तक चले इस रोषपूर्ण विरोध प्रदर्शन में भाजपा महिला कार्यकर्ताओं ▶▶शेष पेज 5 पर

खबर संक्षेप

570 किलो पटाखे जब्त, एक पर मामला दर्ज

नई दिल्ली (हरिभूमि) । द्वारका नॉर्थ पुलिस ने लगभग 570 किलोग्राम अवैध पटाखे जब्त किए और एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है। अलग अलग तरह के 570 किलोग्राम पटाखे 25 बोरे और 13 डिब्बों में रखे गये थे। डीसीपी कुशल पाल सिंह के निर्देशों पर पटाखों के अवैध भंडारण और बिक्री में शामिल लोगों के खिलाफ लगातार एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में दिवाली से पहले सक्रिय कार्रवाई करते हुए द्वारका नॉर्थ पुलिस स्टेशन की टीम ने ककरौला हाउसिंग कॉम्प्लेक्स के एक रिहायशी मकान से लगभग 570 किलोग्राम पटाखे बरामद किए। अवैध रूप से पटाखे रखने और उनका भंडारण करने में कथित तौर पर शामिल व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पकड़े गये शख्स का नाम ककरौला निवासी महेंद्र (79) बताया गया। उसने बिना किसी वैध लाइसेंस या अनुमति के ग्राहकों को ज्यादा कीमतों पर बेचकर अवैध मुनाफा कमाने के लिए ये पटाखे खरीदे थे।

यमुना विहार मार्केट के पास आग लगी

नई दिल्ली (हरिभूमि) । उत्तर पूर्वी जिले के यमुना विहार बाजार के पास सोमवार को आग लग गई, जिससे दो कारें और एक स्कूटर जलकर खाक हो गया। दमकल विभाग के अनुसार यमुना विहार में सी 12 ब्लॉक की मार्केट के पास सुबह 6.09 बजे आग लगने की सूचना मिली, जिसके बाद दमकल की तीन गाड़ियों को मौके कर भेजा गया। सुबह 6.25 तक आग बुझा दी गई। घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। पुलिस आग लगने के कारणों की जांच कर रही है।

पौधों की छंटाई के काम में जुटी एनडीएमसी की टीमें

नई दिल्ली (हरिभूमि) । नई दिल्ली की हरियाली को संरक्षित करने और शहर के सौंदर्य को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) की टीमें लगातार जमीनी स्तर पर रखरखाव और बागवानी कार्यों में जुटी हुई हैं। एनडीएमसी के बागवानी विभाग की ओर से क्षेत्र के पार्कों, हरित पट्टियों, सड़क के किनारों और प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर नियमित रूप से घास की कटाई और पौधों की छंटाई का काम व्यापक स्तर पर किया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार, इन निरंतर प्रयासों का मुख्य लक्ष्य नई दिल्ली को अधिक स्वच्छ, हरा-भरा और सुंदर बनाए रखना है, ताकि स्थानीय निवासियों और यहां आने वाले पर्यटकों को एक स्वच्छ और बेहतर वातावरण मिल सके। सार्वजनिक स्थलों और पार्कों के सुचारू रखरखाव से न केवल पर्यावरण संतुलन को मजबूती मिल रही है, बल्कि शहर का सौंदर्य भी निखर कर सामने आ रहा है। एनडीएमसी का कहना है कि हरित क्षेत्र के संरक्षण और रखरखाव का यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

पहला रिड्यूस, रीयूज, रीसायकल केंद्र शुरू



नई दिल्ली (हरिभूमि) । महापौर प्रवेश वाही ने पश्चिमी जोन अंतर्गत सुभाष नगर में पहले रिड्यूस, रीयूज, रीसायकल (आरआरआर) केंद्र का उद्घाटन किया। इस अवसर पर महापौर वाही के अलावा इस अवसर पर पश्चिमी क्षेत्र वार्ड समिति के अध्यक्ष हरीश ओबेरॉय, निगमायुक्त संजीव खिरवार, पश्चिमी जोन के उपायुक्त कर्नल विनोद अत्री सहित अन्य मौजूद थे। इस मौके पर महापौर ने उद्घाटन के बाद अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि धरती पर संसाधन सीमित हैं और पुनर्प्रयोग की अवधारणा के अंतर्गत कचरे को कम करना, वस्तुओं का पुन उपयोग करना और पुनर्चक्रण को प्रोत्साहित करना शामिल है। उन्होंने कहा कि इस पहल से दिल्ली के नागरिकों में स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने और कचरे के वैज्ञानिक प्रबंधन को प्रोत्साहित करने में सहायता मिलेगी।

मई में कम से कम 11 छात्राओं ने प्रोफेसर के खिलाफ शिकायतें दर्ज कराई थीं

जेएनयू के बर्खास्त प्रो. अकोइजाम के खिलाफ यौन उत्पीड़न का केस दर्ज

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली



नई दिल्ली। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के प्रोफेसर पद से बर्खास्त किए जाने के कुछ दिन बाद कांग्रेस सांसद अंगोमचा बिमल अकोइजाम के खिलाफ यौन उत्पीड़न और महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने के आरोपों में प्राथमिकी दर्ज की गई है। दिल्ली पुलिस के अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, प्राथमिकी विश्वविद्यालय के मुख्य सुरक्षा अधिकारी की ओर से 11 अक्टूबर को कराई गई शिकायत के आधार पर दर्ज की गई है।

जेएनयू के सामाजिक विज्ञान संस्थान के अंतर्गत सामाजिक प्रणाली अध्ययन केंद्र में प्रोफेसर रहे अकोइजाम को यौन उत्पीड़न के आरोपों की जांच के बाद नौ अक्टूबर को तत्काल प्रभाव से बर्खास्त कर दिया गया था। उन्होंने अपने खिलाफ लगे आरोपों से इनकार किया है। खबरों के अनुसार, इस साल मई में कम से कम 11 छात्राओं ने प्रोफेसर के खिलाफ यौन उत्पीड़न की शिकायतें दर्ज कराई थीं। शिकायतों में आरोप लगाया गया था कि वह बैठकों या अन्य आयोजनों के बहाने छात्राओं को परिसर स्थित अपने आवास पर बुलाते थे और उनका यौन उत्पीड़न करने की कोशिश करते थे। कुछ छात्राओं ने कक्षा में अश्लील और अनुचित टिप्पणियां करने का आरोप भी लगाया था। पुलिस ने बताया कि इनर मणिपुर से कांग्रेस सांसद अकोइजाम के खिलाफ जेएनयू के मुख्य सुरक्षा अधिकारी की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया है। प्राथमिकी रविवार को वसंत कुंज उत्तर थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज की गई। ये धाराएं यौन उत्पीड़न और महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने के इरादे से किए गए कृत्यों सहित अन्य अपराधों से संबंधित हैं। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है। अकोइजाम ने शुक्रवार को अपनी बर्खास्तगी पर प्रतिक्रिया देते हुए इस कार्रवाई को 'दुर्भावनापूर्ण तरीके से निशाना बनाने वाली कार्रवाई' करार दिया था। उन्होंने दावा किया था कि उन्हें जांच समिति के निष्कर्षों पर अपना पक्ष रखने का अवसर नहीं दिया गया।

भाजपा महिला मोर्चा का कांग्रेस मुख्यालय के पास प्रदर्शन

आरोपी कांग्रेस के सांसद भी है, नारेबाजी के साथ की बर्खास्तगी की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली



भारतीय जनता पार्टी के महिला मोर्चा ने सोमवार को जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के 'मार्क्स फोर सेक्स स्कैंडल अभियुक्त कांग्रेस सांसद प्रोफेसर अंगोमचा बिमोल अकोइजाम की कांग्रेस से बर्खास्तगी की मांग को लेकर दीनदयाल उपाध्याय मार्ग स्थित कांग्रेस मुख्यालय पर 'विराट रोष प्रदर्शन' किया।

महिला मोर्चा कार्यकर्ताओं का एक छोटा सा जत्था बैरिकेड्स तोड़कर कांग्रेस मुख्यालय के गेट तक पहुंचा और वहां उनका कांग्रेस के कार्यकर्ताओं से टकराव हुआ। भाजपा महिला मोर्चा का आरोप है कि उपस्थित पुरूष कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उन महिलाओं से धक्का मुक्की की और उन्हे भद्दी गालियां दीं। धक्का मुक्की करने वालों में कांग्रेस नेता संजीव सिंह प्रमुख प्रखर थे। भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सांसद रूप कुमारी चौधरी की अध्यक्षता में आयोजित एवं दिल्ली भाजपा महामंत्री योगिता सिंह द्वारा संचालित 'विराट महिला रोष प्रदर्शन' में भाजपा की अनेकों महिला नेत्रियां शामिल हुई। प्रदेश भाजपा से मिली जानकारी के अनुसार, अनेक महिला नेत्रियों ने प्रदर्शन के एकत्रीकरण स्थल पर उपस्थित हजारों महिलाओं को सम्बोधित किया और इसके बाद कांग्रेस कार्यालय की ओर रूप कुमारी चौधरी के नेतृत्व में कांग्रेस मुख्यालय की तरफ कूच किया तो भारी पुलिस बल ने उन्हें बैरिकेड्स लगा कर रोका। बैरिकेड्स तोड़ने का प्रयास करने पर दिल्ली पुलिस डी. पुंडेशवरी देवी, कमलजीत सहरावत, बांसुरी स्वराज, रक्षा खड़से, मालविका देवी, योगिता सिंह, अर्चना गुप्ता, आरती मेहरा, सुमन लता डागर सहित सैकड़ों महिला मोर्चा नेत्रियों को गिरफ्तार करके आईपी एस्टेट थाने ले गई जहां से करीब एक घंटे बाद उन्हे चेतावनी देकर छोड़ दिया गया। भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सांसद रूप कुमारी चौधरी ने कहा कि यहाँ एकत्रित मातृशक्ति की यही मांग है कि देश की बेटियों के सम्मान, सुरक्षा और न्याय के साथ कोई समझौता नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि हम कांग्रेस के सांसद द्वारा छात्रों को मार्क्स के नाम पर शोषण करने की कड़ी निंदा करते हैं और कांग्रेस अपने इस सांसद को तुरंत पार्टी से बर्खास्त करे क्योंकि हमारे देश की बेटियां न्याय की मांग कर रही हैं।

दिल्ली में बेटियों की सुरक्षा व आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करना प्राथमिकता : रेखा गुप्ता

मुख्यमंत्री जन सेवा सदन में कॉलेजों की छात्रा प्रतिनिधियों के साथ किया संवाद

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली



दिल्ली की बेटियों की सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करना दिल्ली सरकार की प्राथमिकता है और इसके साथ ही छात्राओं की समस्याओं को गंभीरता से लेकर प्राथमिकता के आधार पर समाधान भी सुनिश्चित करेगी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को मुख्यमंत्री जन सेवा सदन में दिल्ली के विभिन्न कॉलेजों की छात्रा प्रतिनिधियों के साथ संवाद के दौरान यह बात कही।

बैठक में छात्राओं ने अपने-अपने कॉलेजों और आसपास के क्षेत्रों में महिला सुरक्षा, स्ट्रीट लाइट, सार्वजनिक परिवहन, सीसीटीवी निगरानी और शिकायत निवारण व्यवस्था से जुड़े मुद्दे उठाए। मुख्यमंत्री ने छात्राओं की बातों को गंभीरता से सुना और उनके सुझावों पर प्राथमिकता के आधार पर आवश्यक कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि छात्राओं द्वारा साझा किए गए सुझावों को संबंधित अधिकारियों के समक्ष रखा जाएगा। समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक समन्वय और फॉलो-अप सुनिश्चित किया जाएगा। छात्राओं और संबंधित अधिकारियों के बीच संवाद एवं समन्वय के लिए बनाए गए वॉट्सऐप ग्रुप को सक्रिय रखा जाएगा, ताकि छात्राएं अपनी समस्याएं सीधे साझा कर सकें और उन पर समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। यदि किसी शिकायत पर संबंधित स्तर पर सुनवाई नहीं होती है तो छात्राएं वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों एवं संबंधित विभागीय अधिकारियों के समक्ष भी अपना विषय रख सकती हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि छात्राओं की शिकायतों का प्रभावी निस्तारण और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री के समक्ष लेडी श्रीराम कॉलेज, गार्गी कॉलेज, दौलत राम कॉलेज, जीसस एंड मैरी कॉलेज, मैत्रेयी कॉलेज, अदिति महाविद्यालय, जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज सहित विभिन्न कॉलेजों की छात्रा प्रतिनिधियों ने महिला सुरक्षा से जुड़े मुद्दे उठाए। उन्होंने कॉलेजों के आसपास पर्याप्त स्ट्रीट लाइट लगाने, डार्क स्पॉट्स एवं संवेदनशील स्थानों के सुरक्षा ऑडिट, पिंक बूथों की सुलभता, महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती, नियमित पुलिस गश्त बढ़ाने और महिला सुरक्षा हेल्पलाइन नंबरों के व्यापकप्रचार-प्रसार की मांग की। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने छात्राओं को आपातकालीन सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर 112 की जानकारी देते हुए कहा कि किसी भी आपात स्थिति में इस नंबर के माध्यम से पुलिस एवं संबंधित आपातकालीन सेवाओं से सहायता प्राप्त की जा सकती है।

छात्राओं ने गिनाई अनेकों समस्याएं

छात्राओं ने ऑफ-कैंपस कॉलेजों एवं दूरस्थ क्षेत्रों में डीटीसी बसों की पर्याप्त उपलब्धता, निर्धारित स्टॉप पर बसों के रुकने, ट्रैफिक सुधार और पीजी आवास वाले क्षेत्रों में प्रभावी निगरानी की आवश्यकता भी बताई। उन्होंने शिकायतों के समयबद्ध निस्तारण, पिंक बूथों पर मिली शिकायतों पर प्रभावी कार्रवाई, शिकायत पेटियों की नियमित जांच और कॉलेज प्रशासन और पुलिस के बीच बेहतर समन्वय पर जोर दिया। कुछ क्षेत्रों में भवन सुरक्षा से जुड़ी लंबित शिकायतों और अन्य स्थानीय सुरक्षा समस्याओं को भी उठाया गया। मुख्यमंत्री ने सभी सुझावों को गंभीरता से लेते हुए समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाने और छात्राओं के लिए सुरक्षित, सुविधाजनक एवं अनुकूल शैक्षणिक वातावरण सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया।

मिरांडा हाउस में 'जॉब फेयर' का आयोजन

नई दिल्ली (हरिभूमि) । दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के मिरांडा हाउस के प्लेसमेंट सेल ने कॉलेज परिसर में अपने वार्षिक जॉब मेला, इंटर्नशिप और नॉलेज फेयर 'क्राइसैलिस 9.1' का आयोजन किया। कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में मिरांडा हाउस की प्राचार्या प्रो. (डॉ.) बिजयालक्ष्मी नंदा, प्लेसमेंट सेल की संयोजक प्रो. (डॉ.) हेना सिंह, शिक्षकगण और अन्य विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। इस मेले में डीयू के विभिन्न कॉलेजों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। इसमें 1,000 से अधिक विद्यार्थियों और 50 से अधिक कंपनियों ने हिस्सा लिया। विभिन्न क्षेत्रों की कंपनियों ने विद्यार्थियों को नौकरी और इंटर्नशिप के अवसर प्रदान किए। इनमें कंसल्टिंग, फाइनेंस, रिटेल, प्रकाशन, मार्केटिंग, शिक्षा और सामाजिक क्षेत्र से जुड़ी कंपनियाँ शामिल थीं। भाग लेने वाली प्रमुख कंपनियों में जोमेटो, इंडिगो, मूथूट फायनेंस, बजाज लाइफ इंश्यूरेंस और अंतरराष्ट्रीय कंपनी स्परिक्स शामिल थीं।

दुर्गा ई-ऑटो योजना का पोर्टल लॉन्च

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली



दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को दिल्ली सचिवालय में दुर्गा (ड्राइविंग, अपलिफ्टमेंट एंड रोजगार फॉर वुमेन/ट्रांसजेंडर ई-ऑटो) योजना का डिजिटल पोर्टल (https://evsubsidy.delhi.gov.in/DurgaScheme) लॉन्च किया। इस योजना के माध्यम से महिलाओं व ट्रांसजेंडर्स को इलेक्ट्रिक ऑटो का मालिक और चालक बनकर सम्मानजनक स्वरोजगार हासिल करने का अवसर मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं और ट्रांसजेंडर्स को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ उन्हें सुरक्षित परिवहन से जोड़ना दिल्ली सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। 'दुर्गा' योजना इसी दिशा में अहम पहल है। इसके अंतर्गत महिलाएं और ट्रांसजेंडर इलेक्ट्रिक पिंक ऑटो के मालिक और चालक बन सकेंगे। इससे उन्हें सम्मानजनक स्वरोजगार और आर्थिक आत्मनिर्भरता का अवसर मिलेगा। इस अवसर पर दिल्ली के परिवहन मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने कहा कि योजना के लाभार्थी ईवी नीति के अंतर्गत निर्धारित खरीद प्रोत्साहनों का लाभ भी उठा सकेंगे।

नवरात्रि पर मंदिरों के पास चलाया स्वच्छता अभियान

नई दिल्ली (हरिभूमि) । 'स्वच्छता ही सेवा 2026' अभियान के तहत नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने नवरात्रि उत्सव के दौरान मंदिरों और उनके आसपास के इलाकों में स्वच्छता अभियान शुरू किया है। इस विशेष अभियान का मुख्य उद्देश्य पर्व के दौरान मंदिरों में आने वाले श्रद्धालुओं को स्वच्छ, सुरक्षित और सुखद वातावरण प्रदान करना है। यह अभियान एनडीएमसी अध्यक्ष मनोज कुमार द्विवेदी और सचिव राहुल सिंह के मार्गदर्शन में संचालित किया जा रहा है। नवरात्रि के पावन अवसर पर मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को ध्यान में रखते हुए एनडीएमसी की टीमें मंदिर परिसरों और आसपास के मुख्य मार्गों पर गहन सफाई कर रही हैं।

मानसून बाद झमाझम बारिश, पारा लुढ़कने से गुलाबी ठंड का अहसास

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

मानसून की विदाई के बाद रविवार-सोमवार की देर रात दिल्ली में हुई झमाझम बारिश के बाद एक बार फिर तापमान सामान्य से चार डिग्री तक नीचे लुढ़क गया। पारे में आई गिरावट के बाद दिल्ली में ठंडी हवा चलने से मौसम में हल्की गुलाबी ठंडक की रंगत का अहसास होने लगा है।

भारतीय मौसम विज्ञान केंद्र (आईएमडी) के अनुसार सोमवार सुबह साढ़े आठ बजे तक रिज एरिया में सबसे ज्यादा 49 मिमी बारिश दर्ज हुई। जबकि सफदरजंग वेधशाला ने दिल्ली में औसत 41.6 मिमी, बारिश दर्ज की। वहीं पालम में 31 मिमी, लोधी रोड 41.4 मिमी, आया नगर में 39 मिमी, पूसा में 42 मिमी, मयूर विहार में 21.5 मिमी बारिश दर्ज हुई। वहीं आईएमडी का कहना है कि बारिश के चलते अधिकतम तापमान में 30.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ जो इस मौसम के सामान्य तापमान से 4 डिग्री सेल्सियस नीचे है। जबकि न्यूनतम तापमान 18.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ जो सामान्य तापमान से 2.3 डिग्री सेल्सियस नीचे है।

एटीएम धोखाधड़ी में शामिल आरोपी धरा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली।

शाहदरा जिले की जगतपुरी पुलिस ने एटीएम से जुड़ी धोखाधड़ी के मामले में शामिल आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से 76 एटीएम कार्ड, पांच हजार रुपये नकदी और चोरी की एक मोटरसाइकिल बरामद हुई है। मोटरसाइकिल पर फर्जी रजिस्ट्रेशन नंबर का इस्तेमाल किया जा रहा था।

डीसीपी राजेंद्र प्रसाद मीणा के अनुसार जगतपुरी के चंदर नगर में एक एटीएम के पास गश्त के दौरान हेड कांटस्टेबल अरुण ने एक व्यक्ति को देखा जो मामले के संदिग्ध जैसा दिख रहा था। पूछताछ करने पर वह भागने की कोशिश करने लगा, लेकिन पुलिसकर्मी ने उसे तुरंत पकड़ लिया और जगतपुरी पुलिस स्टेशन ले आए। इसके बाद उसकी गिरफ्तारी की जानकारी इसी तरह के मामलों की जांच कर रहे अधिकारियों के साथ साझा की गई। एफआईआर नंबर 367/2026 की जांच के दौरान आरोपी से पूछताछ की गई और उसने अपराध में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। घटना के सीसीटीवी फुटेज में आरोपी की पहचान की गई। मोहम्मद शाहिद उर्फ शहजाद (39) ब्रह्मपुरी, न्यू सीलमपुर का रहने वाला है। आगे की पूछताछ के दौरान आरोपी ने तीन और मामलों में अपनी भूमिका के बारे में बताया। तीनों केस जगतपुरी थाने में ही दर्ज मिले। आरोपी के आपराधिक रिकॉर्ड की आगे जांच में आठ मामलों में उसकी भूमिका पाई गई।

मेट्रो में सीट के झगड़े में शख्स की मौत

पुलिस ने पूर्व आईएएस अधिकारी और उनके वकील बेटे को गिरफ्तार किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली



मेट्रो में सीट को लेकर हुई मारपीट में एक 48 वर्षीय शख्स की मौत हो गई। सुप्रीम कोर्ट मेट्रो स्टेशन पर बुजुर्गों के लिए रिजर्व सीट को लेकर विवाद शुरू हुआ जिसमें कथित तौर पर थप्पड़ मारने और धक्का देने से पवन नाम के व्यक्ति की मौत हो गई। मामला आठ अक्टूबर का बताया गया है।

पुलिस ने कार्रवाई करते हुये एक पूर्व आईएएस अधिकारी और उनके वकील बेटे को गिरफ्तार किया है। इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट मेट्रो थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। एफआईआर के अनुसार पवन शर्मा अपनी बुजुर्ग मां के साथ ट्रेन में सवार हुये थे। ट्रेन के अंदर पूर्व आईएएस संजय प्रताप सिंह और उनके बेटे सिद्धार्थ सिंह भी यात्रा कर रहे थे। संजय प्रताप सिंह भारतीय प्रशासनिक सेवा के पूर्व वरिष्ठ अधिकारी हैं। उनका बेटा उच्चतम न्यायालय का वकील है। सूत्रों ने बताया कि विवाद कथित तौर पर बुजुर्गों के लिए रिजर्व सीट को लेकर शुरू हुआ था। बहस के दौरान शर्मा को कथित तौर पर थप्पड़ मारा गया और धक्का दिया गया, जिससे वह ट्रेन के फर्श पर गिर पड़े और उनके सिर में चोट आई। मेट्रो कर्मचारियों ने शर्मा को एंबुलेंस से लोक नायक जय प्रकाश अस्पताल पहुंचाया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। शर्मा की मां दुर्गा शर्मा की शिकायत पर नौ अक्टूबर को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 105 (गैर इरादतन हत्या) और धारा 3(5) (साझा मंशा) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ट्रैफिक पाठशाला में लोगों को पढ़ाया सड़क सुरक्षा का पाठ

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली।



नॉर्दर्न रेंज ट्रैफिक पुलिस ने 49 ट्रैफिक पाठशाला का आयोजन किया। इस दौरान 1256 लोगों को सड़क सुरक्षा के बारे में जागरूक किया गया। आम जनता के बीच सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने और ट्रैफिक नियमों के बारे में जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से ट्रैफिक पुलिस ने 3 अक्टूबर से 11 अक्टूबर तक प्रमुख चौराहों और बाजारों में ये पाठशाला आयोजित कीं।

डीसीपी ट्रैफिक डॉ. सचिन कुमार सिंघल के अनुसार इन जागरूकता कार्यक्रमों के दौरान ट्रैफिक कर्मियों ने लोगों को हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट का उपयोग करने, गाड़ी चलाते समय मोबाइल का इस्तेमाल न करने, शराब पीकर गाड़ी न चलाने, ट्रैफिक सिग्नल मानने, लेन अनुशासन का पालन करने और सड़क पार करते समय जेबरा क्रॉसिंग का उपयोग करने के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। इन 'ट्रैफिक पाठशालाओं' का उद्देश्य जिम्मेदार सड़क व्यवहार को प्रोत्साहित करना, ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन को कम करना और जन-भागीदारी व जागरूकता के माध्यम से सड़क दुर्घटनाओं को रोकना था।

अतिक्रमण और गलत पार्किंग के खिलाफ विशेष अभियान : ट्रैफिक की सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करने, सड़क किनारे हुए अतिक्रमण को हटाने और सड़क सुरक्षा को बेहतर बनाने के उद्देश्य से नॉर्दर्न रेंज ट्रैफिक पुलिस ने तीन अक्टूबर से 11 अक्टूबर तक विभिन्न इलाकों में मिशन सफाई के तहत कई विशेष प्रवर्तन अभियान चलाए। संबंधित नागरिक एजेंसियों के साथ समन्वय करके ये अभियान चलाए गए, ताकि सड़कें बाधा-मुक्त रहें और यात्रियों व पैदल चलने वालों को अधिक सुविधा मिल सके। इस दौरान गलत पार्किंग, सड़क किनारे अनधिकृत कब्जे और ट्रैफिक के सुचारू प्रवाह को प्रभावित करने वाली अन्य बाधाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई। इस अवधि के दौरान गलत पार्किंग के 1,626 चालान किये गये। 242 रेहड़ी व पटरी हटाई गई। 70 गाड़ियां टो की गई। 23 ईरिक्शा हटाए गए। आने वाले दिनों में यातायात पुलिस इस प्रकार के प्रवर्तन अभियान जारी रखेगी।

छात्राएं आत्मविश्वास से आगे बढ़कर राष्ट्र के विकास में सक्रिय योगदान दें : लता

नई दिल्ली (हरिभूमि) । छात्राएं और महिलाएं आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़कर समाज एवं राष्ट्र के विकास में सक्रिय योगदान दें। यह बात सोमवार को दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्ल्यू) अध्यक्ष लता गुप्ता ने नारी शक्ति संवाद' के तहत श्यामलाल कॉलेज, विवेकानंद कॉलेज और दयाल सिंह कॉलेज की छात्राओं से संवाद करते हुए कही। लता गुप्ता ने दयाल सिंह कॉलेज में आयोजित 'नारी शक्ति' इंटर-कॉलेज क्विज प्रतियोगिता एवं स्पीकर सेशन में उन्होंने मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता की। डीसीडब्ल्यू अध्यक्ष लता गुप्ता ने कहा कि इन कार्यक्रमों का उद्देश्य छात्राओं को महिला सुरक्षा, कानूनी अधिकारों, डिजिटल सुरक्षा एवं शिकायत तंत्र के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की बढ़ती भूमिका को रेखांकित करना है। दयाल सिंह कॉलेज में लता गुप्ता ने छात्राओं को शिक्षा, आत्मनिर्भरता, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक सहभागिता के महत्व के प्रति प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की भूमिका निरंतर बढ़ रही है और देश की प्रगति में उनकी भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। महिलाओं को समान अवसर, सुरक्षा और सम्मान प्रदान करना एक सशक्त एवं विकसित राष्ट्र के निर्माण के लिए आवश्यक है।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **अरशद अली, पुत्रः** बरकर अली, **निवासीः** म.नं. 43, चंदीराम का मकान, चौपाल नं. 2, गांव घोंडली, कृष्णा नगर, दिल्ली ने मुकदमा **FIR No. 223/2025, U/s 115(2)/126(2)/321(4), भारतीय न्याय संहिता, 2023, थानाः गीता कॉलोनी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **अरशद अली** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **अरशद अली** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि मुकदमा **FIR No. 223/2025, U/s 115(2)/126(2)/321(4), भारतीय न्याय संहिता, 2023, थानाः गीता कॉलोनी, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **अरशद अली** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **25.11.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री प्रेरणा राय
न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी–02 (पूर्व)
कमरा नं. 15, कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/14323/SHD/2026
(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **अहसिन,** पुत्र कल्लन, निवासी मकान संख्या डी-31, गली नंबर 20, ओल्ड मुस्तफाबाद, दिल्ली ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 635/2015 धारा 341/323/506 भा.दं.सं. थाना गोकुलपुरी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **अहसिन** मिल नहीं रहा है, और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **अहसिन** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इसके खिलाफ माननीय अदालत द्वारा धारा **84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता** की कार्यवाही जारी हो चुकी है। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 635/2015 धारा 341/323/506 भा.दं.सं. थाना गोकुलपुरी, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **अहसिन** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **25.11.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसारः सुश्री इसरा ज़ैदी,
न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी-04,
न्यायालय संख्या 64, चौथा तल, उत्तर-पूर्व जिला,
कड़कड़डूमा न्यायालय, दिल्ली।

DP/14270/NE/2026

कार्यालय पुलिस उपायुक्त, मुख्यालय सोनीपत।

मु.न.271 दिनांक 07.10.2026 धारा 140 (3) बी.एन.एस. & 84 जे. जे. एक्ट थाना सेक्टर 27 सोनीपत जिला सोनीपत।

गुमशुदा की पहचान



नाम-रेशमा ।
पिता का नाम - सुभाष।
पता - वासी लाजपत नगर दिल्ली कैम्प जिला सोनीपत ।
उम्र-15 वर्ष
कद- 4 फुट 6 इंच ।
हुलियाः- रंग सांवला, गोल चेहरा, काले बाल, काली आँखें।
पहनावा- काले रंग का टोप व जीन्स पहने हुए है।
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि दिनांक 04.10.2026 को रेशमा पुत्री सुभाष वासी लाजपत नगर दिल्ली कैम्प जिला सोनीपत, बिना किसी को बताए घर से कहीं चली गई है। अब तक घर वापिस नहीं आयी हैं। जिस सम्बन्ध में उपरोक्त मुकदमा थाना में दर्ज रजिस्टर है। अगर किसी को उपरोक्त गुमशुदगी बारे कोई सूचना मिलती हैं तो निम्नलिखित नंबरों पर सूचित करें।
प्रबन्धक थाना मो. नं. - 7419410535
अनुसंधानकर्ता मो. नं. -9466595104
कन्ट्रोल रुम सोनीपत- 0130-2222903,100

हस्ता/-अपराध अभिलेख अधिकारी,
कृते पुलिस उपायुक्त।
मुख्यालय, सोनीपत।

पीआरडीएच-1084/11/5457/2027/50121/88/7 दि. 12.10.26

लगातार हो रहे प्रदर्शन को देखते हुए दिल्ली पुलिस कमिश्नर ने जारी किया ऑर्डर, पहले भी लग चुकी पाबंदी

जंतर-मंतर पर अब नहीं होंगे प्रदर्शन, तीन नये स्थान तय

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने विरोध प्रदर्शनों के लिए जंतर-मंतर को निर्धारित स्थलों की सूची से हटा दिया है। जंतर मंतर की जगह तीन नए स्थान रामलीला मैदान, बुराड़ी मैदान और सीबीडी मैदान शाहदरा धरने प्रदर्शनों के लिए निर्धारित किए हैं। पुलिस कमिश्नर अनुराग कुमार ने इस संबंध में स्थायी आदेश जारी किया है। यह कदम ऐसे वक्त उठाया गया जब राजधानी के लुटियंस इलाके में हाल के महीनों में कई प्रदर्शन देखे गए जिससे देश की सरकार के सत्ता के केंद्र में कई सड़कों व मेट्रो स्टेशनों को बंद करना पड़ा और बड़े पैमाने पर सुरक्षा कर्मियों की तैनाती देखी गई।

पुलिस कमिश्नर के 11 अक्टूबर को जारी किये आदेश के मुताबिक, विरोध प्रदर्शन और धरने आयोजित करने के लिए तीन नए स्थान निर्धारित किए हैं। इनमें रामलीला मैदान, बुराड़ी मैदान और पूर्वी दिल्ली का सीबीडी मैदान शामिल हैं। आदेश के अनुसार, केंद्रीय गृह मंत्रालय ने मौजूदा निर्धारित स्थल के विकल्प के तौर पर विरोध प्रदर्शन और धरने आयोजित करने के लिए उपयुक्त स्थानों की समीक्षा करने के वास्ते एक समिति गठित की थी। आदेश में कहा गया है कि समिति की सिफारिशों के आधार पर जंतर-मंतर को विरोध प्रदर्शन के लिए निर्धारित स्थल के रूप में गैर अधिसूचित किया गया है। इन नये तीनों स्थानों पर विरोध प्रदर्शन और धरने आयोजित करने के लिए विस्तृत एवं संशोधित मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) अलग से जारी की जाएगी। रामलीला मैदान मध्य जिले में स्थित है और यह जंतर मंतर से चार किलोमीटर दूर है।

यह मैदान कई बड़े प्रदर्शनों व आयोजनों का गवा रहा है। जबकि पूर्वी जिले का सीबीडी मैदान 12 से 13 किलोमीटर दूर है और उत्तरी जिले में बुराड़ी मैदान लगभग 21 किलोमीटर दूर है।

सीजेपी और विपक्षी नेताओं द्वारा जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन के आह्वान के बाद राष्ट्रीय राजधानी में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच यह कदम उठाया गया है।


नई दिल्ली क्षेत्र में तैनात जवान।

सभी पुलिस अफसरों को भेजी गई प्रति : यह नया आदेश 28 अप्रैल 2022 को जारी किए गए पूर्व के स्थायी आदेश में आंशिक संशोधन के रूप में लागू किया गया है। इस आदेश को दिल्ली पुलिस के सभी विशेष पुलिस आयुक्तों, संयुक्त पुलिस आयुक्तों, अतिरिक्त पुलिस आयुक्तों, जिला पुलिस उपायुक्तों और अन्य संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई और जानकारी के लिए इस आदेश की प्रतियां भेज दी गई हैं।

पहले भी लग चुकी पाबंदी

एनजीटी ने साल 2017 में जंतर-मंतर पर विरोध-प्रदर्शन करने पर रोक लगा दी थी। एनजीटी ने कहा था कि इन प्रदर्शनों की वजह से इस जगह की हरियाली खराब हो रही है और इलाके में गंदगी भी फैल रही है। साथ ही एनजीटी ने लोगों को रामलीला मैदान में प्रदर्शन करने की सलाह दी थी। इसके बाद मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा और कोर्ट ने 2018 में एनजीटी के इस आदेश पर रोक लगाते हुए दिल्ली पुलिस से नई गाइडलाइन जारी करने को कहा था।

नई दिल्ली जिले में लॉकडाउन जैसी स्थिति, लोगों को हो रही परेशानी

हाल के दिनों में नई दिल्ली जिले में लगभग लॉकडाउन जैसी स्थिति बनी हुई है, जिससे कार्यालय जाने वालों, यात्रियों और अन्य लोगों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नई दिल्ली जिले को संवेदनशील क्षेत्र माना जाता है क्योंकि इसमें संसद और कई महत्वपूर्ण सरकारी और निजी कार्यालयों के साथ-साथ राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मंत्रियों और अन्य प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों के आवास भी हैं। महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों और प्रतिबंधित क्षेत्रों को देखते हुए, जिले में कोई भी बड़ा विरोध प्रदर्शन पुलिस के लिए चुनौती पैदा करने वाला होता है। बड़ी संख्या में लोग रोजाना मेट्रो का उपयोग करके मध्य और नई दिल्ली के कार्यालयों तक यात्रा करते हैं। विरोध प्रदर्शन के दौरान मेट्रो स्टेशनों पर प्रवेश और निकास पर प्रतिबंध के कारण यात्रियों को परेशानी का सामना करा पड़ रहा है। जनपथ मेट्रो स्टेशन गेट नंबर-2 जंतर-मंतर के सबसे नजदीक है। पटेल चौक, केंद्रीय सचिवालय और राजीव चौक मेट्रो स्टेशन भी इसके पास में हैं। जब भी किसी बड़े विरोध प्रदर्शन की आशंका होती है, तो दिल्ली पुलिस को अतिरिक्त कर्मियों को तैनात करना पड़ता है, बैरिकेड लगाने पड़ते हैं, वाहनों की आवाजाही को नियंत्रित करना पड़ता है और संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा घेरे स्थापित करने पड़ते हैं।

पुलिस ने अफवाह फैलाने वाले 300 सोशल मीडिया पोस्ट हटवाए

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस प्रदर्शनों के बीच गलत सूचनाओं के प्रसार को रोकने के लिए विभिन्न सोशल मीडिया मंचों पर नजर रख रही है। पुलिस सूत्रों ने सोमवार को बताया कि अफवाह फैलाने या सार्वजनिक अशांति पैदा करने के उद्देश्य से की गई लगभग 300 पोस्ट को हटवा दिया गया है। कुछ दिन पहले पुलिस ने 24 वर्षीय शख्स को गिरफ्तार किया था। उस पर आरोप था कि उसने सीईसी के खिलाफ एक प्रदर्शन के दौरान एक महिला पत्रकार का यौन उत्पीड़न करते हुए एक पुलिस अधिकारी को दर्शाने वाला फर्जी वीडियो एआई से बनाया और उसे प्रसारित किया। सूत्रों के अनुसार पुलिस ने प्रदर्शनों से जुड़ी आपत्तिजनक और कथित तौर पर भ्रामक सामग्री को हटाने की मांग को लेकर 'एक्स' से संपर्क किया। सोशल मीडिया पर निगरानी का उद्देश्य फर्जी सामग्री, भ्रामक दावों और उन पोस्ट की पहचान करना है जो संभावित रूप से सार्वजनिक व्यवस्था को बिगाड़ सकते हैं। पुलिस टीम ऑनलाइन मंचों की निगरानी कर रही हैं, जबकि गलत सूचना फैलाने या अशांति भड़काने की कोशिश करने वाली सामग्री के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

सुबह छह बजे से शाम पांच बजे तक छह मेट्रो स्टेशन रहे बंद

नई दिल्ली। कांग्रेस के प्रदर्शन के चलते एक बार फिर सोमवार को दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) ने सुबह छह बजे से शाम पांच बजे तक छह मेट्रो स्टेशन बंद रखे। जबकि शाम पांच बजे के बाद डीएमआरसी ने सभी बंद स्टेशनों को जनता के लिए खोल दिया। सुरक्षा कारणों से जिन छह मेट्रो स्टेशनों को तय समय सीमा के लिए बंद किया गया उनमें पटेल चौक, जनपथ, राजीव चौक, मंडी हाउस, सेंट्रल सेक्रेटेरिएट और बाराखम्बा रोड मेट्रो स्टेशन शामिल थे। डीएमआरसी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जानकारी पोस्ट की थी कि सोमवार को सुबह 6 से शाम 4 बजे तक छह स्टेशन बंद रहेंगे। वहीं दूसरी पोस्ट में डीएमआरसी ने बताया कि सभी अब बंद स्टेशनों के द्वार शाम 3 बजे खुलेंगे। बता दें कि डीएमआरसी ने सुरक्षा कारणों के चलते 10 अक्टूबर को सीजेपी के प्रदर्शन के मद्देनजर 9 अक्टूबर रात से अगले दिन रात तक 45 मेट्रो स्टेशनों को बंद रखा था।

आप का सीईसी के खिलाफ प्रदर्शन जारी, पुलिस पर बदसलूकी के आरोप

नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ आम आदमी पार्टी का प्रदर्शन सोमवार को भी जारी रहा। पुलिस कार्रवाई को लेकर आप नेताओं ने रोष जताते हुए कई आरोप लगाए। वहीं प्रदर्शन कर रहे दिल्ली अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज, राज्यसभा सांसद संजय सिंह व गोपाल राय को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। प्रदेश अध्यक्ष भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली पुलिस ने दूसरी बार मेरा गला घोंटने की कोशिश की है इसकी उपराज्यपाल को जांच करानी चाहिए। उन्होंने कहा कि जब तक ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा नहीं होगा, तब तक हमारा प्रदर्शन जारी रहेंगा। दिल्ली पुलिस चाहे डंडे मारे, सड़कों पर घसीटे, कपड़े फाड़े या सिर फोड़े, लेकिन हम अहिंसा का रास्ता अपनाते हुए अपना हक मांगते रहेंगे। भारद्वाज ने कहा कि जंतर-मंतर को प्रदर्शन स्थल के रूप में डी-नोटिफाई करना सरकार की घबराहट को दर्शाता है। सरकार को लग रहा है कि 50 हजार पुलिस वाले भी जंतर-मंतर को नहीं बचा पा रहे हैं, क्योंकि जनता, बच्चे और लड़कियां वहां पहुंच रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोई बात नहीं, सरकार हमें रामलीला मैदान दे दे, हम रामलीला मैदान में भी प्रदर्शन के लिए तैयार हैं। वहीं वरिष्ठ नेता गोपाल राय ने कहा कि जहां भी जगह मिलेगी, वहां आंदोलन और सत्याग्रह होगा। यह आंदोलन तब तक जारी रहेगा जब तक कि देश के अंदर एसआईआर रद्द नहीं होता, ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा नहीं होता और निष्पक्ष चुनाव नहीं कराए जाते।



आप विधायक जरनैल सिंह ने डीएसजीएमसी सदस्यों से पूछे प्रश्न

नई दिल्ली। प्रदर्शनकारियों को पकड़ने के लिए गुरुद्वारा बंगला साहिब में जूते सहित घुसने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। मामले पर जहां रविवार को दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (डीएसजीएमसी) के अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका ने पुलिस में आम संयोजक अरविंद केजरीवाल के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। वहीं सोमवार को मामले पर आप एमएलए जरनैल सिंह ने गुरु घर के अपमान को लेकर डीएसजीएमसी प्रधान और सदस्यों से 10 सवाल पूछे है। प्रेसवार्ता में एमएलए ने पूछा, डीएसजीएमसी सदस्य बताएं कि क्या पुलिस का जूते पहने, डंडे लेकर गुरु घर में घुसना सही है या गलत, पुलिस ने गुरुद्वारे में घुसने से पहले क्या डीएसजीएमसी से पूर्व अनुमति ली थी, अकाल तख्त साहिब से रोक के बावजूद आरएसएस के कार्यक्रमों में सदस्य कैसे शामिल हो रहे, सदस्यों की प्राथमिकता चापलूसी करना है या सिद्धांतों की रक्षा करना, क्या पुलिस में एफआईआर करने से पहले कमेटी में चर्चा हुई थी, गुरुद्वारे में मर्यादा का उल्लंघन होने पर सेवादार संगत को समझाते हैं, तो पुलिस को कार्रवाई करने का अधिकार कब मिला।

सबसे अराजक नेता हैं राहुलः हर्ष

नई दिल्ली। कभी अपनी ही सरकार का बिल फाड़ने वाले कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को सर्वोच्च न्यायालय की गरिमा से खिलवाड़ करके साबित कर दिया कि वह अब देश के सबसे अराजक नेता हैं। दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने सोमवार को राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए यह आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कुछ दिन पूर्व भारत के मुख्य न्यायाधीश से मिलकर मुख्य चुनाव आयुक्त की शिकायत करने की योजना की घोषणा करते हुए कहा था कि हमने उनसे समय मांगा है। मल्होत्रा ने कहा कि मुख्य न्यायाधीश ने रविवार ही नियमों का हवाला देते हुए इंडिया गठबंधन नेताओं से मिलने से इंकार कर दिया था पर उसके बावजूद राहुल गांधी के उकसाने से सोमवार को अखिलेश यादव एवं तेजस्वी यादव आदि इंडिया गठबंधन नेता भी एक तमाशा यात्रा लेकर न्यायालय के बैठने के समय के बाद शाम 6 बजे सर्वोच्च न्यायालय के पास पहुंचे। मल्होत्रा ने कहा कि राहुल गांधी की सोमवार की अराजकता ने स्थापित कर दिया कि यदि आने वाले दिनों सर्वोच्च न्यायालय का कोई फैसला उन्हे पसंद नहीं आयेगा तो वह उसके विरूद्ध भी सड़क पर उतर जायेंगे।

लोकतंत्र व वोट के अधिकार की लड़ाई जारी रहेगी : यादव

नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर कांग्रेस के साथ इंडिया गठबंधन के नेताओं ने बाराखंभा रोड से सुप्रीम कोर्ट तक मार्च निकाला। इस मार्च में दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी (डीपीसीसी) के अध्यक्ष देवेंद्र यादव के नेतृत्व में भारी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। मार्च के दौरान यादव ने कहा कि जब तक वोट चोर ज्ञानेश कुमार इस्तीफा देकर जेल नहीं पहुंच जाते, देश भर में यह आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में हम लंबे समय से यह लड़ाई लड़ रहे हैं और इस संघर्ष के हिस्से के रूप में हम आज सुप्रीम कोर्ट में एक रिट याचिका भी दायर करने जा रहे हैं। यादव ने कहा कि कांग्रेस और इंडिया गठबंधन एकजुट होकर यह सुनिश्चित करने की लड़ाई लड़ रहे है जिसके बाद केंद्र सरकार के इशारे पर ज्ञानेश कुमार को वोट चोरी का अपराध करने के लिए सीईसी के रूप में अपने पद का दुरुपयोग करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि ज्ञानेश कुमार द्वारा किया गया वोट चोरी जैसा अक्षम्य अपराध देश विरोधी और जनविरोधी है जिसके लिए उन्हें अपना पद छोड़ने के अलावा कोई दूसरा रास्ता नहीं बचा। उन्होंने कहा कि भाजपा, ज्ञानेश कुमार को कितना भी समर्थन करें देशवासियों के जन आंदोलन के आग ज्ञानेश कुमार को अपने पापों की सजा भुगतनी ही पड़ेगी। इस मार्च में दिल्ली की ओर से दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव के साथ एआईसीसी दिल्ली प्रभारी काजी निजामुद्दीन, एआईसीसी सचिव प्रभारी दानिश अबरार, सुरेंद्र कुमार और अब्दुल रहमान, जग प्रवेश कुमार सहित भारी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता भी मौजूद थे।



HONDA

The Honda Joy Fest

इस त्यौहार, घर आये होंडा - घर आये खुशी

कैशबैक ₹10000# तक | न्यूनतम ROI @5.99%* | लोन 100%* तक | लोन अवधि 60* महीने | नो हायपोथिकेशन*



IDFC FIRST Bank CREDIT CARDS# pine labs#

अधिक जानकारी के लिए 7230032200 पर मिस्ड कॉल दें

डीलर विवरण के लिए QR कोड स्कैन करें

Terms and Conditions applied. *Approval of the loan is at the sole discretion of the financiers, and additional documentation may be required. *The interest rates, loan amount, down payment, tenure options, and EMI are based on the financier's assessment of the applicant's credit profile. *Some of the mentioned components of the scheme cannot be clubbed together. *The offers/features may be modified or withdrawn at any time without prior intimation. *Offer valid until 30th Nov 2026. #Up to 10% Instant Cashback (₹2000 - ₹10000) is available on all HMSI models for EMI transactions made using IDFC Bank Credit Cards (Tenure 6 months to 24 months). #The offer is valid on credit card transactions processed through Pine Labs machines only and is applicable for one transaction per card/order during the offer period. #The Instant Cashback offer is valid until 30th Nov 2026. Product shown in the picture may vary from actual product available in the market. Accessories shown in the picture are not part of standard equipment.

Honda Motorcycle & Scooter India Pvt. Ltd., Registered Office: Plot No. 1, Sector - 03, IMT Manesar, Distt. Gurugram, (Haryana) - 122052, India; **Website:** www.honda2wheelersindia.com; **Customer Care:** customercare@honda.hmsi.in

Honda Exclusive Authorized Dealerships: DELHI: CENTRAL DELHI: Rajindra Honda (Daryaganj) - 9910116248; (Samaypur Badli) - 9667515743; J.B. Honda (Jhande Walan) - 9555007307; (Shastri Nagar) - 8882719494; (Naraina) - 8512889494; (Tri Nagar) - 9355719494; **SOUTH DELHI:** Malwa Honda (Lajpat Nagar) - 9266802219; (Adchini) - 8860259596; (Khanpur) - 011-40446391 (Saheen Bagh Jamia) - 8287201001; (Dakshinpuri) - 9266802215; (Sangam Vihar) - 9311227401; Absolute Honda (Mahipalpur, NH-8) - 9871600730; (RK Puram Sector 1) - 9871600734; (Chattarpur) - 8826153434; Pragnya Honda (Okhla) - 9818856993; (Pul Pehladpur Badarpur) - 9650028777; (Jaitpur) - 9818556993; Uday Honda (Adchini) - 9212355514; (Aya Nagar) - 9266135550; **WEST DELHI:** Excel Honda (Moti Nagar) - 9999903295; (Raja Garden) - 9811096676; (West Patel Nagar) - 9667540598; (Mayapuri) - 9811025879; Dhingra Honda (Peeragarhi) - 9871200045; (Uttam Nagar) - 9717455885; (Nangloi) - 9871400045; (Kirari) - 9870200152; (Amanpuri) - 9289739970; (Mangolpuri) - 9289151558; ARK Honda (Tilak Nagar) - 9211711826; Shuban Sai Honda (Najafgarh) - 8506999935; (Vikaspuri) - 8506999939; (Kakrola Mod) - 8506999936; (Vikas Nagar) - 7048947881; (Ranhola) - 9212385582; V.D. Honda (Mahavir Enclave) - 9650415522; (Dabri) - 9212670291; (Bijwasan) - 7290068240; (Rajapuri) - 9212670292; (Kapashera) - 7290068238; **EAST DELHI:** Rajindra Honda (Shahdara) - 9310457400; (Dilshad Garden) - 9818372386; (Bhajanpura) - 7042024650; (Karawal Nagar) - 9810839361; (Ill Pusta) - 9560734814; (Johripur, Shiv Vihar Metro Station) - 9311957772; Swarup Honda (Vikas Marg) - 9810806600; (Mayur Vihar Ph-III) - 9717099729; (Kondli) - 9717099726; (Pandav Nagar) - 9717099723; Celebrate Honda (Jagatpuri) - 8130547053; (Jheel) - 9821707756; (Khichripur) - 9871481114; **NORTH DELHI:** Globus Honda (Azadpur) - 8826993152; (Rani Bagh) - 8826993157; (Pitampura) - 8130093651; (Zakira) - 8130093650; (Burari) - 8826993156; (Jahangirpuri) - 8130093655; (Libaspur) - 8130093656; (Prashant Vihar) - 8130093654; Rohini Honda (Sector 3) - 8882201000; (Rithala) - 8527479000; (Budh Vihar) - 8527724000; Santoshi Honda (Narela) - 8467085731; **BALLABGARH:** Kabir Honda - 9625268154; **GAUNCHI BALLABGARH:** Kabir Honda - 9717967717; **FARIDABAD:** Pick Up Honda - 9873875500; Regent Honda - 9311485006; Faridabad Honda - 8130515558; **GREATER FARIDABAD:** Pick up Honda - 9873820000; **GURUGRAM:** Big Swing Honda (Sohna Road) - 9773548833; Ganpati Honda - 9910894235; Yume Honda - 9818250011; Malwa Gurugram Honda - 9311980996; **BADSHAHPUR:** Big Swing Honda - 9773548844; **CHAKKARPUR:** Big Swing Honda - 9355990083; **KHANDSA ROAD:** Malwa Gurugram Honda - 9289223507; **PALAM VIHAR GURUGRAM:** Ganpati Honda - 9910894234; **GURUGRAM RAILWAY ROAD:** Ganpati Honda - 9910894233; Yume Honda - 9650186777; **SEC-52 GURUGRAM:** Yume Honda - 8130364222; **SEC-82 GURUGRAM:** Ganpati Honda - 9220309621; **MANESAR:** Ganpati Honda - 9910894239; **PATAUDI:** Yume Honda - 8222840011; **HAYATPUR:** JSS Honda - 9992539657; **FARUKH NAGAR:** JRV Honda - 9211298103; **NUH:** Sri Madhav Honda - 8708512346; **HODAL:** Mukund Honda - 8168971032; **PALWAL:** Parashar Honda - 7056575100; **SOHNA:** Sohna Honda - 9812872333; **GAUTAM BUDDHA NAGAR:** Parkash Honda - 9999806883; Pioneer One Honda - 8130788666; Pioneer One Honda (Sec-58) - 8130968666; Pioneer One Honda (Noida City Center) - 8130788666; Parkash Honda (Bhangel) - 7838474152; P.S. Honda (Dadri) - 9811669969; Bhagat Honda (Jewar) - 9711716890; National Honda (Chapraula) - 7042351351; **GHAZIABAD:** JKM Leela Honda - 9999767614; Hindon Honda - 9910110017; Sangam Honda (Sahibabad) - 9311051166; Om Honda (Loni) - 9312254126; Hindon Honda (Modinagar) - 08449790925; Chauhan Honda (Muradnagar) - 9897088340; JKM Leela Honda (Vijaynagar) - 8750324000; SD Honda (Kadrabad) - 7520320611; Shri Vashu Honda (Niwari) - 8445334455; Sangam Honda (Khoda Colony) - 9540651166; BK Honda (Premvihar) - 9311114333; **GREATER NOIDA:** Parkash Honda - 9971992604; Pioneer One Honda (Gaur City) - 7838950960; Shanti Honda (Kulesra) - 9582823843; Khanna Honda (Surajpur) - 9810203519; Republic Honda (Kasna) - 8368861995; **BULANDSHAHR:** Shri Masha Honda - 7351489999; Sri Ganga Honda (Anoopshahr) - 9719524751; KLA Honda (Khurja) - 7078677972; Agarwal Honda (Dibai) - 9412563721; Veer Honda (Shikarpur) - 9758097121; Shri Bhagirathi Honda (Jahagirabad) - 9927544326; Al Uzair Honda (Gulaothi) - 9997729105; **JHAJJAR:** Shree Shyam Honda - 8607200651; **ROHTAK:** Lohchab Honda - 8684888804; Shri Krishna Honda - 9896655630; **SAMPLA:** Rama Honda - 8684840808; **GOHANA:** Shirin Honda - 9053922215; **SONEPAT:** Triumph Honda - 9254015907; **CHOTU RAM CHOWK (SONEPAT):** Triumph Honda - 9254015901; **GANNAUR:** Triumph Honda - 9254015908; **KUNDLI:** Triumph Honda - 9254015904; **BAHALGARH:** Triumph Honda - 9034015921.
For Bulk/Institutional enquiries, please write us at: institutionalsales@honda.hmsi.in

सभी भक्त भाव विभोर हुए

श्री विजय रामलीला कमेटी पुराना विजयनगरः मातृ पितृ भक्त श्रवण कुमार का मंचन किया गया

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

- राम लक्ष्मण भरत शत्रुघ्न का जन्म दिखाया गया
- राम भक्तों के आंखों में आसु आए

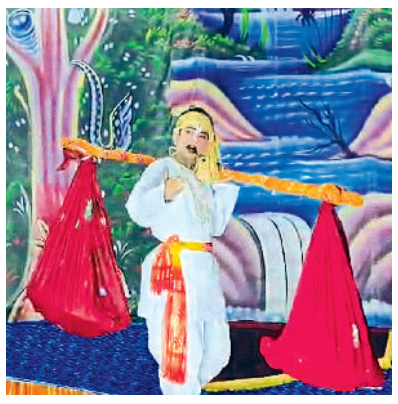

विजय रामलीला कमेटी पुराना विजयनगर में रविवार को रात में मातृ पितृ भक्त श्रवण कुमार का मंचन किया गया। रामलीला के अध्यक्ष लेखराज माहौर ने बताया कि श्री विजय रामलीला कमेटी पुराना विजय नगर गाजियाबाद में मातृ पितृ भक्त श्रवण कुमार का मंचन हुआ एवं राम लक्ष्मण भरत शत्रुघ्न का जन्म दिखाया गया।

श्रवण कुमार के रोल को देख कर राम भक्तों की आँखों में आंसू आ गए। सभी भाव विभोर हो गये। इस अवसर पर रामलीला के अध्यक्ष लेखराज माहौर एडवोकेट, महामंत्री शिवकुमार शिबू, संरक्षक जॉनसन मेसी, अजय पाल, राम सिंह नेता जी, ठाकुर शंकर सिंह, ठाकुर राजपाल मास्टर जी, ठाकुर राजेश सिंह, डायरेक्टर हेमराज माहौर, घनश्याम माहौर, चौब सिंह, मनोहर सिंह कुशवाहा, विमल माहौर, भोला माहौर, मातृशक्ति बबीता, अंशु शर्मा, सुनीता, संगीता, मूलो देवी, उषा, चंचल माहौर, शीला देवी, देवकी देवी, वर्षा, असलम खान, सुरेश कोरी, गौरव सिसोदिया, शेर सिंह कोरी, संदीप कनौजिया, आदेश कोरी, गिरिराज माहौर, प्रेमचंद पाल, बंशीधर पाण्डेय, कोषाध्यक्ष पवन माहौर, अमन माहौर, अभिनव प्रधान, प्रणीत, तुषार, लक्ष्य माहौर, पवन शर्मा, रोहित जोशी, आचार्य अखिलेश मिश्र, शिवाकांत द्विवेदी, सारांश द्विवेदी, विशाल माहौर, सतीश कोरी, केशव कोरी, नानक चंद, मुकेश कोरी, चमन माहौर, विजय सक्सेना, यश, दीपांशु, तुषार, विराट माहौर, रविन्द्र, डॉ राकेश, डॉ सुभाष, रोशन लाल, महेंद्र सिंह, राजेंद्र सिंह रेलवे वाले, कुलवंत सिंह आदि उपस्थित रहे।

भक्ति गीतों और जय श्रीराम के गगनभेदी जयघोष से पूरा

विजय रामलीला कमेटी से निकाली गई श्रीराम बारात पूर्व मेयर के पुत्र भारत अरोड़ा ने किया भव्य स्वागत

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद



विजय रामलीला कमेटी की ओर से आयोजित श्रीराम बारात का एनआईटी-नंबर 1 स्थित पूर्व महापौर कार्यालय पर भारत अशोक अरोड़ा ने भव्य स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने भगवान श्रीराम के स्वरूप का अभिनंदन किया। श्रीराम बारात के स्वागत के लिए क्षेत्र में श्रद्धा और उत्साह का माहौल देखने को मिला। श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीराम के जयकारे लगाकर अपनी आस्था प्रकट की।

श्रीराम बारात शाम करीब 6 बजे सिद्ध पीठ श्री हनुमान मंदिर, 1.बी ब्लॉक से ढोल.नगाड़ों और बैंड.बाजों के साथ रवाना हुई। बारात में भगवान श्रीराम सहित चारों भाइयों के स्वरूप अपने-अपने घोड़ों पर विराजमान थे। भक्ति गीतों और जय श्रीराम के गगनभेदी जयघोष से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। रास्ते में जगह-जगह क्षेत्रवासियों ने पुष्पवर्षा कर बारात का स्वागत किया। भारत अशोक अरोड़ा के कार्यालय पर हुए स्वागत के दौरान भगवान श्रीराम के दर्शन करने के लिए श्रद्धालुओं में उत्साह नजर आया। बारात में छोटे बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक ने भाग लिया। ढोल-नगाड़ों की थाप पर श्रद्धालु झूमते नजर आए और पूरे क्षेत्र में धार्मिक उल्लास का माहौल बना रहा।

कार्यक्रम समापन पर भंडारे का आयोजन भी किया गया

इसके बाद देर रात विजय रामलीला कमेटी के ऐतिहासिक मंच पर भगवान श्रीराम और माता-सीता के विवाह का आयोजन किया गया। कमेटी इस आयोजन को पारंपरिक रूप से शगनों की रात के रूप में मनाती है। राम के स्वरूप में निशांत नागपाल और सीता के स्वरूप में दीपांशी अरोड़ा ने मंच पर अपनी प्रस्तुति दी। मंगल गीतों और भजन-संगीत के बीच श्रद्धालुओं ने भगवान के दर्शन किए और आशीर्वाद लिया। गायक मनोज कुमार मोंटी ने शगुन के गीतों से विवाह समारोह का माहौल बना दिया। कार्यक्रम के समापन पर भंडारे का आयोजन भी किया गया।

खबर संक्षेप

कारोबारी की चाकुओं से गोदकर नृशंस हत्या



गाजियाबाद। दिल्ली से सटे गाजियाबाद में सोमवार को एक हार्डवेयर कारोबारी की चाकुओं से गोदकर नृशंस हत्या कर दी गयी। ट्रोनिका थाने के मन्डोला इलाके में हत्यारों ने कारोबारी की लाश को झाड़ियों में फेंक दिया। आज सुबह लोगों ने पुलिस को शव पड़े होने की जानकारी दी। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल शुरू कर दी है। पुलिस उपायुक्त ग्रामीण एसएन तिवारी खुद भी मौके पर पहुंचे। मौके पर फोरेंसिक टीम को भी साक्ष्य जुटाने के लिए मौके पर बुलाया गया। मरने वाले कारोबारी का नाम विनोद गुप्ता है। उनकी उम्र 40 साल है। वह हार्डवेयर का व्यवसाय करते थे। पुस्ता चौकी के पास इनकी दुकान है। रामकिशन ने बताया कि मृतक विनोद गुप्ता का शव यहां पुस्ता चौकी क्षेत्र में भट्टे के पास झाड़ियों में संदिग्ध परिस्थितियों में मिला है।

इलेक्ट्रिक एसयूवी ईएक्स-90 लॉन्च



फरीदाबाद। वॉल्वो कार इंडिया ने अपनी पहली सॉफ्टवेयर आधारित इलेक्ट्रिक लक्जरी एसयूवी ईएक्स90 भारतीय बाजार में उतारी है। छह सीटों वाली इस गाड़ी की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 1.26 करोड़ रुपए रखी गई है। इसकी बुकिंग शुरू हो गई है, जबकि नवंबर 2026 से परीक्षण यात्रा और जनवरी 2027 से आपूर्ति शुरू करने की तैयारी है। कंपनी के प्रबंध निदेशक ज्योति मल्होत्रा ने कहा कि ईएक्स 90 इलेक्ट्रिक वाहनों और आधुनिक तकनीक के क्षेत्र में कंपनी की प्रतिबद्धता का महत्वपूर्ण पड़ाव है। उन्होंने इसे सुरक्षा, आराम और बेहतर दूरी तय करने वाली पारिवारिक एसयूवी बताया। गाड़ी में 106 किलोवाट घंटे की बैटरी, दो इलेक्ट्रिक मोटर और 14.5 इंच की स्पर्श स्क्रीन दी गई है। कंपनी के अनुसार यह 5.5 सेकंड में 100 किलोमीटर प्रति घंटे की गति पकड़ सकती है। इसकी अनुमानित डब्ल्यूएलटीपी दूरी 625 किलोमीटर तक है, जबकि आईसीएटी प्रमाणित दूरी 725 किलोमीटर तक बताई गई है। सुरक्षा के लिए कैमरे, रडार और टक्कर से बचाव की तकनीक भी दी गई है।

मुख्यालय पर किया विरोध प्रदर्शन

नगर निगम फरीदाबाद की सैनिटेशन स्टाफ यूनियन ने लगाया निगम प्रशासन पर भेदभाव करने का आरोप

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद



नगर निगम मुख्यालय पर भोजन अवकाश के समय सफाई विभाग में वर्षों से कार्यरत एएसआई, एएसडी एवं सफाई दरोगा एवं सहायक सफाई निरीक्षकों ने किया विरोध प्रदर्शन आज के प्रदर्शन की अध्यक्षता सैनिटेशन स्टाफ यूनियन के प्रधान राहुल चिंडालिया ने की। मंच संचालन सचिव विशाल पारछा ने किया।

आज के प्रदर्शन में सैनिटेशन स्टाफ यूनियन के प्रधान राहुल चिंडालिया ने कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि नगर निगम फरीदाबाद में स्टाफ की भारी कमी के चलते पढ़े लिखे डिप्लोमा होल्डर सफाई सीवर कर्मचारियों को प्रशासन ने सफाई कार्य के निरीक्षण हेतु एएसआई, एएसडी एवं सफाई दरोगा एवं सहायक सफाई निरीक्षकों के पदों पर लिखित आदेश देकर हाजरी इंचार्ज लगाया था यह कर्मचारी पूरी ईमानदारी से पिछले 10 से 15 वर्षों से अपने मूल पदों का वेतन लेते हुए यह अतिरिक्त कार्य कर रहे हैं। निगम प्रशासन ने 11 सितंबर 2026 को तानाशाही आदेश जारी करके इन सभी कर्मचारियों को इन पदों से हटा दिया। सभा को संबोधित करते हुए जिला प्रधान दलीप बोहत, सचिव अनिल चिंडालिया ने सैनिटेशन स्टाफ के कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज नगर निगम फरीदाबाद में ऐसा कोई विभाग नहीं है।

यह लोग उपस्थित रहें

प्रशासन 11 सितंबर 2026 के आदेश को वापस कर इन सभी कर्मचारियों की 11 सितंबर से पहले की स्थिति बहाल करें, अन्यथा संघ प्रशासन के खिलाफ आंदोलन को तेज करने का काम करेगा, जिसकी जिम्मेदारी निगम प्रशासन की होगी। आज के प्रदर्शन में अन्य के अलावा जिला के वरिष्ठ उपप्रधान गुरुचरण खंडिया, सुदेश जैनवाल उपप्रधान, श्रीनन्द ढकोलिया वरिष्ठ उपप्रधान सफाई कर्मचारी यूनियन मदनलाल, सुभाष चंद्र, दीपचंद, सुनील खण्डेलवाल, देविन्दर पहलवान, बादल, सुनील, सुनील शास्त्री, कुलदीप, भूपेंद्र यादव, डेनि, देवी सिंह, अनिल सौदे, प्रदीप भंडारी, विजेंद्र, दीपक सतबीर, समयपाल, रंगलाल, वीरेंद्र, दीपक, राजकुमार, संजीव आदि मौजूद रहे।

दिल्ली के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में लांच किया

महाराजा अग्रसेन के जीवन पर बनी फिल्म 'सूर्यवंशी अग्रसेन' का टीजर और पोस्टर लांच



हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम

महाराजा अग्रसेन के जीवन और उनके आदर्शों पर आधारित हिंदी फिल्म 'सूर्यवंशी अग्रसेन' का टीजर और पोस्टर सोमवार को दिल्ली के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में लॉन्च किया गया। अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन, महाराजा अग्रसेन जयंती समारोह एवं दिल्ली प्रदेश शपथ ग्रहण समारोह के अवसर पर फिल्म का अनावरण किया गया।

तीन बाण धारी मूवी प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी इस फिल्म के निर्माता राम किशन अग्रवाल और निर्देशक सुजीत कुमार हैं। फिल्म के माध्यम से महाराजा अग्रसेन के जीवन, उनके साहस, करुणा, त्याग, समानता और सामाजिक समरसता के विचारों को दर्शकों तक पहुंचाने का प्रयास किया गया है।

फिल्म के दर्शकों को महाराजा अग्रसेन के जीवन और विचारों से परिचित कराएंगी

सिनेमा के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया

फिल्म में करणवीर बोहरा, प्राची बंसल, राजेश भाटी, फरहीन फलक और मिलिंद गुणाजी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म के संगीत में गायक विशाल श्रीवास्तव का योगदान है। निर्माता राम किशन अग्रवाल ने कहा कि फिल्म का उद्देश्य भारतीय संस्कृति और सनातन मूल्यों को युवा पीढ़ी तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि महाराजा अग्रसेन के सामाजिक समानता आर्थिक समरसता के विचारों को सिनेमा के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया गया है। निर्देशक सुजीत कुमार के अनुसार, फिल्म को ऐतिहासिक तथ्यों और भव्य सेट्स के साथ तैयार किया गया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि फिल्म दर्शकों को महाराजा अग्रसेन के जीवन और विचारों से परिचित कराएगी।

ग़ज़लों और उम्दा अशआर से सजी महफ़िल, सुनील दानिश का हुआ

काव्यलोक की गोष्ठी में सम्मान, शायरी और अनुभवों का संगम

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद



काव्यलोक संस्था की ओर से इलाहाबाद के प्रख्यात शायर एवं विशिष्ट अतिथि सुनील दानिश के सम्मान में एक काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। संस्था के संस्थापक राजीव सिंघल तथा अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त शायर एवं अध्यक्ष दीक्षित दनकौरी के सान्निध्य में आयोजित इस साहित्यिक महफ़िल में शायरी, संवेदनाओं और जीवन के अनुभवों का अनूठा संगम देखने को मिला।कार्यक्रम में सुनील दानिश ने अपने उम्दा अशआर और प्रभावशाली शायरी से ख़ूब वाहवाही बटोरी। संस्था के संस्थापक राजीव सिंघल की शायरी में जीवन की शाश्वत सच्चाइयों और मानवीय संवेदनाओं की प्रभावशाली अभिव्यक्ति देखने को मिली। वहीं, दीक्षित दनकौरी ने अपने विशिष्ट शायराना अंदाज़, चुनिंदा शेरों और ग़ज़लों से महफ़िल को यादगार बना दिया। उनके प्रेरणादायी जीवन अनुभवों और विचारों ने उपस्थित साहित्यप्रेमियों को नई दृष्टि प्रदान की।काव्य गोष्ठी में डॉ. चेतन आनंद ने अपनी शानदार शायरी प्रस्तुत कर श्रोताओं को प्रभावित किया। डॉ. पूनम माटिया के खूबसूरत अशआर, सोनम यादव की प्रभावशाली ग़ज़ल, तूलिका सेठ की बेहतरीन शायरी तथा अनिल मीत व डॉ. श्वेता त्यागी के अनूठे अंदाज़ ने आयोजन की साहित्यिक गरिमा बढ़ाई। पूरे कार्यक्रम में शेरो-शायरी के साथ आत्मीयता और साहित्यिक सौहार्द का वातावरण बना रहा।

25 वर्षों से लगातार हो रहा यह आयोजन

महाराजा अग्रसेन विवाह समिति का 26वां सर्वजातीय परिचय सम्मेलन 31 अक्टूबर व 1 नवंबर 2026 को: ब्रह्मप्रकाश गोयल

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी महाराजा अग्रसेन विवाह समिति फरीदाबाद रजि. 26वां सर्वजातीय परिचय सम्मेलन व सामूहिक विवाह बड़ी धूमधाम से करेगी। संरक्षक अनिल गुप्ता की अध्यक्षता में समिति की एक मीटिंग मुख्य कार्यालय सैक्टर-19 फरीदाबाद पर हुई। संरक्षक अनिल गुप्ता ने बताया कि समिति के द्वारा पहले भी लगातार 25 वर्षों से परम पिता परमात्मा की असीम अनुकम्पा एवं भारी जन समर्थन से सर्वजातीय परिचय सम्मेलन एवं सामूहिक विवाह के सफल आयोजन सभी दानदाताओं, पदाधिकारियों कार्यकर्ताओं एवं समाजसेवियों के सहयोग द्वारा किए गए हैं जिसके लिए आप सभी बधाई और धन्यवाद के पात्र हैं। इसी कड़ी में इस वर्ष भी 26वां सर्वजातीय परिचय सम्मेलन 31 अक्टूबर व 1 नवंबर 2026 शनिवार-रविवार को व सर्वजातीय सामूहिक विवाह 13 दिसम्बर 2026 रविवार को दशहरा मैदान सेक्टर-16ए फरीदाबाद में कराया जाएगा। परिचय सम्मेलन अग्रसेन भवन सेक्टर.19 ओल्ड फरीदाबाद में किया जाएगा। उन्होंने बताया कि संस्था के द्वारा लगातार 25 वर्षों से यह कार्यक्रम होता रहा है और यह वर्ष 26वां साल है ।

सभी दर्शको ने एकाग्रता के साथ संपूर्ण रामलीला का आनंद लिया

नवरात्रि के प्रथम दिन मां दुर्गा की आरती से शुरु हुआ रामलीला का मंचन

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद



श्री धार्मिक रामलीला समिति कविनगर मे रविवार को रामलीला मंचन से पूर्व भारतेन्दु महाविद्यालय की छात्राओ द्वारा सुंदर भजन व नमो डांस एकेडमी, राजनगर एक्सटेंशन, निर्देशिका प्रियंका राठी की बालिकाओ द्वारा चारो युगो की परिभाषा नृत्य नाटिका प्रस्तुत की गई जिसकी सभी दर्शको द्वारा भूरि-भूरि प्रसंशा की। नवरात्रि के पावन प्रथम दिन माँ दुर्गा के नौ स्वरूपो की आरती के साथ आज रामलीला का मंचन शुरु हुआ।दुर्गा माँ के नौ स्वरुपो के आलौकिक दर्शन करके दर्शक भाव विभोर होकर जय माता दी,जय माता दी का उद्घोष करने लगे।तत्पश्चात राजीव राज गुप्ता के निर्देशन मे संस्कृति थिएटर ग्रुप के कलाकारो द्वारा सम्पूर्ण रामलीला का मंचन किया गया। प्रथम ही दृश्य मे रावण के आवाह्न पर भगवान शिव का जमीन के अंदर से शिवलिंग के रुप मे प्रकट होता देख दर्शक अचंभित हो गए। लगभग 3 घंटे सभी दर्शको ने एकाग्रता के साथ सम्पूर्ण रामलीला का आनंद लिया।

स्मिथ एंड जोन्स ने अभिनेत्री रसिका दुग्गल के साथ नया जागरूकता कैंपेन शुरू

गुरुग्राम। बाजार में उपलब्ध जिंजर-गार्लिक पेस्ट की गुणवत्ता को लेकर उपभोक्ताओं की उलझन दूर करने के लिए स्मिथ एंड जोन्स ने अभिनेत्री रसिका दुग्गल के साथ नया जागरूकता कैंपेन शुरू किया है। टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड के इस फूड ब्रांड की मुहिम में आसान विजुअल टेस्ट के जरिए गाढ़े पेस्ट और पानी जैसे पतले पेस्ट के बीच अंतर समझाने का प्रयास किया गया है।'द वूम्ब' की ओर से तैयार कैंपेन का संदेश है कि उपभोक्ता पेस्ट खरीदते समय उसकी बनावट पर ध्यान दें और बेहतर विकल्प चुनने के लिए जानकारी हासिल करें। कैंपेन की टैगलाइन है, 'हो गया न पेस्ट का पेस्ट और पानी का पानी।'टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स की प्रेसिडेंट पैकेज्ड फूड्स, कैपिटल फूड्स एंड सोलफुल दीपिका भान ने कहा कि कंपनी का उद्देश्य खाना बनाने की प्रक्रिया को आसान और मजेदार बनाना है। 'द वूम्ब' के सीओओ हेवल पटेल ने कहा कि इस मुहिम के जरिए उपभोक्ताओं को अच्छे जिंजर-गार्लिक पेस्ट की पहचान के बारे में जागरूक करने का प्रयास किया गया है। यह कैंपेन टेलीविजन, डिजिटल सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रसारित किया जाएगा।

नवारंभ अकादमी की ओर से तेजस ने चार गोल, मुकुंद ने दो गोल किए

प्रतिद्वंद्वी टीमों पर एकतरफा जीत दर्ज की

एमआरएसए, हेरिटेज ग्लोबल, नवारंभ स्पोर्ट्स व आयशर एफसी ने दर्ज की एकतरफा जीत

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद



मानव रचना यूथ कप टूर्नामेंट में फुटबॉल की विभिन्न स्पोर्ट्स अकादमी की टीमों के बीच जहां रोमांचक मुकाबले देखने को मिलें, वहीं नवारंभ स्पोर्ट्स अकादमी, हेरिटेज ग्लोबल, एमआरएस,आयशर एफसी, श्रेष्ठ एफसी, वारियर्स फुटबाल अकादमी की टीमों ने प्रतिद्वंद्वी टीमों पर एकतरफा जीत दर्ज की। मानव रचना इंटरनेशनल स्कूल सेक्टर 14 स्थित स्पोर्ट्स अकादमी के मैदान पर आयोजित किए जा रहे टूर्नामेंट में विभिन्न आयु वर्गों की 100 से अधिक टीमें भाग ले रही हैं। अंडर 12 में श्रेष्ठ एफसीए ने एमआरआईओस-14, को 6.2 से हराया। इस मैच में श्रेष्ठ एफसीए की ओर से आकाश व सिद्धार्थ ने 2.2 गोल और प्रणव व खुशी ने एक-एक गोल किया। एक अन्य मैच में श्रेष्ठ एफसीए ने एमआरएसए, टाइगर्स को 10.2 से हराया। हेरिटेज ग्लोबल फुटबॉल अकादमी ने डायनेमिक फुटबॉल अकादमी गुरुग्राम को 15.1 से हराया। इस वर्ग में डायनेमिक फुटबॉल अकादमी एफबीडी और द मॉडर्न स्कूल के बीच 1.1 से मुकाबला बराबरी पर रहा। एमआरएसए टाइगर्स ने कालका पब्लिक स्कूल को 8.0 से हराया। आजाद फुटबाल अकादमी ने एमआरआईएस.21सी को 7.0 से परास्त किया। अंडर.10 में नवारंभ स्पोर्ट्स अकादमी ने एमआरआईओस 21सी ए टीम पर 11.0 से जीत दर्ज की। नवारंभ अकादमी की ओर से तेजस ने चार गोल, मुकुंद ने दो गोल किए।

6.2 से जीत दर्ज की

एमआरएसए वॉरियर्स ने एनआईएफसी अकादमी को 4.1 से और एमआरएसए सोल्जर्स ने एमआरआईओस गुडगांव सेक्टर.46 को 5.2 से हराया। एसएफए ने डायनमिक फुटबाल अकादमी को रोमांचक मुकाबले में 3.2 से हराया। नेता जी सुभाष अकादमी ने नवारंभ अकादमी को एकतरफा मुकाबले में 7.1 से हराया। अंडर 14 में वॉरियर्स फुटबॉल अकादमी ने एनआईएफसी अकादमी को 4.0 से पराजित किया। आयशर एफसी ने ऑल स्टार स्पोर्ट्स अकादमी पर 6.2 से जीत दर्ज की।

उत्तर रेलवे

निविदा हटाने की सूचना

उप मुख्य विद्युत अभियंता (निर्माण), उत्तरी रेलवे, शिवाजी ब्रिज, नई दिल्ली ने भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए खुली ई–निविदा आमंत्रित की थी:–

1	कार्य का नाम	शकूरबस्ती कोचिंग टर्मिनल के निर्माण के सिलसिले में, वॉशेबल एप्रन PF लाइनों, पार्सल ऑफिस, पानी की सप्लाई सिस्टम (RO प्लांट, O/H और UG टैंक) और पानी रीसाइक्लिंग प्लांट (सर्विस रोड सहित) के लिए इलेक्ट्रिकल वैलेंस का काम।
2	कार्य समापन अवधि	12 महीने
3	अनुमानित लागत	₹ 1,01,31,861,41/-
4	धरोहर राशि	₹ 2,02,700/-

इसके द्वारा सूचित किया जाता है कि उपयुक्त कार्य के लिए निविदा सूचना संख्या 17-Elect./Dy.CEE/C/T/173 दिनांक 05.10.2026 के माध्यम से आमंत्रित और 06.10.2026 को IREPS पर अपलोड की गई ई–निविदा को निविदा अनुसूची में आवश्यक कुछ सुधारों के कारण IREPS से हटाना आवश्यक है। संख्या: 17–वि०/उप मु० वि० अभि०/सी०/टी०/173 दिनांक : 12.10.2026 3542/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **असलम उर्फ गंजा, पुत्र स्व. आशिद अहमद, निवासी फारुख का मकान, पुराना गांव, गढ़ी मेंडू, दिल्ली** ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 724/2021 धारा 25 आर्म्स एक्ट, थाना शास्त्री पार्क, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया है कि उक्त अभियुक्त **असलम उर्फ गंजा** मिल नहीं रहा है और समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया है कि उक्त अभियुक्त **असलम उर्फ गंजा** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है **कि प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 724/2021 धारा 25 आर्म्स एक्ट, थाना शास्त्री पार्क, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **असलम उर्फ गंजा** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **17.02.2027** को या उससे पूर्व हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री नोरमा जैन
एलडी. न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-03
उत्तर-पूर्वी जिला, कमरा नं.22, प्रथम तल
कड़कड़डूमा कोर्ट्स, दिल्ली

DP/14470/NE/2026

हरियाणा सरकार निविदा सूचना

क्र. सं.	बोर्ड/निगम/प्राधि. का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि बंद होने की तिथि (समय)	राशि/ईएमडी (लगभग) रु.में	बोर्ड/निगम/प्राधि. की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ ई-मेल
1	पं. भ.द. शर्मा पीजीआईएमएस रोहतक	कंज्यूमेबल मदें औषधि के लिए अल्प अवधि निविदा।	12.10.2026 27.10.2026	-	www.uhsr.ac.in	9813031027 purchase.pgims@uhsr.ac.in

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें: www.haryanaeprocurement.gov.in or www.etenders.hry.nic.in
संवाद-13/2027/40/50097/I/88/7 दि. 12.10.26

झारखंड में रेप के बाद हत्या की आशंका, मिला शव

दुमका। झारखंड के दुमका में



खौफनाक घटना सामने आई है। काठीकुंड थाना क्षेत्र में नौवीं कक्षा की आदिवासी छात्रा का शव गांव के पास झाड़ियों में मिला। रेप के बाद छात्रा की हत्या की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। घटना से आक्रोशित छात्राओं ने सड़क जाम कर दी। काठीकुंड थाना प्रभारी बलराम कुमार सिंह घटनास्थल पर पहुंचे ।

चिराग पासवान ने राहुल गांधी को लपेटा

कहा- दलीलें नहीं चलीं तो न्यायालय पर बनाया दबाव

एजेंसी ▶▶ पटना

सीईसी ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे हटाने और एसआईआर के खिलाफ दिल्ली में इंडिया गंठबंधन के सुप्रीम कोर्ट मार्च को लेकर लोजपा (रा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष व खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधा है।

उन्होंने कहा है कि अदालत में विपक्ष की दलीलें नहीं चली तो सड़क पर उतर कोर्ट पर दबाव बनाने लगे। सोमवार को इंडिया ब्लॉक के मार्च को सुप्रीम कोर्ट से पहले मंडी हाउस के पास रोक दिया गया। विपक्षी सांसदों से मिलने के सीजेआई न्यायमूर्ति सूर्यकांत के इनकार के बाद राहुल गांधी ने याचिका दायर की है।

दीपोत्सव के 10वें संस्करण में टूटेगा पिछले साल का रिकॉर्ड

सरयू तट पर 30 लाख दीपों से दमकेगी अयोध्या, दर्शकों को आसमान में रोशनी का अद्भुत नजारा देखने को मिलेगा

एजेंसी ▶▶ अयोध्या

दीपोत्सव के दसवें संस्करण को ऐतिहासिक और भव्य बनाने की तैयारियां तेज हो गई हैं। इस बार रामनगरी का आसमान सैकड़ों अत्याधुनिक ड्रोन की रोशनी से जगमगाएगा। ड्रोन के जरिए आसमान में भगवान श्रीराम और रामायण से जुड़ी भव्य आकृतियां उकेरी जाएंगी। दीपोत्सव के मुख्य आयोजन सात नवंबर को होने वाले ड्रोन शो के साथ आठ नवंबर को भी दर्शकों को आसमान में रोशनी का यह अद्भुत नजारा देखने को मिलेगा। वहीं, राम की पैड़ी और सरयू तट के आसपास 30 लाख दीये जलाने का लक्ष्य रखा गया है। पिछले वर्ष 26 लाख 17 हजार 215 दीपकों का रिकार्ड बना था। सरयू तट पर पिछली बार 2128 वेदाचार्यों ने सामूहिक रूप से आरती कर रिकार्ड बनाया था। इस बार रामनगरी अयोध्या इन दोनों रिकार्ड को तोड़ने के लिए कमर कस चुकी है।



फाइल फोटो

रामनगरी को अलौकिक स्वरूप देंगी

दसवें दीपोत्सव को यादगार बनाने के लिए राम की पैड़ी व सरयू तट के आसपास करीब 30 लाख दीये प्रज्ज्वलित करने का लक्ष्य है। इसके लिए प्रशासन और पर्यटन विभाग की ओर से तैयारियां की जा रही हैं। सरयूतट से लेकर राम की पैड़ी तक दीपों की कतारें रामनगरी को अलौकिक स्वरूप देंगी। आयोजन में बड़ी संख्या में स्वयंसेवकों की भागीदारी भी महत्वपूर्ण होगी। दीपों की रोशनी के साथ आधुनिक तकनीक का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। सैकड़ों ड्रोन के प्रदर्शन के जरिए आसमान में रामायण के प्रसंगों और प्रभु श्रीराम से जुड़ी आकृतियों को जीवंत करने की तैयारी है। ड्रोन शो को दो दिन आयोजित करने की योजना से श्रद्धालुओं पर्यटकों को भव्य आयोजन को देखने का अवसर मिलेगा।

पेज एक का शेष

वोट चोरी के ...

के अनुरूप नहीं होगा। मुख्य न्यायाधीश ने यह भी स्पष्ट किया कि सुप्रीम कोर्ट के पास ज्ञापन में उठाए गए मुद्दों पर प्रशासनिक स्तर पर कार्रवाई करने की शक्ति नहीं है। हालांकि, नागरिकों के मौलिक अधिकारों से जुड़े मामलों पर अदालत अपने न्यायिक अधिकार क्षेत्र के तहत विचार कर सकती है। उन्होंने विपक्षी नेताओं को संविधान के अनुच्छेद 32 सहित उपलब्ध कानूनी प्रक्रियाओं के माध्यम से अदालत का रुख करने की सलाह दी। उनके अनुसार, इसी तरह के मुद्दों पर 13 अक्टूबर को सुनवाई निर्धारित थी और कानून के मुताबिक दाखिल याचिका पर जल्द विचार किया जा सकता है।

'अदालत के दरवाजे सभी के लिए खुले': मुख्य न्यायाधीश के रुख पर सोमवार को भी चर्चा हुई। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के दरवाजे सभी के लिए खुले हैं। कोई भी नागरिक अपने अधिकारों के संरक्षण के लिए कानून के तहत अदालत आ सकता है। इस घटनाक्रम ने विपक्ष के राजनीतिक विरोध और न्यायपालिका की संस्थागत प्रक्रिया के बीच अंतर को एक बार फिर चर्चा के केंद्र में ला दिया है। विपक्ष का कहना था कि वह चुनाव प्रक्रिया से संबंधित गंभीर शिकायतों को सर्वोच्च न्यायालय के सामने रखना चाहता है, जबकि सीजेआई ने स्पष्ट किया कि इन शिकायतों पर विचार का उचित माध्यम न्यायिक प्रक्रिया है, न कि लंबित मामलों पर प्रशासनिक मुलाकात।

बाराखंभा रोड से सुप्रीम कोर्ट तक मार्च: विपक्षी दलों के नेता और समर्थक सोमवार को दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में एकत्र हुए। यहां से बाराखंभा रोड जंक्शन की ओर बढ़ते हुए सुप्रीम कोर्ट तक मार्च निकाला गया। इसे 'मार्च फॉर डेमोक्रेसी' और 'चलो दिल्ली' अभियान के रूप में पेश किया गया। मार्च में राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा, मल्लिकार्जुन खड़गे, समाजवादी पार्टी के नेता, राजद नेता तेजस्वी यादव, तृणमूल कांग्रेस के नेता सौगत राय, शिवसेना (यूबीटी) के संजय राउत, माकपा नेता एमए बेबी, भाकपा महासचिव डी. राजा, एनसीपी (शरदचंद्र पवार) की सुप्रिया सुले, झारखंड मुक्ति मोर्चा की महुआ माझी और इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के ईटी मोहम्मद बशीर सहित विभिन्न विपक्षी दलों के नेता शामिल हुए। मार्च के रास्ते में पुलिस ने बैरिकेडिंग की थी और प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोकने का प्रयास किया। भगवान दास रोड के आसपास भी मार्च को रोकने की कार्रवाई हुई। इसके बाद प्रदर्शनकारी और नेता आगे बढ़ने की कोशिश करते रहे। घटनास्थल पर बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात थे। मार्च के दौरान 'वोट चोरी' और चुनाव आयोग के खिलाफ नारे लगाए गए। विपक्ष ने आरोप लगाया कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण और चुनावी प्रक्रिया से जुड़े फैसलों के कारण लोकतांत्रिक व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट के फाइलिंग काउंटर तक पहुंचे राहुल गांधी: मार्च के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के बीच सुप्रीम कोर्ट परिसर में सीमित संख्या में कांग्रेस नेताओं को प्रवेश देकर याचिका दाखिल करने की प्रक्रिया पूरी करने की अनुमति दी गई। अदालत परिसर के भीतर फाइलिंग काउंटर तक पहुंचने के बाद राहुल गांधी और अन्य नेता बाहर आ गए। इससे पहले कांग्रेस की कानूनी टीम याचिका दाखिल कर चुकी थी। याचिका का शीर्षक 'राहुल गांधी बनाम भारत निर्वाचन आयोग' बताया गया है। इसे अधिवक्ता एस. प्रसन्ना के माध्यम से दाखिल किया गया। याचिका में भारत निर्वाचन आयोग के साथ मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और अन्य चुनाव आयुक्तों सुखबीर सिंह संधू तथा विवेक जोशी को भी प्रतिवादी बनाया गया है। विपक्षी नेताओं का आरोप है कि एसआईआर के दौरान मतदाताओं के नाम हटाने और अन्य चुनावी निर्णयों में गंभीर विसंगतियां सामने आई हैं। याचिका में संबंधित निर्णयों का रिकॉर्ड तलब करने और कथित गड़बड़ियों की स्वतंत्र जांच कराने की मांग की गई है। उपलब्ध रिपोर्टों के मुताबिक, इस याचिका पर मंगलवार को सुनवाई होने की संभावना है। हालांकि, सुनवाई और किसी अंतरिम आदेश की स्थिति अदालत की आधिकारिक सूची तथा आदेश से ही स्पष्ट होगी।

याचिका में क्या हैं प्रमुख मांगें: विपक्ष की कानूनी पहल का मुख्य केंद्र मतदाता सूची के पुनरीक्षण की प्रक्रिया और चुनाव आयोग के निर्णयों की जांच है। याचिका में कथित तौर पर मतदाता सूची से नाम हटाए जाने की विसंगतियों को सामने रखते हुए आयोग से संबंधित रिकॉर्ड मंगाने और स्वतंत्र जांच की मांग की गई है। विपक्ष ने व्यापक राजनीतिक अभियान के दौरान एसआईआर प्रक्रिया पर रोक लगाने, मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे और मतदान व्यवस्था में बदलाव की भी मांग उठाई है। हालांकि, राजनीतिक मंच पर उठाई गई सभी मांगों को याचिका में शामिल न्यायिक राहतों के समान नहीं माना जा सकता। अदालत से वास्तव में क्या-क्या राहत मांगी गई है और उस पर क्या निर्णय होता है, यह याचिका के पूर्ण पाठ तथा न्यायिक आदेश से स्पष्ट होगा।

विपक्ष का आरोप- मताधिकार पर असर पड़ने की आशंका: विपक्षी दलों का कहना है कि मतदाता सूची से बड़ी संख्या में नाम हटाए जाने की कथित घटनाएं और एसआईआर की प्रक्रिया लोकतांत्रिक अधिकारों से जुड़ा गंभीर विषय हैं। विपक्ष के अनुसार, यदि पात्र मतदाताओं के नाम गलत तरीके से हटते हैं तो उनके मतदान के अधिकार पर असर पड़ सकता है। राहुल गांधी और अन्य नेताओं ने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग भी दोहराई है। विपक्ष ने यह भी कहा है कि चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए सभी संबंधित रिकॉर्ड सार्वजनिक जांच के दायरे में आने चाहिए। हालांकि, मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों और 'वोट चोरी' के आरोपों को अभी न्यायिक रूप से प्रमाणित निष्कर्ष नहीं माना जा सकता। इन आरोपों की सत्यता और चुनाव आयोग के निर्णयों की वैधता का निर्धारण संबंधित तथ्यों, रिकॉर्ड और न्यायिक समीक्षा के आधार पर ही होगा।

राष्ट्रपति से मुलाकात के बाद बढ़ा दबाव: सुप्रीम कोर्ट तक मार्च विपक्ष के पिछले कई दिनों से जारी विरोध प्रदर्शनों की अगली कड़ी है। इससे पहले विपक्षी इंडिया गठबंधन के नेताओं ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात कर चुनाव प्रक्रिया और मुख्य चुनाव आयुक्त की भूमिका से संबंधित शिकायतें रखी थीं। विपक्ष ने राष्ट्रपति के सामने भी कथित 'वोट चोरी' के आरोप उठाए और चुनाव आयोग के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। राहुल गांधी ने कहा था कि विपक्ष अपने आरोपों के समर्थन में साक्ष्य प्रस्तुत करने को तैयार है। इसके बाद विपक्ष ने सुप्रीम कोर्ट का रुख करने की घोषणा की। नेताओं की योजना मुख्य न्यायाधीश को ज्ञापन सौंपने की थी, लेकिन मुलाकात की अनुमति नहीं मिलने के बाद मार्च और कानूनी याचिका दोनों घटनाक्रम एक साथ सामने आए। इस तरह विपक्ष ने एक ओर सड़क पर विरोध दर्ज कराया, तो दूसरी ओर चुनाव आयोग के निर्णयों को न्यायिक समीक्षा के दायरे में लाने की पहल की।

दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी, छह मेट्रो स्टेशन प्रभावित: मार्च को देखते हुए दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन ने सोमवार सुबह छह बजे से शाम चार बजे तक छह मेट्रो स्टेशनों पर प्रवेश और निकास अस्थायी रूप से बंद रखने की घोषणा की थी। इनमें पटेल चौक, जनपथ, राजीव चौक, मंडी हाउस, केंद्रीय सचिवालय और बाराखंभा रोड स्टेशन शामिल थे। इन स्टेशनों पर इंटरचेंज की सुविधा चालू रखी गई थी। सुरक्षा एजेंसियों ने स्थिति के अनुसार व्यवस्था की समीक्षा की। शाम चार बजे स्टेशन खोल दिया गया। मेट्रो स्टेशनों पर प्रतिबंध और प्रदर्शनकारियों की आवाजाही को लेकर भी राजनीतिक बहस हुई। विपक्षी नेताओं ने प्रदर्शन के अधिकार और लोकतांत्रिक असहमति के महत्व पर जोर दिया। वहीं, प्रशासन की ओर से सुरक्षा तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए इंतजाम किए गए। मार्च के दौरान बैरिकेडिंग और पुलिस तैनाती इस विरोध प्रदर्शन का महत्वपूर्ण हिस्सा रहे।

अब निगाहें सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई पर: सुप्रीम कोर्ट याचिका पर आज सुनवाई कर सकता है। देखना है कि चुनाव आयोग से कौन-से रिकॉर्ड तलब किए जाते हैं और मतदाता सूची के पुनरीक्षण से संबंधित आरोपों पर अदालत क्या निर्देश देती है। विपक्ष की मांगों और चुनाव आयोग के निर्णयों के बीच कानूनी विवाद का अगला चरण न्यायिक सुनवाई में सामने आएगा। फिलहाल, विपक्ष के आरोप और उनकी मांगें याचिका का विषय हैं; उन पर अंतिम न्यायिक निष्कर्ष आना बाकी है।

वोट चोरी पर ...

व्यापक रूप है। उन्होंने कहा कि जब तक संविधान कायम नहीं होगा, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार नहीं जाएंगे, चुनावी व्यवस्था में सुधार नहीं होगा और लोगों को न्याय नहीं मिलेगा, तब तक हिंदुस्तान के युवा रुकने वाले नहीं हैं। इंदिरा भवन में पत्रकार वार्ता में वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आंदोलन कर रहे युवाओं को रोके जाने की कड़ी निंदा करते हुए सवाल किया कि देश की राजधानी को जेल में क्यों तब्दील कर दिया गया है? लोगों को दिल्ली आने से क्यों रोका जा रहा है? राहुल गांधी ने कहा कि दिल्ली को एक किला बना दिया गया है और 30 हजार पुलिसकर्मी तैनात हैं, लेकिन विपक्ष की रणनीति दूसरी है। विपक्ष देश को यह दिखाना चाहता है कि दिल्ली की किलेबंदी कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को बचाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी पूरे शहर को सिर्फ इसलिए रोक रहे हैं, क्योंकि विपक्ष और युवा चुनावों में धांधली को लेकर सवाल पूछ रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस किलेबंदी से जनता की आवाज को नहीं दबाया जा सकता। उन्होंने कहा कि विपक्ष लोगों के दिलों को जीतने के लिए लड़ रहा है; वह लोगों को बता रहा है कि इस तरह का हिंदुस्तान खतरनाक है। यह नरेंद्र मोदी, अमित शाह, अडानी, अंबानी और अजीत डोभाल के लिए अनुकूल है, लेकिन देशवासियों के लिए खतरनाक है; इसलिए वे ऐसा होने न दें। राहुल गांधी ने कहा कि मौजूदा हालातों से सुरक्षाकर्मी भी बेहद परेशान हैं। लगभग 50 प्रतिशत सुरक्षाकर्मी कह रहे हैं कि जो विपक्ष कर रहा है, वह बिल्कुल सही है। सुरक्षाकर्मी दुखी हैं कि उनसे देश के युवाओं को पिटवाया जा रहा है और भाजपा-आरएसएस के गुंडों को खुलेआम घूमने दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा-आरएसएस के गुंडे महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार और मार-पिटाई कर रहे हैं। वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने सभी देशवासियों से किसी न किसी रूप में इस आंदोलन में शामिल होने की अपील की। उन्होंने इसे शिवजी के तांडव और शिवजी की बारात से जोड़ते हुए कहा कि इसमें हर व्यक्ति शामिल हो सकता है। प्रश्न के उत्तर में राहुल गांधी ने कहा कि आंदोलन का उद्देश्य ज्ञानेश कुमार को हटाने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह को भी हटाना है। सवाल पर कि क्या ज्ञानेश कुमार ने उनसे संपर्क साधा है, के जवाब में राहुल गांधी ने कहा कि संदेश आते हैं और वो ये प्रेस वार्ता देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि ज्ञानेश कुमार ने जिस प्रकार लाखों लोगों के अधिकार छीने हैं, ज्ञानेश कुमार इससे बच नहीं सकते। कांग्रेस के पास उनके अतीत और भ्रष्टाचार से जुड़ी तमाम जानकारियां मौजूद हैं। उन्होंने यह भी कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने जुर्म किया है, लेकिन वे मुख्य अपराधी नहीं हैं। उन्होंने सलाह दी कि देश के हित में वे इस्तीफा देकर सरकारी गवाह बन जाएं। उन्हें माफ करने के बारे में भी विपक्ष विचार कर सकता है। हम जानते हैं कि ज्ञानेश कुमार को प्रधानमंत्री, अमित शाह, अजीत डोभाल और अडानी ने मजबूर किया है। एक अन्य प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर सभी आंदोलन एक हैं। कोई समानांतर प्रदर्शन नहीं हैं। विचार एक है कि भारत मार्च कर रहा है। संविधान की रक्षा के लिए जो भी खड़ा है, हम उसके साथ हैं, उसका समर्थन करेंगे और उसकी रक्षा करेंगे। वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने बताया कि उन्होंने और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मुख्य न्यायाधीश को चिट्ठी लिखकर भारतीय लोकतंत्र की हत्या और चुनावों में निष्पक्षता पर अपनी गहरी चिंता जताई है। मुख्य न्यायाधीश ने जवाब में याचिका दाखिल करने का रास्ता दिखाया है। आंदोलनकारी युवाओं से सीधा संवाद करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि सच्चाई उनके साथ है और बताया कि मोदी सरकार के 200 से अधिक अफसर कांग्रेस के संपर्क में हैं, ईडी, सीबीआई और विदेश मंत्रालय के भीतर से तमाम जानकारियां पार्टी को लगातार मिल रही हैं।

राहुल गांधी वोट...

का अधिकार छीना गया। उन्होंने कांग्रेस के आपातकाल, जबरन नसबंदी और लोकतांत्रिक अधिकारों के दमन का उल्लेख करते हुए विपक्ष के दोहरे रवैये पर सवाल उठाए। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने राहुल गांधी से अमर्यादित भाषा छोड़कर तथ्यों, प्रमाणों और लोकतांत्रिक जवाबदेही के आधार पर राजनीति करने का आग्रह किया। ठाकुर ने कहा कि राहुल गांधी कहने के लिए तो नेता प्रतिपक्ष हैं, लेकिन उन्हें न तथ्यों का पता है, न तर्कों का और न ही नियम-कायदों व कानून का। उन्हें बस यह पता है कि अराजकता कैसे फैलानी है, अस्थिरता कैसे लानी है, संवैधानिक पदों और संस्थाओं को नीचा कैसे दिखाना है तथा दुनिया भर में भारत का नाम बदनाम करके देश की छवि को कमजोर कैसे करना है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश को आज इतने अस्थिर, अराजक और अगंभीर नेता प्रतिपक्ष के तमाशे और नखरे झेलने पड़ रहे हैं। राहुल गांधी के लबों पर वोट चोरी का आरोप रहता है, जबकि दरअसल वे जनादेश से सीनाजोरी कर रहे हैं। राहुल गांधी की राजनीति का पूरा पैटर्न ही हवा हवाई है। उनकी बातें, आरोप, हरकतें, प्रदर्शन, तथ्य, तर्क और आंकड़े, सब कुछ हवा हवाई है। जबकि धरातल और असलियत में शून्य बटे सन्नाटा है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी बार-बार आरोप लगाते हैं और फिर अदालत में जाकर माफी मांगते हैं। यह उनका ट्रैक रिकॉर्ड है। 99 चुनाव हारने के बाद भी राहुल गांधी हर सीजन में यही देखते हैं कि किस पर आरोप लगाना है और ठीकरा कहां फोड़ना है। कभी चुनाव आयोग, कभी ईवीएम, कभी मुख्य चुनाव आयुक्त, तो कभी किसी और को निशाना बनाया जाता है। अब तो स्थिति यह हो गई है कि राहुल गांधी सड़क छाप भाषा का प्रयोग कर रहे हैं और निराधार आरोप लगा रहे हैं। मगर राहुल गांधी, देश को शोर नहीं, सच चाहिए; आरोप नहीं, प्रमाण चाहिए और राजनीतिक बयान नहीं, स्पष्ट जवाब चाहिए। राहुल गांधी महामहिम राष्ट्रपति जी के पास गए, जहां उनसे शिकायत के साथ सबूत देने को कहा गया। लेकिन राहुल गांधी वहां भी बगलें झांकने लगे, भाग गए और चुप्पी साध ली। वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने भी राहुल गांधी से साफ-साफ कह दिया कि वे न्यायालय को अपनी राजनीति का रणक्षेत्र नहीं बना सकते। ठाकुर ने कहा कि अब तो राहुल गांधी को यह भी सिखाना पड़ेगा कि किसी मामले की सुनवाई चल रही हो, तो अदालत और मुख्य न्यायाधीश से संपर्क करने की प्रक्रिया क्या होती है। अब राहुल गांधी मुख्य न्यायाधीश से मिलने की बात करने लगे हैं, जबकि मामला अदालत में विचाराधीन है। दरअसल, कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी देश की न्यायिक व्यवस्था को धमकाने की कोशिश कर रहे हैं कि यदि हमारी बात नहीं मानी गई, तो हम आपके खिलाफ भी सड़कों पर उतर आएंगे। अनुराग ठाकुर ने कहा कि लोकतंत्र में जवाबदेही केवल सरकार की नहीं, बल्कि नेता प्रतिपक्ष की भी होती है। इसलिए राहुल गांधी अपनी जिम्मेदारी समझते हुए जवाब दें और निराधार आरोप न लगाएं। जनादेश पसंद आए तो लोकतंत्र और चुनाव हार जाएं तो वोट चोरी, यह दोहरा रवैया नहीं चल सकता। लोकतंत्र में विरोध करने का अधिकार है, लेकिन जनादेश को बदनाम करने का लाइसेंस नहीं है। इसलिए हम राहुल गांधी और विपक्षी दलों से कहना चाहते हैं कि आरोपों की राजनीति बंद करें और प्रमाणों के साथ बात करें। सबूत प्रस्तुत करें और निराधार आरोप लगाने, गंदे शब्दों तथा अमर्यादित भाषा का प्रयोग बंद करें। यह देश के नेता प्रतिपक्ष के पद के लिए उचित नहीं है। राहुल गांधी सड़क छाप राजनीति और हवा हवाई बातें करना बंद करें।

कर्नाटक में झगड़े ...

लोकतंत्र का गला घोंटकर आपातकाल लगाया, वह कांग्रेस संविधान की क्या बात करेगा। उन्होंने कहा कि आज कांग्रेस की हालत यह है कि देश के कई प्रमुख राज्यों में उसका काफी पहले सफाया हो चुका है। तमिलनाडु में लगभग 59 वर्षों से, पश्चिम बंगाल में लगभग 49 वर्षों से, सिक्किम में 42 वर्षों से, उत्तर प्रदेश में 37 वर्षों से, बिहार में 36 वर्षों से, त्रिपुरा में 33 वर्षों से, गुजरात में 31 वर्षों से, ओडिशा में 26 वर्षों से, नागालैंड में 23 वर्षों से, गोवा में 15 वर्षों से और दिल्ली में 13 वर्षों से कांग्रेस सत्ता से बाहर है। पूरा हिसाब देखें, तो कांग्रेस कहीं बची नहीं है और तीन-चार राज्यों को छोड़ दें, तो कांग्रेस दूसरे राज्यों में भी केवल जूनियर पार्टी बनकर रह गई है। तमिलनाडु में कांग्रेस डीएमके के सहारे है, लेकिन अब वह सहारा भी खिसक रहा है। बिहार में भ्रष्ट आरजेडी के सहारे, उत्तर प्रदेश में कभी सपा तो कभी बसपा के सहारे और झारखंड में झामुमो तथा जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस के सहारे कांग्रेस राजनीति कर रही है। कांग्रेस अब एक जूनियर पार्टनर और परजीवी पार्टी बनकर रह गई है।

रॉबर्ट और माइकल...

करते हैं। पुरस्कार समिति के अध्यक्ष जॉन हासलर के अनुसार, उनके काम ने ऐसे आर्थिक मॉडल तैयार करने का सैद्धांतिक आधार दिया, जिनका इस्तेमाल दुनिया भर की सरकारें और केंद्रीय बैंक करते हैं। इनसे ऊर्जा संकट और घरेलू खर्च में अचानक बदलाव जैसी स्थितियों के आर्थिक प्रभावों को समझने और उनसे निपटने में मदद मिलती है। रॉबर्ट हॉल कैलिफोर्निया की स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी और माइकल वुडफोर्ड न्यूयॉर्क की कोलंबिया यूनिवर्सिटी से जुड़े हैं। पुरस्कार की घोषणा के बाद वुडफोर्ड ने इसे बड़ा सम्मान बताया और कहा कि उन्हें इसकी उम्मीद नहीं थी।

ऑपरेशन सिंदूर जैसे ...

जानकारी साझा की है।

वायुसेना, बीआरओ की दी मिसाल: उन्होंने उदाहरण दिया कि जैसे लड़ाकू विमान एक्सप्रेसवे पर उतर रहे हैं, बीआरओ की बनाई सड़कों का इस्तेमाल स्थानीय आबादी भी करती है। ठीक उसी तरह से एफसीआई के गोदाम केवल खाद्य भंडारण तक सीमित नहीं रहेंगे। अब वे सेना की आपूर्ति श्रृंखला का अभिन्न अंग बन जाएंगे। राजनाथ के मुताबिक, जब सैनिक सीमाओं की निगरानी करते हैं, तो उन्हें विश्वास होना चाहिए कि पूरा देश उनके साथ खड़ा है। सैनिकों का मनोबल बढ़ाना केंद्र की प्राथमिकता है। ये संकल्प महज सरकार का नहीं है। बल्कि इसमें किसान, सहकारी क्षेत्र, नागरिक प्रशासन और संपूर्ण राष्ट्र का योगदान है। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने भी सेना की इस पहल की सराहना की है।

18 महीने के मंथन का परिणाम: भारत चावल पहल के माध्यम से धान को तय मानकों के हिसाब से पीसा जाएगा। वित्त वर्ष 2026-27 के दौरान नेफेड के जरिए इसकी आपूर्ति की जाएगी। जिसके बाद गुणवत्ता के संबंध में जरूरी जांच की जाएगी। ऐसा इसलिए क्योंकि इससे टूटे, क्षतिग्रस्त, बदरंग दाने कम से कम होंगे। एफसीआई 10 किलो और 30 किलो के थैलों में इसकी खरीदारी करेगी। खासतौर पर सेना की अग्रिम चौकियों तक चावल को उठाना तथा उसका परिवहन आसान हो जाएगा। ये पहल सेना, एफसीआई, एनएएफईडी और खाद्य-सार्वजनिक वितरण विभाग के मध्य करीब डेढ़ साल (18 महीने) तक हुए समन्वय के बाद शुरू की गई है।

युद्ध की असल ...

व्यवस्था है। वर्तमान में जंग केवल मोर्चे पर ही नहीं जीते जाते। इसमें कई अन्य कारक भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जिनमें आपूर्ति श्रृंखलाओं की मजबूती, भंडारण क्षमता, परिवहन नेटवर्क, अवसंरचना व समयबद्ध आपूर्ति की क्षमता मुख्य हैं।

छोटी पहल के ...

पर निर्भर नहीं होती। इसमें इसका संबंध उनके शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक स्थिरता, मनोबल और सहनशक्ति से होता है। जटिल परिस्थितियों में सैनिकों का कल्याण एक मामूली मसला नहीं है। बल्कि ये राष्ट्रीय सुरक्षा का अभिन्न अंग है। पौष्टिक भोजन, मजबूत उपकरण तथा व्यापक प्रशिक्षण सैनिकों का मनोबल बढ़ाते हैं। जिससे वे प्रत्येक चुनौती का सामना करने, राष्ट्र की रक्षा करने के लिए हमेशा तत्पर-तैयार रहते हैं।

आज से भारत ...

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) भी जाएंगी। यूएई में उनकी मुलाकात वहां के उप-प्रधानमंत्री तथा विदेश मंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान के साथ होगी।

30.4 बिलियन डॉलर पर पहुंचा व्यापार: आंकड़ों के हिसाब से देखें तो भारत और कनाडा में लगभग 8 दशक (80 वर्षों) से राजनयिक संबंध हैं। इतना ही नहीं दोनों देशों में सहयोग का भी लंबा इतिहास रहा है। लोगों के बीच बढ़ते अनोखे संबंध भी इसी सहयोग का हिस्सा है। पिछले साल 2025 में भारत, कनाडा के बीच व्यापार का आंकड़ा 30.4 बिलियन डॉलर तक जा पहुंचा। जिसमें वस्तुओं (गुड्स ट्रेड) के व्यापार की भागीदारी 11.0 बिलियन डॉलर है।

ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी ...

हिंद-प्रशांत के लिए एक भरोसेमंद साझेदार के रूप में भी प्रदर्शित किया जाएगा।

भाजपा महिला मोर्चा ...

ने राहुल गांधी और कांग्रेस नेतृत्व से तीखे सवाल पूछे और आरोपी सांसद के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने तथा उन्हें पुलिस के हवाले करने की मांग की।

'नारी शक्ति हुंकार आंदोलन' के तहत सुबह 11 बजे दीन दयाल उपाध्याय मार्ग स्थित आंध्र एजुकेशन सोसाइटी स्कूल से कांग्रेस मुख्यालय 'इंदिरा भवन' तक विशाल विरोध मार्च निकाला गया। इसके बाद इंदिरा भवन के सामने जोरदार प्रदर्शन किया गया। भाजपा महिला मोर्चा की हजारों कार्यकर्ताओं ने सड़कों पर उतरकर राहुल गांधी के कथित महिला-विरोधी रवैये और दोहरे चरित्र के खिलाफ अपना आक्रोश व्यक्त किया। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस मुख्यालय से बाहर निकले काँग्रेस के समर्थकों ने प्रदर्शनकारी महिला कार्यकर्ताओं पर हमला किया, उनके साथ मारपीट करने की कोशिश की एवं अभद्र भाषा का प्रयोग किया। भाजपा की महिला नेत्रियों ने इसका कड़ा विरोध किया और उस व्यक्ति को पुलिस के हवाले कर दिया।

इस प्रदर्शन में भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष रूपकुमारी चौधरी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं महिला मोर्चा प्रभारी डी. पुरंदेश्वरी, केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी तथा केंद्रीय राज्य मंत्री नीमूबेन जयंतीभाई, सावित्री ठाकुर और रक्षा निखिल खडसे सहित संध्या राय, बांसुरी स्वराज, कमलजीत सहरावत, स्वाति मालीवाल, एस. फांगनोन कोन्याक, डॉ. मेधा विश्राम कुलकर्णी सहित भाजपा महिला मोर्चा की हजारों कार्यकर्ता उपस्थित रहीं।

भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष रूपकुमारी चौधरी ने कहा कि न्याय की आवाज अब दबेगी नहीं और महिला शक्ति झुकेगी नहीं। महिला मोर्चा अध्यक्ष ने आगे कहा #SexforMarks जैसे आपराधिक कृत्य करने वाले सांसद को राजनैतिक शरण देकर बचाने का काम करने वाले राहुल गांधी और काँग्रेस पार्टी के नेतृत्व को शर्म आनी चाहिए। काँग्रेस द्वारा महिला अधिकार की बात सिर्फ एक पाखंड मात्र है और असलियत में तो इनकी मानसिकता महिला विरोधी है। जेएनयू की 11 छात्राओं से जुड़े यौन उत्पीड़न मामले में आरोपी कांग्रेस सांसद अंगोमचा बिमोल अकोइजाम को पार्टी से निष्कासित करने और पीड़िताओं को न्याय दिलाने की मांग को लेकर विशाल मार्च निकालकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया।

शिकायत नहीं, संकल्प ...

▶▶ मुझे ज्यादा दूर देखने की जरूरत नहीं पड़ी, क्योंकि हमारे स्टेट में मनोज और प्रवीण दो प्लेयर थे, काफी अच्छे थे। अनिरुद्ध और सुनील ज्योति थे, वे भी अच्छे थे। तो मुझे न, दूर कहीं जाने की जरूरत नहीं पड़ी। वी हैड पीपल लाइक, दीपांकर भट्टाचार्य करके एक थे, जॉर्ज थॉमस करके एक केरला के थे, राजीव बग्गा बॉम्बे के थे। ये जो सारे लोग, मेरे जो कंटेंपररीज हैं, उनसे मैंने बहुत सीखा है।

▶▶ प्रकाश पादुकोण की आपके जीवन में क्या भूमिका रही है?

▶▶ अगर प्रकाश सर 1980 में ऑल इंग्लैंड नहीं जीतते ना, तो हमारे माइंड में ऐसा कभी आता भी नहीं था कि हम भी जीत सकते हैं। तो हमें ये है कि एक इंडियन जीता है तो हमारा जो स्किन वाला है, हमारे जैसे ही जो पला-बढ़ा है, खिला है, वो जीत सकता है, हम भी जीत सकते हैं। सो, आई थिंक जस्ट दैट वन पॉइंट ऑफ बिलीव इज समथिंग व्हिच इज ह्यूज। बट ऑल्सो प्रकाश सर, द वे ही हैज कंडक्टेड हिमसेल्फ, द वे ही हैज प्लेड, आई

छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

haribhoomi.com

नई दिल्ली, मंगलवार
13 अक्टूबर 2026

6

हरिभूमि

नवरात्र विशेष

सहेली



मांगें मन की शक्ति संग जीवन संवारने का आशीष

आत्मशक्ति के आह्वान का, चेतना को जाग्रत करने का पर्व नवरात्र आरंभ हो चुका है। इन दिनों का भव्य, दिव्य परिवेश न केवल हमें मां शक्तिस्वरूपा का सान्निध्य पाने का अवसर देता है, अपने जीवन को नई ऊर्जा से भरने के लिए भी प्रेरित करता है। आइए इन नवरात्रों में हम सब मां भगवती से आत्मशक्ति के जागरण के साथ अपने जीवन को संवारने का भी आशीष मांगें। ताकि घर-परिवार से लेकर समाज में सकारात्मकता का संचार हो।

आवरण कथा

डॉ. मोनिका शर्मा

बीते दो दिन से हर ओर मां आदिशक्ति के जयकारे गूंज रहे हैं। मातृशक्ति के समक्ष पूरा समाज नतमस्तक है। बहुत से घरों में घट स्थापना के बाद नियमित पूजन-अर्चन हो रहा है। कहीं गरबा का उल्लास तो कहीं किसी एक कोने में भक्तिभाव से मां की प्रार्थना में रत मन। शक्ति को साधने का उत्सव कहे जाने वाले नवरात्र पर्व की छटा आम जीवन में ही नहीं, आत्मा में भी उतरती है। हर कोई अपनी ऊर्जा का समर्पण कर मां दुर्गा से यह आह्वान करता दिखता है कि शक्ति स्वरूपा नई शक्ति और सोच का संचार करें। घर-परिवार ही नहीं, समग्र संसार में सुख-शांति बनी रहे। मां का आशीर्वाद जिंदगी को सही दिशा में गतिमान रखे। भगवती का आशीष, सोच-समझ में सकारात्मकता के रंग भर दे। असल में बच्चे हों या बड़े, ऊर्जा और अनुभूतियों का यही भाव जीवन से जोड़ता है। समझना जरूरी है कि इस सहजता और सकारात्मकता के साथ ही मां दुर्गा की आराधना ममता, क्षमा, स्वाभिमान और न्याय का भाव भी लिए है। तभी तो उपासना के ये नौ दिन, परंपरागत रंगों के साथ ही मानवीय सोच और मन को मजबूत बनाने का सुंदर अवसर भी हैं। शक्ति स्वरूपा भगवती, जीवन के हर पहलू को संवारने का विचार जगाने वाली हैं। हर बुराई का प्रतिकार करने की हिम्मत देने वाली हैं। स्त्रियों के मन-जीवन से ऐसे भाव गहराई से जुड़े होते हैं। महाशक्ति देवी भगवती की उपासना कर, हर स्त्री अपने सामर्थ्य को पहचानने का आशीष मांगे। अपने जीवन के रण में स्वयं शक्ति स्वरूपा बनें।



मन की शक्ति को समझिए

नवरात्र का महापर्व आस्था और विश्वास के जरिए अपनी ही असीम शक्तियों से हमारा परिचय पाने का समय होता है। ये नौ दिन मन-जीवन को नया-सा कर जाते हैं। ऐसे में मां का आह्वान कर हर स्त्री जीवन की परिस्थितियों से जूझने का साहस और संबल जुटा सकती है। मां अंबे की साधना करते हुए उनके शक्तिस्वरूपा और जाग्रत रूप को अपने भीतर सहेजते हुए बेहतरी की ओर बढ़ने का प्रण ले सकती हैं। मन और मस्तिष्क के लिए नई ऊर्जा उपार्जित कर सकती हैं। उम्र के हर मोड़ पर महिलाएं कई मोर्चों पर एक साथ जूझती हैं। आर्थिक संकट से लेकर अपनों की संभाल-देखभाल तक, फिक्र के फेर में फंसी रहती हैं। भारतीय परिवेश में तो महिलाएं हौसले और हिम्मत से हर संकट का सामना करते हुए आगे बढ़ी हैं और बढ़ रही हैं। माना भी जाता है कि स्त्री हर संकट से जूझने का हौसला जुटा ही लेती है। यह अवसर इस शक्ति को और निखारने का अवसर होता है, क्योंकि नारी की प्रखरता और शक्ति सामर्थ्य का नाम ही मां दुर्गा है। नौ दिनों का आध्यात्मिक और पारंपरिक पर्व हर स्त्री को समझाता है कि प्रकृति ने उसे सहज-सरल ही नहीं बनाया, जरूरत पड़ने पर हर मुसीबत से लड़ जाने का माद्दा भी दिया है। मां भगवती का पूजन-अर्चन अपने सामर्थ्य को सहेजने और मुसीबतों के आगे मोर्चा संभालने की शक्ति का आह्वान करना ही तो है। इन नौ दिनों में मां का वंदन करते हुए अपने भीतर की इस शक्ति को पहचानने का प्रयास भी हर स्त्री अवश्य करे।

सजग-जागरूक बनिए

मां दुर्गा का रूप भारतीय स्त्री के आत्मविश्वास से दमकते मुखमंडल का प्रतीक है। मातृ-शक्ति के रूप में पोषक और चेतनामयी रूप में सजगता और जागरूकता का प्रतिबिंब। स्त्री जीवन में हर मोर्चे पर सजगता और जागरूकता अहम है। असल में देखा जाए, तो महिलाओं में जिंदगी के हर पहलू को लेकर चेतना संपन्न सोच होनी ही चाहिए। अधिकारों के लिए जागरूकता और सुरक्षित जीवन के लिए सजगता आवश्यक है। भारत ही नहीं, संसार के हर हिस्से में सशक्त बनने और बने रहने की एक जरूरी शर्त जागरूक और सजग रहना ही है। हर जगह नियम-कानूनों की जानकारी रखना ही, तो सुरक्षा और सम्मान के हालात बनाता है। इतना ही नहीं जिंदगी से जुड़ी दूसरी रूढ़ियों को लेकर मुखरता और संकीर्ण विचारों का विरोध करने का धरातल भी सही जानकारी ही बनाती है। आप गृहिणी हों या काम-काजी, हर महिला के लिए किसी सार्थक और सकारात्मक पहल का हिस्सा बनने या अपने जीवन को बेहतर बनाने का पहला पड़ाव जागरूक रहना ही है। नवरात्र में मां दुर्गा से भी अपनी चेतना को पोषित करने का आशीष मांगा जाता है। शक्ति उपासना के इस पर्व पर हर स्त्री अपने अंतर्मन की शक्ति को साधने और जागरूक रहने का बल जुटाए। एक चेतना से संपन्न स्त्री ही सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक



सरोकारों के प्रति जागरूक हो सकती है। समाज में फैली कुप्रथाओं के विरुद्ध लड़ने का संबल जुटा सकती है। यह अपने सामर्थ्य को पहचानने की दिशा में सबसे पहला कदम है।

साथ-स्नेह के मायने समझिए

आदि शक्ति की उपासना का पर्व नवरात्र, महिलाओं के मन और जीवन में झलकती नई ऊर्जा, नई चेतना को भी प्रतिबिंबित करता है। इस चेतनामयी बल के दम पर स्त्रियां आत्मविश्वासी और मुखर बनकर ना केवल हर मुसीबत से जूझ सकती हैं बल्कि औरों का सहारा भी बन सकती हैं। स्वयं मां दुर्गा ने भी कई बार देवताओं के कष्ट हरे हैं। शक्ति पूजा के बाद श्रीराम को जीत का आशीष भी आदिशक्ति ने ही दिया था। स्त्रियां भी साझी सोच के साथ हर संकट का मुकाबला कर सकती हैं। एक दूजे का संबल बन सकती हैं। इसीलिए किसी की पीड़ा भी बांटें और संबल भी दें। परेशानी के दौर में किसी का साथ दें और कामयाबी के समय सराहना भी करें। अपने सपनों को पूरा करने के हौसले के साथ ही दूसरों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने का मानस भी जरूरी है। अपनी नेतृत्व क्षमता और योग्यता पर भरोसा रखते हुए आगे बढ़ती जाएं। सशक्त होने का अर्थ यही है कि हम खुद को मजबूती से थामते हुए दूसरों को कुछ देना भी सीखें। स्त्री मां के रूप में मात्र जीवन नहीं देती है, अपने बच्चों को मनुष्यता का पाठ पढ़ाकर समाज को जिम्मेदार नागरिक भी देती है। वो स्वयं को कभी कम ना आंके। शक्ति के उपार्जन का यह पर्व मातृ-शक्ति की उपासना को सर्वोच्च दर्जा देता है। यूं भी भारतीय संस्कृति में मातृ-शक्ति को प्राणशक्ति माना गया है और उसका स्थान सबसे ऊपर है। इसीलिए इस पर्व पर हर महिला खुद सृजन शक्ति के सही अर्थ को समझे। अपने उस सामर्थ्य को पहचाने, जो उसे प्रकृति ने दिया है। स्त्रियां इसी सामर्थ्य के बल पर साथ-संबल का परिवेश बना सकती हैं। ईर्ष्या, स्पर्धा और असुरक्षा की भावना से दूर अपनी और दूसरी स्त्रियों की बेहतरी के लिए प्रयास करने का आशीष मांगना ही सही मायने में मां शक्ति के वंदन करने का भाव है।

पर्व एक बहुत बड़ा अवसर होते हैं, अपनी संस्कृति-परंपरा से जुड़ने का। बच्चों को नवरात्र से जुड़े विधि-विधान बताएं और उन्हें अपनी परंपरा-संस्कृति से जोड़ें। इसके लिए आप कुछ बातों पर ध्यान दें।

नवरात्र में बच्चों को जोड़ें अपनी संस्कृति-परंपरा से

बच्चे और आप

निकिता चौहान



नवरात्र आरंभ चुके हैं। लोग बड़ी आस्था के साथ मां दुर्गा की पूजा-पाठ में व्यस्त हैं। भजन-कीर्तन चल रहे हैं। जगह-जगह माता की चौकी सजी हुई है। वहीं दूसरी तरफ गरबा-डांडिया भी आरंभ हो रहे हैं। बड़े-छोटे सभी इस उत्सवी माहौल में उमंगित हैं। इसमें कोई दो मत नहीं कि पर्व बच्चों को अपनी संस्कृति-परंपराओं से जोड़ने का एक अच्छा अवसर होते हैं। बच्चे सिर्फ पूजा के समय साथ बैठाने से अपनी संस्कृति-परंपराओं से परिचित नहीं हो सकते। उन्हें पूजा की तैयारी, भजन, प्रसाद और नवरात्र से जुड़ी अन्य गतिविधियों में सम्मिलित करना जरूरी है। इससे वे त्योहार का मतलब सही ढंग से समझेंगे, खुशी के साथ नवरात्र पर्व का हिस्सा बनेंगे।

पूजा की तैयारी में दें छोटी जिम्मेदारियां: बच्चों को नवरात्र पूजा की तैयारी में अवश्य शामिल करें। छोटे बच्चे, फूल सजाने और पूजा की थाली लगाने में मदद कर सकते हैं। बड़े बच्चे रंगोली बना सकते हैं या पूजा की जगह सजाने में सहायता कर सकते हैं। इससे उनके भीतर मां दुर्गा के प्रति आस्था और भक्ति के भाव जागेंगे।



नौ दिन-नौ कहानियां: बच्चों को हर दिन मां के एक स्वरूप की कहानी अवश्य सुनाएं। कहानी के साथ उससे मिलने वाली सीख भी बताएं, जैसे किसी दिन माता के साहस की बात करें, तो किसी दिन दया-करुणा और धैर्य की। इस तरह बच्चे मां की कथाओं से प्रेरणा लेंगे।

बच्चों के सवालों का जवाब दें: बच्चे बहुत ही जिज्ञासु होते हैं। वे पूछते हैं कि नवरात्र नौ दिन क्यों मनाई जाती है? कन्या पूजन क्यों होता है? मां के अलग-अलग स्वरूप क्यों हैं? बच्चों के सवालों को कभी टालें नहीं। उन्हें आसान भाषा में जवाब दें। जब बच्चों को किसी परंपरा की वजह समझ आती है, तो वे उसे आसानी से अपना पाते हैं।

प्रसाद बनाने में मदद लें: नवरात्र पूजन का प्रसाद और फलाहार बनाते समय बच्चों को भी साथ रखें। वे फल काटने, मेवा रखने या प्रसाद की प्लेट लगाने में मदद कर सकते हैं। इस दौरान उन्हें यह भी बताएं कि नवरात्र में अलग-अलग जगहों पर कौन-कौन से पारंपरिक पकवान बनाए जाते हैं।

गरबा-डांडिया में हो बच्चों की भागीदारी: बच्चों को नवरात्र की पूजा और परंपराओं से जोड़ने के साथ ही गरबा और डांडिया के बारे में भी बताएं। उन्हें इन कार्यक्रमों में ले जाएं, इनका हिस्सा बनाएं। इससे वे गरबा और डांडिया की संस्कृति का महत्व समझेंगे।

कन्या पूजन का मतलब बताएं: अष्टमी या नवमी पर कन्या पूजन के दौरान बच्चों को जरूर साथ में रखें। कन्याओं के स्वागत, भोजन और प्रसाद की तैयारी में उनकी मदद लें। उन्हें समझाएं कि कन्याओं का सम्मान जरूरी है। सम्मान सिर्फ त्योहार के दिन नहीं, बल्कि साल के प्रत्येक दिन होना चाहिए।

बच्चों को दें उनकी पसंद का काम: बच्चों को पूजा और परंपराओं से जोड़ते समय इस बात का ध्यान रखें कि उन्हें उनकी नापसंद का काम ना सौंपे, उन्हें उनकी पसंद के काम में शामिल करें। किसी को सजावट करना पसंद है, तो उसे सजावट करने दें और प्रसाद बांटना पसंद है, तो उसे यह जिम्मेदारी दें।

बड़े प्रयास की जरूरत नहीं: बच्चों को परंपराओं से जोड़ने के लिए बड़े प्रयास की जरूरत नहीं है। उन्हें बस त्योहार का हिस्सा बनाना है। जब बच्चे पूजा की थाली सजाएंगे, दादी-नानी से कहानी सुनेंगे, परिवार के साथ गरबा करेंगे और प्रसाद बांटेंगे, तो नवरात्र उनके लिए परिवार के साथ बिताया एक यादगार समय बन जाएगा। वे अपनी परंपरा-संस्कृति से जुड़ेंगे।

डाइट सजेशन

डॉ. आस्था शर्मा
सीनियर डाइटीशियन

नवरात्र में कई महिलाएं नौ दिनों का व्रत रखती हैं। लेकिन व्रत पूरे करने के बाद डाइट में अचानक बदलाव करने से पाचन तंत्र पर असर पड़ सकता है। ऐसे में धीर-धीरे नॉर्मल डाइट में वापसी करनी चाहिए। इस बारे में यूजफुल सजेशंस।

व्रत के बाद न बरतें लापरवाही ऐसे करें नॉर्मल डाइट में वापसी



नवरात्र व्रत के दौरान कई महिलाएं नौ दिनों तक फलाहार या सीमित आहार का पालन करती हैं। इन दिनों आप भी ऐसा कर रही होंगी। लेकिन व्रत खत्म होने के बाद अचानक भारी, तला-भुना और ज्यादा मीठा खाना शुरू कर देना, शरीर के लिए परेशानी खड़ी कर सकता है। इससे गैस, पेट फूलना, कब्ज, एसिडिटी, थकान और ब्लड शुगर में उतार-चढ़ाव जैसी समस्याएं हो सकती हैं। ऐसे में व्रत के बाद शरीर को किसी 'क्रैश डिटॉक्स' की नहीं, बल्कि संतुलित और धीरे-धीरे सामान्य डाइट में लौटने की जरूरत होती है। व्रत के बाद शरीर को डिटॉक्स करने के नाम पर जूस डाइट, केवल फल खाने या लंबे समय तक खाना छोड़ने की जरूरत नहीं है। व्रत के बाद सबसे जरूरी है कि हम शरीर को पर्याप्त पानी, प्रोटीन, फाइबर और माइक्रोन्यूट्रिएंट्स दें और सामान्य डाइट में धीरे-धीरे वापस आएं।

व्रत के बाद डाइट प्लानिंग: व्रत खोलने के तुरंत बाद बहुत ज्यादा खाना खाने से बचें। शुरुआत हल्के और आसानी से पचने वाले भोजन से करें। खिचड़ी, दही, चावल, मूंग दाल, सब्जियां, सूप या हल्का घर का बना भोजन बेहतर विकल्प हो सकते हैं। अगले कुछ दिनों में सामान्य संतुलित डाइट को धीरे-धीरे अपने रूटीन में शामिल किया जा सकता है।



लें प्रोटीन रिच डाइट: अगर व्रत के दौरान प्रोटीन का सेवन कम रहा है, तो व्रत के बाद इसकी भरपाई करना जरूरी है। डाइट में दाल, पनीर, दही, दूध, सोया, चना और अन्य प्रोटीन स्रोत शामिल करें। पर्याप्त प्रोटीन शरीर की मांसपेशियों को बनाए रखने और लंबे समय तक पेट भरा रखने में मदद करता है।

पानी और फाइबर बढ़ाएं: व्रत के दौरान पानी और फाइबर का सेवन कम होने से कब्ज और पेट फूलने की समस्या हो सकती है। दिनभर पर्याप्त पानी पिएं और धीरे-धीरे सलाद, फल, सब्जियां, साबुत अनाज और दालों को डाइट में शामिल करें। फाइबर अचानक बहुत ज्यादा बढ़ाने के बजाय इसकी मात्रा धीरे-धीरे बढ़ाना बेहतर है।

इन फूड्स से बनाएं दूरी: व्रत खत्म होते ही मिठाइयां, तली-भुनी चीजें, नमकीन, प्रोसेस्ड फूड, ज्यादा मसालेदार भोजन और शुगर युक्त ड्रिंक्स का अधिक सेवन न करें। लंबे समय तक कम कैलोरी लेने के बाद अचानक बहुत ज्यादा कैलोरी लेने से पाचन तंत्र पर अतिरिक्त दबाव पड़ सकता है।

सबसे इफेक्टिव है बैलेंस डाइट: व्रत के दौरान कम खाने और व्रत खत्म होने के बाद ज्यादा खाने, दोनों से बचना चाहिए। अपनी मील प्लेट में प्रोटीन, सब्जियां, साबुत अनाज और स्वस्थ वसा का संतुलन रखें। शरीर को सामान्य रुटीन में लौटने के लिए जल्दबाजी न करें। यदि लगातार कमजोरी, चक्कर, उल्टी, गंभीर पेट की समस्या हो या फिर ब्लड शुगर कंट्रोल में नहीं रहता हो, तो डॉक्टर या डायटीशियन की सलाह लेना बेहतर रहेगा।

डिटॉक्स के लिए क्या करें: डिटॉक्स के लिए महंगे डिटॉक्स ड्रिंक्स या सप्लीमेंट्स जरूरी नही हैं। पर्याप्त पानी, संतुलित भोजन, अच्छी नींद और रोजाना शारीरिक गतिविधि ही शरीर को रिकवर करने के लिए पर्याप्त आधार देती है। व्रत के बाद रोजाना 20-30 मिनट की हल्की वॉक से शुरुआत की जा सकती है। यदि आप नियमित व्यायाम करती हैं, तो धीरे-धीरे अपनी सामान्य एक्सरसाइज रुटीन में लौट सकती हैं।

प्रस्तुतिः निशि

मेकअप

निधि गोयल

ऐसे करें मेकअप-मेंटेन रहेगा ग्लो

नवरात्र में गरबा नाइट में घंटों डांस और मस्ती के बीच आपका लुक भी परफेक्ट रहना चाहिए। लेकिन पसीने की वजह से मेकअप जल्दी खराब हो सकता है। ऐसे में जरूरी है कि मेकअप करते समय सही प्रोडक्ट्स अप्लाई करें और कुछ आसान स्टेप्स को भी फॉलो करें। इससे आपका मेकअप लंबे समय तक टिका रहेगा और आप पूरी रात फ्रेश और खूबसूरत नजर आएंगी।

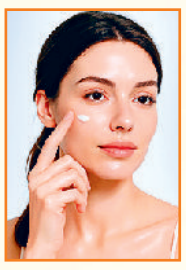

सबसे पहले मॉयश्चराइजर: सबसे पहले त्वचा को साफ करना जरूरी है। इसके लिए माइल्ड फेस वॉश के जरिए चेहरे को अच्छी तरह साफ कर लें। फिर चेहरे को मॉयश्चराइज करें। इससे आपकी त्वचा पर नमी बनी रहेगी, साथ ही मेकअप ज्यादा ड्राय नजर नहीं आएगा। साथ ही मेकअप बेहतर तरीके से हो पाएगा। इसके बाद प्राइमर का इस्तेमाल करें, जिससे मेकअप ज्यादा देर तक टिका रहता है। अगर आपकी स्किन ऑयली है, तो मैटिफाइंग प्राइमर लगाएं, खासकर माथे, नाक और ठुड्डी के आसपास। ड्राय स्किन के लिए हाइड्रेटिंग प्राइमर बेहतर विकल्प हो सकता है।

ज्यादा हैवी बेस लगाने से बचें: अगर आप चाहती हैं कि गरबा करते हुए आपको मेकअप अट्रैक्टिव नजर आए, तो बहुत ज्यादा मेकअप करने से बचें। गरबा में घंटों डांस करना हो, तो चेहरे पर फाउंडेशन की मोटी परत लगाने से बचें। हल्का और लॉन्ग-वेयर बेस चुनें और जहां जरूरत हो, वहीं कंसीलर लगाएं। ज्यादा प्रोडक्ट लगाने पर पसीने के साथ पैची नजर आ सकता है।



वॉटरप्रूफ आई मेकअप: पसीने से आपका मेकअप मेल्ट न हो, इसके लिए आंखों पर वाटरप्रूफ आई मेकअप करें। इससे आपका मेकअप जल्दी से खराब नहीं होगा। बेहतर होगा कि आप वाटरप्रूफ काजल, आईलाइनर और मस्कारा चुनें।

टी-जोन को करें हल्का सेट: मेकअप के बाद ट्रांसलूसेंट या सेटिंग पावडर से खासतौर पर टी-जोन को हल्का सेट करें। इससे एक्सट्रा ऑयल को नियंत्रित करने में मदद मिलती है। ध्यान रखें कि बहुत ज्यादा पावडर लगाने से चेहरा केकी दिख सकता है। इसलिए बहुत ज्यादा पावडर लगाने से बचें।

लॉन्ग-लास्टिंग लिपस्टिक: पसीना आने पर लिपस्टिक भी होंठों पर लंबे समय तक स्टे नहीं कर पाता है, तो ऐसे में जरूरी है कि बार-बार लिपस्टिक के टचअप से बचने के लिए मैट या ट्रांसफर-रेजिस्टेंट लिक्विड लिपस्टिक चुनें। लिपस्टिक लगाने से पहले होंठों को मॉयश्चराइज करें और लिप लाइनर का इस्तेमाल करें।

(ब्यूटीशियन साधना शर्मा से बातचीत पर आधारित)

डेकोरेशन

रजनी अरोड़ा

घर की सजावट हो अलग-आकर्षक

नवरात्र शुरू हो चुके हैं। आप इन दिनों अपने घर को कुछ अलग अंदाज में जरूर सजाना चाहेंगी। हम आपको कुछ ऐसे यूनीक आइडियाज बता रहे हैं, जिनसे आप अपने घर को आकर्षक अंदाज में डेकोरेट कर सकती हैं।







नवरात्र और आने वाले त्योहारों के लिए आप अपने घर को अलग अंदाज में जरूर सजाना चाहेंगी। हर बार वही पुरानी झालरें लगाने के बजाय इस बार घर थोड़ा क्रिएटिव तरीके से सजाइए। थोड़ी-सी मेहनत और कुछ खूबसूरत आइडियाज से घर का कोना-कोना त्योहारों की चमक से जगमगा उठेगा।

नौ रंगों के दुपट्टों से सजाएं दीवार: नवरात्र के नौ रंगों को घर की सजावट में शामिल करना इस बार कुछ अलग और खूबसूरत आइडिया हो सकता है। स्ट्रिंग लाइट्स की जगह नौ अलग-अलग रंगों के दुपट्टे या रंगीन कपड़े दीवार, दरवाजे या पूजा स्थल के पीछे लगाएं। इन्हें अलग-अलग ऊंचाई पर सजाने से दीवार को आकर्षक लुक मिलेगा। यह सजावट गरबा नाइट की तस्वीरों के लिए सुंदर बैकड्रॉप का काम भी करेगी।

गेंदे और आम के पत्तों का तोरण: त्योहारों में फूलों और पत्तों से बनी सजावट हमेशा खास लगती है। घर के मुख्य दरवाजे पर गेंदे के ताजे फूलों और आम के पत्तों से बना तोरण लगाएं। चाहें तो इसमें छोटे शीशे, मोती या रंगीन धागे भी जोड़ सकती हैं। इससे घर के प्रवेश द्वार पर पारंपरिक रंग और फूलों की खुशबू दोनों नजर आएंगे।

रंगोली बने आकर्षण का केंद्र: रंगोली को सिर्फ दरवाजे के पास छोटी-सी सजावट तक सीमित न रखें। इस बार इसे थोड़ा बड़ा बनाकर घर की सजावट का मुख्य आकर्षण बनाएं। रंगीन चावल, फूलों की पंखुड़ियां और दीयों की मदद से ज्यामितीय या फूलों वाले डिजाइन बनाए जा सकते हैं। हर दिन रंगोली का डिजाइन बदलने से सजावट में नयापन बना रहेगा।

मिट्टी के दीयों से रोशन करें घर: नवरात्र की सजावट में मिट्टी के दीयों की खूबसूरती अलग ही नजर आती है। पूजा स्थल, खिड़की, बालकनी या सीढ़ियों पर दीयों की कतार सजाएं। अलग-अलग आकार के दीयों को फूलों की पंखुड़ियों से सजी ट्रे में भी रखा जा सकता है। शाम के समय दीयों की हल्की रोशनी घर को आध्यात्मिक माहौल देती है।

बंधानी-शीशे वाले लटकन: अगर आप बिना ज्यादा खर्च के घर को रंगीन लुक देना चाहती हैं, तो बंधानी कपड़े और शीशे वाले राजस्थानी लटकन इस्तेमाल कर सकती हैं। इन्हें मुख्य दीवार या पूजा स्थल के पीछे सजाएं। दिन की रोशनी पड़ने पर छोटे शीशे चमकेंगे और कमरे में खूबसूरत सी-झिलमिलाहट नजर आएगी। रंग-बिरंगे लटकन भी नवरात्र के माहौल के साथ खूब मैच करते हैं।

सजाएं फूलों की मालाएं: इस बार सिर्फ एक लंबी माला लगाने के बजाय अलग-अलग फूलों की कई मालाओं से सजावट करें। गेंदे, गुलाब, गुलदाउदी जैसे फूलों की मालाओं को दरवाजे, खिड़की, पूजा स्थल या मंदिर के आसपास लगाया जा सकता है। हर दिन अलग रंग के फूलों का चुनाव करें। इससे सजावट में रोज थोड़ा बदलाव भी नजर आएगा और घर में फूलों की खुशबू भी बनी रहेगी।

मुख्यमंत्री ने देवास में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से किया संबोधित

सरकार किसानों के विकास के लिए प्रतिबद्ध, मसूर, चना एवं गेहूं, सरसों की प्रमाणित किस्मों पर दिया तकनीकी मार्गदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि राज्य सरकार किसानों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। इस किसान मेले का मुख्य उद्देश्य कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, प्राकृतिक व जैविक खेती तथा श्रीअन्न (मिलेट मिशन) को बढ़ावा देना रहा। मेले में कृषि वैज्ञानिकों की ओर से रबी सीजन के दृष्टिगत कम पानी में अधिक उत्पादन देने वाली फसलों जैसे गेहूं, चना, मसूर एवं सरसों की प्रमाणित किस्मों पर किसानों को तकनीकी मार्गदर्शन दिया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कृषि उपज मंडी समिति प्रांगण, देवास में आयोजित 'बलराम कृषि महोत्सव' एवं जिला स्तरीय किसान मेले का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी) के माध्यम से संबोधित किया। उन्होंने प्रदेशवासियों एवं अन्नदाताओं को शारदीय नवरात्रि की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि मां चामुंडा और मां तुलजा भवानी की पावन धरा पर कृषि विभाग द्वारा किसानों के हित में आयोजित यह महाअभियान अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने कहा कि माताजी की कृपा और शासन के कड़े निर्णयों से प्रदेश को नक्सलवाद से मुक्ति मिली है। देवास के किसानों की प्रशंसा करते हुए कहा कि जिले के अन्नदाता उन्नत तकनीकों और प्राकृतिक खेती के क्षेत्र में कई उत्कृष्ट नवाचार कर रहे हैं, जिससे देवास पूरे प्रदेश में कृषि क्षेत्र में एक आदर्श मॉडल बनकर उभर रहा है।

11 प्रगतिशील किसान हुए सम्मानित, प्राकृतिक खेती व कृषि यंत्रों की लगी प्रदर्शनी



देवास प्रदेश का 45वां जिला, जहां महोत्सव का हो रहा भव्य आयोजन

अपेक्स बैंक प्रशासक महेंद्र सिंह यादव ने बताया कि 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत पीएम के सेवा भाव को आगे बढ़ाते हुए देवास प्रदेश का 45 वां जिला है, जहां बलराम कृषि महोत्सव का भव्य आयोजन हो रहा है। विधायक गायत्री राजे पवार ने सीएम का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार ने किसानों और देवास मंडी व्यवस्था को अभूतपूर्व संबल प्रदान किया है। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष लीला भेरूलाल अटारिया, महापौर गीता दुर्गेश अग्रवाल, सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं किसान उपस्थित रहे।

किसानों ने अपने नवाचारों के अनुभव भी किए साझा

मंडी प्रांगण में आधुनिक कृषि यंत्रों, ड्रिप-स्प्रिंकलर सिंचाई प्रणालियों एवं कृषि नवाचारों की भव्य प्रदर्शनी भी लगाई गई। समारोह के दौरान देवास जिले के प्रगतिशील किसानों ने अपने नवाचारों के अनुभव भी साझा किए। इसमें देवास विकासखण्ड के ग्राम छोटी चुरलाय निवासी कृषक धर्मेन्द्र सिंह राजपूत ने प्राकृतिक और आधुनिक खेती के समन्वय से मॉडल फार्मिंग और आय वृद्धि के बारे में बताया, ग्राम कनोरिया की श्रीमती पवित्रा नागर ने प्राकृतिक खेती के तरीकों और उसके परिणामों पर चर्चा की, सोनकच्छ के ग्राम अरनिया कला निवासी नारायण सिंह सेंधव ने शेडनेट व पॉलीहाउस के जरिए उद्यानिकी फसलों के प्रबंधन की जानकारी दी, ग्राम पोलाय जागीर के लक्ष्मीनारायण ने किसान उत्पादक संगठन के जरिए उत्पादों की मार्केटिंग व्यवस्था पर प्रकाश डाला तथा टोंकखुर्द के ग्राम चौबारधीरा की संगीता कुशवाह ने प्राकृतिक खेती के सफल क्रियान्वयन के व्यावहारिक अनुभव साझा किए।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले 11 प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया

कार्यक्रम में कृषि, पशुपालन एवं नवाचार के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 11 प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वाले कृषकों में आधुनिक खेती के लिए देवास के धर्मेन्द्र सिंह राजपूत, उन्नत पशुपालन के लिए दौलत यादव, प्राकृतिक खेती के लिए पवित्रा नागर तथा फसल विविधीकरण के लिए ग्राम मेंडकी धाकड़ के जगदीश नागर शामिल हैं। इसी क्रम में उद्यानिकी फसल के लिए सोनकच्छ के नारायण सिंह सेंधव, एफपीओ मार्केटिंग के लिए लक्ष्मीनारायण, प्राकृतिक खेती के लिए टोंकखुर्द की संगीता कुशवाह, खातेगांव की चिंताबाई कुमरे एवं बागली के बांकेसिंह कर्मा को सम्मानित किया गया।

खबर संक्षेप

सीएम डॉ. यादव ने महाराज अग्रसेन जयंती पर दीं शुभकामनाएं

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने महाराज अग्रसेन की जयंती पर शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि अग्रसेन महाराज का जीवन समता-सहयोग-सेवा और समाज के कल्याण के आदर्शों का प्रतीक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महाराज अग्रसेन के आदर्शों को आत्मसात कर समरस, समृद्ध और सशक्त समाज के निर्माण में अपना योगदान देने का प्रदेशवासियों से आव्हान किया है।

मुख्यमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर दीं शुभकामनाएं

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस पर बेटियों को शुभकामनाएं दीं हैं। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कामना की कि बेटियां शक्ति, साहस और आत्मविश्वास का स्वरूप हैं। उनके सपनों को नए पंख मिलें, उन्हें आगे बढ़ने के भरपूर अवसर मिलें और वे अपनी प्रतिभा से हर क्षेत्र में नई ऊंचाइयां हासिल करें। हमारी बेटियां शिक्षित, उन्होंने कहा कि बेटियाँ सुरक्षित और आत्मनिर्भर बनें। वे अपने सपनों को साकार करें और प्रदेश व देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं, इसके लिए हम हर कदम पर उनके साथ हैं।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने बिजली निगमों के अधिकारियों की ली समीक्षा

बिजली कर्मचारियों को 500 रुपये मासिक जोखिम भत्ता मिलेगा : सीएम

6105 गांवों में मिल रही 24 घंटे बिजली, नौकरी की सुरक्षा संबंधी औपचारिकताएं एक सप्ताह में पूरी करने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ चंडीगढ़

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बिजली निगमों के कर्मचारियों को 500 रुपये मासिक जोखिम भत्ता देने की घोषणा की है। इसके साथ ही उन्होंने युवाओं की नौकरी की सुरक्षा से संबंधित आवश्यक औपचारिकताएं एक सप्ताह में पूरी करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि नागरिकों को निर्बाध बिजली आपूर्ति उपलब्ध करवाना सरकार का दायित्व है। बिजली निगमों के अधिकारी बिजली आपूर्ति से संबंधित कार्यों को प्राथमिकता दें और उपभोक्ताओं को समय पर सुविधाएं उपलब्ध करवाना सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री सोमवार को चंडीगढ़ में बिजली निगमों के अधिकारियों के साथ आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर, मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी और अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधीर राजपाल सहित बिजली निगमों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में बिजली आपूर्ति व्यवस्था को बेहतर बनाने, कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान करने, सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने और बिजली उत्पादन क्षमता बढ़ाने से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरुग्राम एक प्रमुख महानगर है। यहां ग्रुप हाउसिंग सोसायटियों के रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) के माध्यम से उपभोक्ताओं को महंगी दरों पर बिजली आपूर्ति किए जाने की शिकायतें मिल रही हैं। इस पर उन्होंने निगमों के वरिष्ठ अधिकारियों को संबंधित आरडब्ल्यूए के साथ बैठक कर उचित मानक तय करने और उपभोक्ताओं के लिए बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने गुरुग्राम के सेक्टर-57 स्थित 220 केवी सब स्टेशन में अतिरिक्त ट्रांसफार्मर लगाने, सेक्टर-38 के पावर हाउस की चारदीवारी बनाने तथा घरौंडा और नांगल चौधरी के सब स्टेशनों में नियंत्रण कक्ष स्थापित करने के कार्य जल्द पूरे करने को कहा। मलिकपुर और मानेसर के सब स्टेशनों की चारदीवारी का काम भी शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि फरीदाबाद औद्योगिक नगरी है। इसलिए यहां उद्योगों को निर्बाध बिजली आपूर्ति उपलब्ध करवाई जाए, ताकि औद्योगिक गतिविधियां सुचारू रूप से चलती रहें। उन्होंने बिजली के गलत बिल आने की शिकायतों का समाधान करने के लिए बेहतर नीति तैयार करने और हेल्पलाइन पर मिलने वाली शिकायतों का त्वरित निपटारा करने पर भी जोर दिया।



सरकारी भवनों और नए स्कूलों पर लगेंगे सोलर प्लांट

बैठक में मुख्यमंत्री को बताया गया कि बस स्टैंड, स्कूलों, चिकित्सा संस्थानों, शैक्षणिक संस्थानों और मिनी सचिवालयों सहित अन्य सरकारी भवनों पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने का कार्य किया जा रहा है। प्रदेश के 13 जिलों में 25 मेगावाट क्षमता के संयंत्र लगाने की योजना पर भी काम किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने इन परियोजनाओं को जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रदेश में बनाए जाने वाले 248 नए स्कूल भवनों पर सोलर प्लांट लगाने और सभी स्कूलों में सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही यमुनानगर में 800 मेगावाट क्षमता का बिजली संयंत्र लगाने तथा झज्जर और पानीपत में अतिरिक्त बिजली उत्पादन संयंत्रों से संबंधित प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए। हिसार के खेदड़ में एक और इकाई स्थापित करने के लिए काम चल रहा है।

खेतों की मेढ़ पर सोलर पैनल लगाने की योजना बनेगी

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाअभियान के तहत किसानों के खेतों की मेढ़ पर सोलर पैनल लगाने की योजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इससे किसानों की आमदनी बढ़ाने का नया साधन विकसित हो सकेगा और प्रदेश को बिजली के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कम लाइन हानि और बिजली बिलों का 100 प्रतिशत भुगतान करने वाले प्रत्येक जिले के एक गांव को पायलट परियोजना के तहत स्मार्ट गांव के रूप में विकसित करने की योजना बनाने को कहा। महानगरों में भी इस दिशा में कार्य करने के निर्देश दिए, ताकि सौर ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा मिल सके।

प्रदेशाध्यक्ष ने बैठक को किया संबोधित

चुनावों में सभी विस सीटें जीतने के लक्ष्य के साथ जुटें कार्यकर्ता



हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने रविवार को बड़वानी, खरगोन एवं खण्डवा प्रवास के दौरान जिला कोर कमेटी, जिला बैठक एवं बूथ समिति की बैठक को संबोधित कर मीसाबंदियों का सम्मान किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में केंद्र और मप्र की भाजपा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है। सरकार गरीबों और जनजातीय परिवारों को सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। खंडेलवाल ने कहा कि भाजपा में कोई पद महत्वपूर्ण नहीं होता, बल्कि कार्यकर्ता और विचारधारा संगठन

प्रत्येक बूथ को सशक्त बनाकर संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएं

मीसाबंदियों का त्याग और समर्पण हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत

खंडेलवाल ने कहा कि वर्ष 1952 में जनसंघ की जीत यहां के कार्यकर्ताओं के परिश्रम और संगठन की ताकत का प्रमाण है। आपातकाल के दौरान बड़वानी जिले के दर्जनों कार्यकर्ताओं ने मीसा के तहत जेल जाना स्वीकार किया, लेकिन विचारधारा और लोकतांत्रिक मूल्यों से समझौता नहीं किया। मीसाबंदियों का त्याग और समर्पण हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। हमें अपने गौरवशाली इतिहास को याद रखते हुए उनसे प्रेरणा लेकर संगठन को मजबूत बनाने और आने वाली पीढ़ी तक संघर्ष व समर्पण के संस्कार पहुंचाने का संकल्प लेना चाहिए।

भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं का सीएम ने किया स्वागत

'सेवा संकल्प अभियान' के तहत बनारस से वडनगर तक की बाइक रैली संपन्न

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर



छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने आवास पर भाजपा युवा मोर्चा के उन कार्यकर्ताओं का स्वागत और अभिनंदन किया, जिन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर शुरू किए गए 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत बनारस से वडनगर तक बाइक रैली पूरी की। पांच राज्यों से होकर निकली इस यात्रा में छत्तीसगढ़ के 54 युवा मोर्चा कार्यकर्ताओं ने करीब 2300 किलोमीटर का सफर तय किया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में सार्वजनिक जीवन में जनसेवा करते हुए 25 वर्ष पूरे किए हैं। इसी उपलब्धि के उपलक्ष्य में पूरे देश में 'सेवा संकल्प अभियान' मनाया जा रहा है। अभियान के तहत प्रधानमंत्री की कर्मभूमि काशी से उनकी जन्मभूमि वडनगर तक बाइक रैली का आयोजन किया गया था।

कई स्थानों पर किया पौधरोपण

सीएम साय ने बताया कि छत्तीसगढ़ के 54 युवा मोर्चा कार्यकर्ताओं ने काशी से वडनगर तक बाइक से 2300 किलोमीटर की यात्रा पूरी की। इस दौरान रैली उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान से होते हुए गुजरात पहुंची। यात्रा के दौरान कार्यकर्ताओं ने विभिन्न गांवों में ग्रामीणों और स्थानीय लोगों से संपर्क किया। यात्रा केवल बाइक रैली तक सीमित नहीं रही, बल्कि इस दौरान कई जगहों पर पौधरोपण किया गया और सरकारी योजनाओं की जानकारी भी लोगों तक पहुंचाई गई। इस तरह कार्यकर्ताओं ने यात्रा के दौरान जनसंपर्क और सेवा से जुड़ी गतिविधियों में भाग लिया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बताया कि 15 सितंबर को इन कार्यकर्ताओं को शुभकामनाएं देकर छत्तीसगढ़ से रवाना किया गया था।

12 हाथियों का झुंड फसलों को पहुंचा रहा नुकसान

बिहारपुर वन परिक्षेत्र अंतर्गत महुली और आसपास के गावों में हाथियों का आतंक

हरिभूमि न्यूज ⏭ सूरजपुर

जिले में बिहारपुर वन परिक्षेत्र के अंतर्गत महुली और उसके आसपास के गांवों में 12 हाथियों का एक दल लगातार उत्पात मचा रहा है। हाथियों का यह झुंड खेतों में लगी फसलों को भारी नुकसान पहुंचा रहा है, जिससे स्थानीय किसानों की चिंताएं काफी बढ़ गई हैं। वन विभाग के अनुसार क्षेत्र में सक्रिय 12 हाथियों का यह दल दो अलग-अलग क्षेत्रों से आकर एकत्र हुआ है। इस झुंड में शामिल छह हाथी पड़ोसी कोरिया जिले की सीमा की तरफ से आए हैं, जबकि



अन्य छह हाथी प्रतापपुर-रमकोला क्षेत्र से इस इलाके में पहुंचे हैं। हाथियों का यह संयुक्त दल वर्तमान में महुली गांव के पास सक्रिय है। ग्रामीण क्षेत्रों के इतने समीप हाथियों की लगातार मौजूदगी के कारण ग्रामीणों में जनहानि की आशंका भी बनी हुई है।

सावधानी बरतने की अपील

हाथियों की लगातार गतिविधियों को देखते हुए वन विभाग का अमला पूरी तरह मुस्तैद है। विभाग की टीम हाथियों की हर हलचल पर लगातार अपनी पैनी नजर बनाए हुए है। वन अधिकारियों ने स्थानीय ग्रामीणों से अपील की है कि वे हाथियों के झुंड से हमेशा सुरक्षित दूरी बनाकर रखें और उनके रास्ते में न आएं। अधिकारियों ने लोगों को जंगल और खेतों की तरफ जाते समय विशेष सावधान रहने के निर्देश दिए हैं। विभाग ने कहा है कि ग्रामीणों को हाथियों को देखने के लिए उनके पास जाने या उन्हें भगाने की कोशिश बिलकुल नहीं करनी चाहिए।

वेदांता के बालिकाओं पर केंद्रित कार्यक्रमों से वित्तीय वर्ष 26 में 10 लाख से ज्यादा लड़कियों को लाभ मिला

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर, दुनिया की प्रमुख प्राकृतिक संसाधन कंपनियों में से एक वेदांता ग्रुप ने घोषणा की कि वित्त वर्ष 2025-26 में उसके बालिकाओं पर केंद्रित कार्यक्रमों से 10 लाख से ज्यादा लड़कियों को लाभ मिला है। मेटल्स, ऑयल एंड गैस, क्रिटिकल मिनरल्स, पावर और टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में काम करने वाले वेदांता के इन कार्यक्रमों का लाभ भारत के 13 से ज्यादा राज्यों के साथ-साथ दक्षिण अफ्रीका और जाम्बिया में कंपनी के अंतरराष्ट्रीय परिचालन क्षेत्रों तक पहुंचा है। अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस लड़कियों के अधिकारों, उनके लिए उपलब्ध अवसरों और उनके सामने आने वाली चुनौतियों पर ध्यान देने का अवसर है। यह उनके विकास और सशक्तिकरण में अधिक निवेश की जरूरत को भी सामने लाता है। इसी उद्देश्य के अनुरूप, वेदांता के बालिकाओं पर केंद्रित कार्यक्रमों को उनकी जिंदगी के अलग-अलग पड़ावों पर सहयोग देने के लिए तैयार किया गया है। इन कार्यक्रमों के जरिए शिक्षा और कौशल विकास, स्वास्थ्य सेवाओं, खेल और आजीविका के अवसरों तक पहुंच देकर बालिकाओं के समग्र विकास को बढ़ावा दिया जा रहा है। ये कार्यक्रम संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों में योगदान देते हैं। इनमें भूखमरी खत्म करना, अच्छा स्वास्थ्य और बेहतर जीवन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, लैंगिक समानता और सम्मानजनक रोजगार और आर्थिक विकास शामिल हैं।

दिल्ली के दो छात्रों ने दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए आवाज आधारित एआई साथी तैयार किया

नई दिल्ली। दिल्ली के 17 वर्षीय आदित्य और स्पर्श ने दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए आवाज से संचालित कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित साथी विकसित किया है। दोनों ने टीम इक्विनॉक्स के तहत 'सारा एआई' पर काम किया है, जिसका उद्देश्य स्क्रीन पर निर्भरता कम करते हुए विद्यार्थियों को पढ़ाई में अधिक स्वतंत्रता देना है।'सारा एआई' के जरिए विद्यार्थी आवाज के माध्यम से पढ़ाई से जुड़ी गतिविधियां कर सकते हैं। इसमें आवाज को लिखित शब्दों में बदलने, पढ़ाई की प्रगति पर नजर रखने और परीक्षा व मूल्यांकन में भाग लेने जैसी सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। लंबे समय तक उपयोग न होने पर यह विद्यार्थियों से दोबारा संपर्क भी कर सकता है।इस परियोजना को सैमसंग सॉल्व फॉर टुमॉरो 2026 के शीर्ष 20 समाधानों में जगह मिली है। दोनों छात्रों ने दिल्ली में 40 से अधिक विद्यार्थियों के साथ इसके शुरुआती रूप का परीक्षण किया है। साथ ही, उन्होंने स्कूलों और अन्य संस्थाओं से बातचीत कर दृष्टिबाधित विद्यार्थियों की जरूरतों को समझने का प्रयास किया।कार्यक्रम के मार्गदर्शन और प्रशिक्षण के दौरान टीम ने तकनीक के साथ उसके उपयोग, विश्वसनीयता और शैक्षणिक संस्थानों में इसे लागू करने से जुड़े पहलुओं पर भी काम किया। टीम का लक्ष्य आगे इस समाधान को दिल्ली के स्कूलों तक पहुंचाना है, जहां इससे करीब 6,000 विद्यार्थियों को लाभ मिलने की संभावना जताई गई है।

फल और फूल, सब्जियों की खेती से बढ़ाएंगे प्रदेश के किसानों की आय

रायसेन जिले में गरीबी मुक्त गांव का देश का पहला मॉडल करेंगे तैयार

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

- हर परिवार को काम-धंधे और आजीविका से जोड़ने के लिए गांवों की मैपिंग की जाएगी
- किसानों को देश के दूसरे राज्यों में भेजकर आधुनिक और उन्नत खेती का प्रशिक्षण देंगे जिससे कृषि से बढ़ेगी किसानों की आय

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि हमारा संकल्प गांवों को गरीबी से मुक्त बनाना है। गरीबी मुक्त गांव का अर्थ केवल योजनाओं का लाभ पहुंचाना नहीं, बल्कि हर परिवार को स्थायी आजीविका से जोड़ना है। हर परिवार के पास कोई न कोई काम-धंधा और कमाई का साधन होना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह काम कठिन जरूर है, लेकिन असंभव नहीं है। इसी उद्देश्य से भारत सरकार की टीम को भेजा गया है। इसी महीने रायसेन में बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें भारत सरकार और प्रदेश सरकार के अधिकारी शामिल होंगे।



मंडीदीप के दौरे पर थे केंद्रीय मंत्री चौहान

केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान रविवार को अपने संसदीय क्षेत्र भोजपुर और मंडीदीप के दौरे पर थे। उन्होंने भोजपुर के विनेका में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के चौथे चरण का शुभारंभ किया। उन्होंने रायसेन जिले में 84 किमी से अधिक लंबाई की 31 सड़कों का भूमिपूजन किया। केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने कहा कि ग्रामीण विकास, गरीबी उन्मूलन, किसानों की आय बढ़ाने और खेती को लाभकारी बनाने के लिए सरकार की योजनाओं और कार्ययोजना पर विस्तार से संवाद किया।

गरीबी किसी के माथे पर कलंक बनकर नहीं रहना चाहिए

केंद्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि गरीबी और मजबूरी में जीवन बिताना बहुत कठिन होता है। हमारा प्रयास है कि किसी भी परिवार को मजबूरी में जीवन न जीना पड़े। गरीबी किसी के माथे पर कलंक बनकर नहीं रहनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस अभियान को गति देने के लिए विधायक, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला प्रशासन, प्रदेश सरकार और भारत सरकार की टीमें मिलकर काम करेंगी। हमारा लक्ष्य है कि हर परिवार को आजीविका का साधन मिले और उसकी आर्थिक स्थिति में सुधार हो।

आजीविका के मॉडल तैयार किए जाएंगे

चौहान ने बैठक में कहा कि हर गांव की मैपिंग की जाएगी। यह पता लगाया जाएगा कि किन परिवारों के पास आजीविका का कोई साधन नहीं है और उन्हें किस प्रकार रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ा जा सकता है। खेती से संबंधित प्रोसेसिंग, पशुपालन, मछली पालन, बकरी पालन, गाय पालन, मधुमक्खी पालन और व्यापार सहित विभिन्न क्षेत्रों में आजीविका के मॉडल तैयार किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि रायसेन जिले में गरीबी मुक्त गांव का देश का पहला मॉडल विकसित करने का प्रयास किया जाएगा।

किसानों को उन्नत खेती का प्रशिक्षण दिलाएगी सरकार

केन्द्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने और खेती को बेहतर बनाने के लिए उन्हें आधुनिक कृषि पद्धतियों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। किसानों के एक समूह को हाल ही में भुवनेश्वर भेजा गया है। किसानों के आने-जाने, रहने, खाने और प्रशिक्षण की व्यवस्था सरकार की ओर से की जा रही है। किसानों को दिल्ली, भुवनेश्वर, पंजाब और देश के अन्य उन क्षेत्रों में ले जाया जाएगा, जहां खेती के बेहतर तरीके अपनाए जा रहे हैं। वहां कृषि वैज्ञानिक किसानों को नई तकनीकों, आधुनिक पद्धतियों और खेती के नए प्रयोगों की जानकारी देंगे।

चिंतन

अब पेश करने ही होंगे सबूत

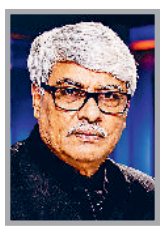

मुद्दा
ओमकार चौधरी

रियाद के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हूती विद्रोहियों के लगातार हमलों ने पश्चिम एशिया को बड़े क्षेत्रीय संघर्ष के मुहाने पर ला खड़ा किया है। दो दिन में हुए हमलों में 13 लोगों की मौत और सैकड़ों के घायल होने से नागरिकों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल उठे हैं। मृतकों में एक भारतीय भी शामिल है। हवाई सेवाएं बाधित हैं और सऊदी अरब की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। अमेरिका की संभावित सैन्य भागीदारी से टकराव के और व्यापक होने का खतरा है। इसका असर खाड़ी देशों में काम कर रहे भारतीयों की सुरक्षा से लेकर वैश्विक तेल आपूर्ति और व्यापार तक पड़ सकता है। ऐसे में सैन्य जवाबी कार्रवाई के बजाय संघर्ष को फैलने से रोकना और यमन संकट का राजनीतिक समाधान तलाशना अंतरराष्ट्रीय समुदाय की प्राथमिकता होनी चाहिए।

लोकतंत्र में सवाल उठाना विपक्ष का अधिकार है और उनका जवाब देना सरकार व संवैधानिक संस्थाओं की जिम्मेदारी। लेकिन जब सवाल चुनावी व्यवस्था की विश्वसनीयता से जुड़ा हो, तो आरोपों के साथ प्रमाण भी जरूरी होते हैं। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में कथित गड़बड़ियों को लेकर इंडिया ब्लॉक के 11 नेताओं का सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दाखिल करना इसी कसौटी पर परखा जाएगा। राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, अखिलेश यादव और तेजस्वी यादव समेत विपक्षी नेताओं ने निर्वाचन आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को भी याचिका में पक्षकार बनाया है। अब विपक्ष को बताना होगा कि गड़बड़ी कहां हुई, कितने मतदाता प्रभावित हुए और उसके समर्थन में क्या सबूत हैं। सियासी शक्ति प्रदर्शन से मुद्दा चर्चा में आ सकता है, लेकिन आरोप प्रमाणों से ही सिद्ध होते हैं। याचिका दाखिल करने से पहले विपक्षी नेताओं ने प्रधान न्यायाधीश से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपने का समय मांगा था। इसके बाद बाराखंबा से सर्वोच्च न्यायालय तक मार्च निकाला गया। राहुल गांधी ने इस मार्च की तुलना 'शिवजी की बारात' से की। विभिन्न दलों की भागीदारी और नेताओं की मौजूदगी ने इसे राजनीतिक घटनाक्रम जरूर बनाया, लेकिन मार्च का आकार आरोपों की सत्यता का प्रमाण नहीं है। विपक्ष को अब राजनीतिक नारों से आगे बढ़कर तथ्य सामने रखने होंगे। चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग करना अलग बात है और चुनावी प्रक्रिया में अनियमितता साबित करना अलग। दोनों को एक मानना उचित नहीं होगा। हालांकि, विपक्ष से प्रमाण मांगने का अर्थ उसकी शिकायतों को खारिज करना भी नहीं है। मतदाता सूची से किसी पात्र नागरिक का नाम गलत तरीके से हटना गंभीर मामला है। निर्वाचन आयोग का दायित्व है कि वह प्रक्रिया में पारदर्शिता रखे, शिकायतों का निपटारा करे और त्रुटियां मिलने पर पूरी जवाबदेही के साथ सुधार सुनिश्चित करे। किसी संस्था को सवालों से परे नहीं रखा जा सकता, लेकिन बिना प्रमाण लगाए गए आरोपों को भी अंतिम सच नहीं माना जा सकता। न्यायिक जांच का उद्देश्य ही आरोपों और तथ्यों के बीच अंतर स्पष्ट करना है। कुल मिलाकर अब विपक्ष को सुप्रीम कोर्ट के समक्ष सबूत पेश करने ही होंगे। इसी बीच जंतर-मंतर को निर्धारित प्रदर्शन स्थलों की सूची से हटाने का फैसला भी चर्चा में है। गृह मंत्रालय की समिति की सिफारिश पर रामलीला मैदान, बुराड़ी और पूर्वी दिल्ली के सीबीडी मैदान को प्रदर्शन का वैकल्पिक स्थल बनाया गया है। अण्णा आंदोलन से लेकर पहलवानों के प्रदर्शन तक, जंतर-मंतर लंबे समय से विरोध की आवाज का प्रमुख केंद्र रहा है। संसद के निकट होने के कारण इसका प्रतीकात्मक महत्व भी है। सुरक्षा, यातायात और सार्वजनिक व्यवस्था की चिंताएं अपनी जगह हैं, लेकिन इनके समाधान के नाम पर शांतिपूर्ण विरोध के अधिकार को कमजोर नहीं किया जाना चाहिए। वैकल्पिक स्थलों पर पर्याप्त सुविधाएं और स्पष्ट नियम सुनिश्चित करना भी जरूरी है। लोकतंत्र में सरकार की जवाबदेही और विपक्ष की जिम्मेदारी, दोनों अनिवार्य हैं। निर्वाचन आयोग को पारदर्शिता से काम करना होगा और विपक्ष को आरोपों के प्रमाण प्रस्तुत करने होंगे। यदि गड़बड़ी हुई है तो उसका खुलासा और सुधार हो; यदि आरोप प्रमाणित नहीं होते तो राजनीतिक दावों की समीक्षा भी हो। लोकतंत्र की विश्वसनीयता शोर से नहीं, तथ्यों, पारदर्शिता और जवाबदेही से मजबूत होती है।

पश्चिम एशिया में युद्ध का खतरा बढ़ा

सऊदी अरब की राजधानी रियाद के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर यमन के हूती विद्रोहियों के लगातार हमलों ने पश्चिम एशिया में सुरक्षा संकट गहरा दिया है। शनिवार, 10 अक्टूबर 2026 को हुए हमले में 13 लोगों की मृत्यु हुई और 309 लोग घायल हुए। मृतकों में एक भारतीय नागरिक भी शामिल है। रविवार, 11 अक्टूबर को लगातार दूसरे दिन हवाई अड्डे को निशाना बनाया गया। इन घटनाओं से अंतरराष्ट्रीय विमान सेवाएं प्रभावित हुई हैं और सऊदी अरब की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठे हैं। अमेरिका की संभावित सैन्य कार्रवाई ने संघर्ष के व्यापक क्षेत्रीय युद्ध में बदलने की आशंका बढ़ा दी है। रियाद का किंग खालिद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा सऊदी अरब के प्रमुख विमानन केंद्रों में शामिल है। शनिवार को हुए हमले से तीसरे और चौथे यात्री भवन के आसपास भारी नुकसान हुआ। विस्फोटों के बाद परिसर में अफरातफरी मच गई। यात्रियों और कर्मचारियों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। बचाव दलों ने घायलों को अस्पतालों में भर्ती कराया। सऊदी अधिकारियों के अनुसार, हमले में प्रारंभिक रूप से 12 लोगों की मृत्यु हुई थी। मृतकों में चार सऊदी नागरिक, दो बांग्लादेशी तथा अमेरिका, मिस्र, जॉर्डन, फलस्तीन, सीरिया और सूडान के एक-एक नागरिक शामिल थे। बाद में अस्पताल में एक भारतीय नागरिक की मृत्यु होने से मृतकों की संख्या 13 हो गई। इस हमले का शिकार विभिन्न देशों के निर्दोष नागरिक बने।

शनिवार की तबाही से हवाई अड्डा उबर भी नहीं पाया था कि रविवार को दोबारा हमला हो गया। सऊदी नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन के अनुसार, एक प्रक्षेपास्त्र चौथे यात्री भवन से टकराया, जिससे आग लग गई। अधिकारियों ने एक अन्य प्रक्षेपास्त्र को हवाई अड्डे के समीप रोकने की जानकारी दी। दूसरे हमले में भी लोग घायल हुए, हालांकि उनकी अंतिम संख्या स्पष्ट नहीं थी। लगातार हमलों ने अत्याधुनिक हवाई रक्षा व्यवस्था की प्रभावशीलता पर सवाल खड़े कर दिए।भारत के लिए यह घटना विशेष चिंता का विषय है। शनिवार के हमले में घायल भारतीय नागरिक की रविवार को उपचार के दौरान मृत्यु हो गई। उसकी पहचान हैदराबाद निवासी मोहम्मद यूसुफ अली के रूप में सामने आई। परिवार के अन्य सदस्य भी घायल हुए। भारतीय दूतावास ने पीड़ित परिवार से संपर्क कर आवश्यक सहायता और पार्थिव शरीर भारत पहुंचाने का आश्वासन दिया। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मृत्यु पर शोक व्यक्त किया। भारतीय हताहतों की संख्या को लेकर प्रारंभिक सूचनाओं में अंतर था। उपलब्ध विवरणों के अनुसार, एक भारतीय की मृत्यु हुई और दस अन्य घायल हुए। रविवार के दूसरे हमले में अलग से 12 भारतीयों के घायल होने के दावे की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है।भारत के विदेश मंत्रालय ने नागरिकों और नागरिक सुविधाओं पर हमलों की कड़ी निंदा की। मंत्रालय ने ऐसे हमले तत्काल रोकने की मांग करते हुए सऊदी अरब की संप्रभुता और सुरक्षा के प्रति समर्थन दोहराया। रियाद स्थित भारतीय दूतावास स्थानीय अधिकारियों तथा अस्पतालों के संपर्क में है।भारत की चिंता इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि सऊदी अरब सहित खाड़ी देशों में बड़ी संख्या में भारतीय काम करते हैं। ये कर्मचारी भारत



में अपने परिवारों को धन भेजते हैं। संघर्ष बढ़ने से उनकी सुरक्षा, रोजगार और आवागमन प्रभावित हो सकता है। भारत के सामने अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और क्षेत्रीय संबंधों में संतुलन बनाए रखने की चुनौती है। हूती विद्रोहियों ने हमलों की जिम्मेदारी स्वीकार की है। यमन में सक्रिय इस संगठन का सऊदी नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन के साथ लंबे समय से संघर्ष चल रहा है। हूती विद्रोहियों को ईरान का समर्थन प्राप्त है।

उनका आरोप है कि यमन में सऊदी सैन्य हस्तक्षेप से व्यापक जनहानि हुई है। संगठन ने रियाद पर हमलों को उसी कार्रवाई का जवाब बताया और भविष्य में भी सऊदी ठिकानों पर हमले जारी रखने की धमकी दी।लेकिन किसी संघर्ष में नागरिक हवाई अड्डों और यात्रियों को निशाना बनाना अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून के गंभीर प्रश्न खड़े करता है। सैन्य संघर्ष में भी नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना आवश्यक है। सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन ने हमलों को युद्ध अपराध बताते हुए कठोर जवाब देने की चेतावनी दी। इसके बाद यमन में सैन्य कार्रवाई तेज होने की खबरें आईं। दोनों पक्षों की जवाबी कार्रवाई संघर्ष को अधिक खतरनाक बना सकती है। रियाद हवाई अड्डे पर हमलों का सिलसिला अक्टूबर में अचानक शुरू नहीं हुआ। सितंबर में ईंधन भंडारण क्षेत्र के समीप हमले और आग लगने की खबर आई थी। अक्टूबर के पहले सप्ताह में रियाद तथा आभा के हवाई अड्डों को निशाना बनाया गया। आठ अक्टूबर को एक खड़े यात्री विमान को नुकसान पहुंचने तथा सऊदी विमान चालक सहित तीन नागरिकों की मृत्यु की जानकारी सामने आई। इन घटनाओं से संकेत मिलता है कि सऊदी अरब का विमानन ढांचा हूती विद्रोहियों की रणनीति का महत्वपूर्ण लक्ष्य बन गया है। सऊदी अरब के लिए संकट केवल हवाई अड्डों तक सीमित नहीं है। उसकी अर्थव्यवस्था में तेल उत्पादन, अंतरराष्ट्रीय व्यापार, पर्यटन और विदेशी निवेश की महत्वपूर्ण भूमिका है। देश तेल पर निर्भरता घटाकर पर्यटन, उद्योग और व्यापार का विस्तार करना चाहता है। लेकिन राजधानी के प्रमुख हवाई अड्डे पर लगातार हमले विदेशी निवेशकों का विश्वास प्रभावित कर सकते हैं। यात्री सुरक्षा पर संदेह बढ़ने से पर्यटन और व्यापारिक गतिविधियों को भी नुकसान पहुंच सकता है। सऊदी अरब की सुरक्षा के लिए प्रत्यक्ष सैन्य हस्तक्षेप किया जाता है तो यमन में संघर्ष और तेज हो सकता है। दूसरी ओर निष्क्रिय रहने से हूती विद्रोहियों को प्रोत्साहन मिलने की आशंका है। अमेरिकी कार्रवाई होने पर ईरान की संभावित प्रतिक्रिया और लाल सागर के समुद्री व्यापार पर उसके प्रभाव को भी ध्यान में रखना होगा।ब्रिटेन और अन्य पश्चिमी देशों ने भी हमलों पर चिंता जताई है।

अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने प्रश्न यह है कि क्या केवल सैन्य जवाब से हूती विद्रोहियों को रोका जा सकता है अथवा यमन के लंबे संघर्ष का राजनीतिक समाधान तलाशना आवश्यक है। पिछले वर्षों का अनुभव बताता है कि सैन्य हमलों के बावजूद हूती संगठन की आक्रमण क्षमता समाप्त नहीं हुई है।इस संघर्ष का आर्थिक प्रभाव सऊदी अरब से बाहर भी पड़ सकता है। पश्चिम एशिया विश्व की ऊर्जा आपूर्ति का प्रमुख केंद्र है। तेल प्रतिष्ठानों और समुद्री मार्गों पर खतरा बढ़ने से अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनिश्चितता पैदा हो सकती है। भारत जैसे बड़े तेल आयातक देश के लिए यह विशेष चिंता का विषय है। भारत की प्राथमिकता अपने नागरिकों की सुरक्षा, सऊदी अरब के साथ सहयोग और क्षेत्रीय शांति की बहाली होनी चाहिए। रियाद की त्रासदी चेतावनी है कि पश्चिम एशिया में सैन्य टकराव अनियंत्रित हुआ तो उसके मानवीय, राजनीतिक और आर्थिक परिणाम पूरे विश्व को प्रभावित करेंगे।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

पैरवी
रितीश उपाध्याय



न्याय की राह में आर्थिक मजबूरी न बने बाधा

न्याय केवल अदालतों के दरवाज़े खुले होने से नहीं मिलता। उसके लिए यह भी जरूरी है कि आम नागरिक अपने अधिकारों को समझते हुए न्यायालय की प्रक्रिया में हिस्सा ले सके और उसे एक सक्षम वकील की सहायता मिल पाए, लेकिन जब वकील की फीस चुकाना ही किसी व्यक्ति के लिए नामुमकिन हो जाए, तो न्याय तक उसकी पहुंच एकदम सीमित हो जाती है। इसी प्रकार की असमानता को दूर करने के लिए भारत के संविधान ने निःशुल्क कानूनी सहायता की व्यवस्था प्रदान की है। लेकिन अहम सवाल यह है कि क्या यह व्यवस्था ज़रूरतमंदों को सिर्फ वकील उपलब्ध करा रही है या सच में आमजन को प्रभावी प्रतिनिधित्व और न्याय दिला पा रही है? अनुच्छेद 39ए के अंतर्गत भारत के संविधान ने राज्य को यह निर्देश दिया है कि कानूनी व्यवस्था समान अवसर के आधार पर न्याय को बढ़ावा दे और आर्थिक या किसी और प्रकार की अक्षमताओं के कारण किसी नागरिक को न्याय से वंचित न होने दिया जाए। यह राज्य के नीति-निर्देशक तत्वों का हिस्सा है। सर्वोच्च न्यायालय ने मुफ्त कानूनी सहायता को निष्पक्ष न्यायिक प्रक्रिया के संवैधानिक सिद्धांत से जोड़ा है, साथ ही न्यायालय ने समय-समय पर यह माना है कि अनुच्छेद 21 के तहत जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार का अर्थ केवल जीवित रहने का अधिकार नहीं, बल्कि कानून के अनुरूप निष्पक्ष प्रक्रिया और न्याय मिलना भी है। हुसैनारा खातून बनाम बिहार राज्य 1979, में सुप्रीम कोर्ट ने लंबे समय से जेलों में बंद कैदियों की स्थिति पर ध्यान दिया और इस फैसले ने यह भी स्पष्ट किया कि गरीब व्यक्ति को मुफ्त कानूनी सहायता न मिलना निष्पक्ष न्याय के रास्ते में गंभीर बाधा है। कानूनी अधिकार तभी सार्थक हैं, जब व्यक्ति उन्हें इस्तेमाल करने की स्थिति में भी हो। लीगल सर्विसेज़ ऑथोरिटी एक्ट, 1987 ने इस संवैधानिक उद्देश्य को लागू करने के लिए राष्ट्रीय, राज्य, जिला और तालुका स्तर पर संस्थागत व्यवस्था बनाई है। इस अधिनियम की धारा 12 के तहत अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के सदस्य, मानव तस्करी या बेगार के पीड़ित, महिलाएं, बच्चे जिनकी उम्र 18 वर्ष से कम है, दिव्यांग व्यक्ति, निर्दिष्ट आपदाओं और हिंसा के पीड़ित, औद्योगिक श्रमिक तथा हिरासत में रखे गए व्यक्ति मुफ्त कानूनी सहायता के पात्र हैं। इन सब के अलावा सामान्य वर्ग के लोग जो निर्धारित आय-सीमा के भीतर आते हैं वो भी सहायता मांग सकते हैं। एनएएलएसए की हेल्पलाइन 15100 और उसकी आधिकारिक वेबसाइट भी जानकारी पाने के माध्यम हैं। सिर्फ वकील मिलना ही काफी नहीं है, कानूनी सहायता की असल परीक्षा अदालत में होती है। उम्मेद देवी बनाम राजस्थान राज्य 2026 के मामले में हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने इसी अंतर को स्पष्टता से रेखांकित किया है। दहेज संबंधी मांग और कथित उत्पीड़न से जुड़े मामले में अपनी बेटी की मृत्यु के संबंध में आरोपित व्यक्तियों की बरी किए जाने के खिलाफ उम्मेद देवी ने अपील की थी। अपील को दाखिल करने में 19 दिन की देरी हुई और उसे माफ कराने के लिए जरूरी आवेदन नहीं लगाया गया था। हाई कोर्ट में उनकी ओर से कोई वकील उपस्थित नहीं हुआ और मामला बंद कर दिया गया। सर्वोच्च न्यायालय ने अपील को स्वीकार करते हुए कहा कि अदालतों को ऐसे कठिनाइयों के प्रति संवेदनशील रहना चाहिए। जहां वकील की अनुपस्थिति या अपर्याप्त सहायता से किसी व्यक्ति का कानूनी अधिकार प्रभावित हो सकता है, वहां अदालत को प्रभावी कानूनी सहायता सुनिश्चित करने पर विचार करना चाहिए। नेशनल लीगल सर्विसेज़ अथॉरिटी (फ्री एंड कॉम्पिटेंट लीगल सर्विसेज) रेगुलेशनस, 2010 में पैनल के वकीलों के चयन और उनके काम की निगरानी के प्रावधान हैं। जरूरत इस बात की है कि इन प्रावधानों को काग़ज़ से निकालकर व्यवहार में लागू किया जाए। नियमित समीक्षा, उचित प्रशिक्षण, मुवक्किलों से संवाद और खराब प्रदर्शन पर जवाबदेही तय करना भी अति आवश्यक है। मुफ्त कानूनी सहायता के समक्ष जागरूकता की कमी, अनुभवी वकीलों तक लोगों की पहुंच नहीं होना, सीमित संसाधन और कमजोर निगरानी जैसी चुनौतियां खड़ी हैं। ग्रामीण क्षेत्रों, वंचित समुदायों और समाज के उस वर्ग तक जिसको इसकी सब से ज़ादा ज़रूरत है, वहां लोगों में इसकी जानकारी नहीं है। न्याय तक पहुंच का अर्थ केवल अदालत में प्रवेश नहीं, बल्कि वहां अपनी बात प्रभावी ढंग से रखने का अवसर भी है। जब तक यह अवसर समाज में उपस्थित हर ज़रूरतमंद व्यक्ति को वास्तविक रूप से नहीं मिलता, समान न्याय का वादा अधूरा रहेगा।

(लेखक सुप्रीम कोर्ट में अधिवक्ता हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

प्रसन्न रहने की शुरुआत घर से हो



संकलित
दर्शन

महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रसन्न रहने की शुरुआत अपने घर से ही होनी चाहिए। हम बाहर तो बहुत खुश रहते हैं, लेकिन घर में अकारण क्रोध से भरे रहते हैं। सभी लोग, खासतौर पर युवा इस बात का ध्यान रखें कि उन्हें घर में भी प्रसन्न रहना है। युवाओं को यह बात याद रहे, इसलिए एक नया मंत्र दे रहा हूं। वे घर और परिवार में भी शांति रखें। कई लोग बाहर से घर में आते ही क्रोधित हो जाते हैं। वे अकारण गुस्सा कर घर वालों को मायूस कर देते हैं। यह हत्या कर देने जैसा अपराध है। मुश्किल यह है कि ये लोग अपनी कमी को मानते भी नहीं। कम से कम वे यह मान लें कि उसमें यह कमी है तो कभी न कभी वह कमी दूर भी की जा सकती है। लंका में कोई मानता ही नहीं था कि वहां कोई रोगी है। परिणाम सबके सामने है। जो माने ही नहीं कि अस्वस्थ है, वह स्वस्थ कैसे हो सकता है? एक और मंत्र याद रखें-छोटी-मोटी बातों को अनदेखा करें। व्यर्थ विवाद में मत उलझें। बात-बात में उलझने की आदत से अशांति ही पैदा होती है। सच्ची प्रसन्नता चाहिए तो इधर-उधर की बातें सुनना ही छोड़ दें। अस्तित्व के संगीत को सुनने की कोशिश करें। याद रखें, जिसे प्रसन्न रहना है, उसे कोई रोक नहीं सकता और जिसे दुखी ही रहना है, उसे कोई प्रसन्न नहीं कर सकता। कुछ लोगों को प्रसन्न रहना ही नहीं है। वे परेशान और दुखी होने के बहाने खोजते रहते हैं। इस आदत को बदलने की कोशिश ईमानदारी के साथ की जानी चाहिए।

घमंड न करें व दूसरों को कमजोर न समझें

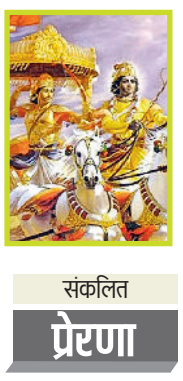

संकलित
प्रेरणा

महाभारत युद्ध में अर्जुन और कर्ण आमने-सामने थे। दोनों दिव्य अस्त्र-शस्त्रों से लड़ रहे थे। जब-जब अर्जुन के तीर कर्ण के रथ पर लग रहे थे तो कर्ण का रथ बहुत पीछे खिसक रहा था। दूसरी ओर जब-जब कर्ण के तीर अर्जुन के रथ पर लगते तो उसका रथ थोड़ा सा ही पीछे खिसकता था। ये देखकर अर्जुन को घमंड हो गया कि उसके बाणों में ज्यादा शक्ति है। अर्जुन ने ये बात श्रीकृष्ण से कही तो भगवान ने कहा कि तुम्हारे बाणों से ज्यादा शक्ति कर्ण के बाणों में है। भगवान की बात सुनकर अर्जुन ने कहा कि ये कैसे संभव है, मेरा रथ तो थोड़ा सा ही पीछे खिसक रहा है। श्रीकृष्ण ने कहा कि तुम्हारे रथ पर मैं स्वयं बैठा हूं, ऊपर ध्वजा पर हनुमान जी विराजित हैं, तुम्हारे रथ के पहिए को शेषनाग ने थाम रखा है। इतना होने के बाद भी कर्ण के बाण ये रथ पीछे खिसक रहा है तो इसका मतलब यही है कि उसके बाणों में ज्यादा शक्ति है। यदि ये न होता तो पता नहीं तुम्हारे रथ की क्या स्थिति होती। ये बात सुनकर अर्जुन को अपनी गलती का अहसास हो गया और उसका घमंड टूट गया। इस कथा में श्रीकृष्ण ने अर्जुन को सीख दी है कि कभी अपनी शक्ति का घमंड न करें और शत्रु को कमजोर न समझें। यथा स्थिति का अच्छा से अवलोकन करे।

अंतर्मन



आज की पाती

सपनों को संकल्प में बदलने की सीख

विद्यार्थी किसी भी देश का भविष्य ही नहीं, उसकी संभावनाओं और प्रगति के सबसे मजबूत आधार भी होते हैं। उनके विचारों में नवीनता, आंखों में सपने और कुछ नया कर गुजरने का उत्साह समाज को आगे बढ़ाने की शक्ति देता है। इसी भावना के साथ भारत में प्रति वर्ष 15 अक्टूबर को विश्व छात्र दिवस मनाया जाता है। यह दिन भारत के पूर्व राष्ट्रपति, महान वैज्ञानिक और युवाओं के प्रेरणास्रोत डा. एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती के कारण विशेष महत्व रखता है। हालांकि, यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि संयुक्त राष्ट्र ने इस दिन को आधिकारिक रूप से विश्व छात्र दिवस घोषित नहीं किया है। इसके बावजूद भारत में यह अवसर विद्यार्थियों को कलाम के विचारों से जोड़ने और शिक्षा के महत्व को रेखांकित करने का माध्यम बन गया है। *- दिलीप श्रीवास्तव, धमतरी*

नोबेल पुरस्कार
डॉ. रविन्द्र ब्रह्मे



अर्थव्यवस्थाओं को स्थिर करने किया बुनियादी मॉडल विकसित

अमेरिकी अर्थशास्त्री रॉबर्ट हॉल और माइकल वुडफोर्ड को 2026 का अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार मिला। उन्हें यह पुरस्कार अर्थव्यवस्थाओं को स्थिर करने के लिए दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों और वित्त मंत्रालयों द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे बुनियादी मॉडल विकसित करने के दशकों के काम के लिए दिया गया। इनकी मदद से हम अर्थव्यवस्था में आने वाले झटकों, जैसे कि ऊर्जा संकट या परिवारों की खपत में अचानक बदलाव, से बेहतर ढंग से निपट सकते हैं। इस साल अर्थशास्त्र के क्षेत्र में सम्मानित रॉबर्ट ई. हॉल और माइकल वुडफोर्ड ने नए वृहद आर्थिक मॉडल विकसित किए हैं, जिनसे प्रभावशाली तरीके से अर्थव्यवस्था में तेजी और मंदी की स्थिति को नियंत्रित करने संबंधी नीतियों को लागू करने की हमारी क्षमता में काफी सुधार हुआ है। इन मॉडलों के आधार पर, सही समय पर राजकोषीय और मौद्रिक नीतियों के उपाय अपनाकर अर्थव्यवस्था में आने वाले उतार-चढ़ाव को कम किया जा सकता है। दोनों अर्थशास्त्रियों ने यह बताया कि कैसे वृहद आर्थिक मॉडल को सूक्ष्म आर्थिक आधारों पर फिर से बनाया जा सकता है-यह दिखाते हुए कि कैसे अलग-अलग परिवार और बिज़नेस बचत और कीमत तय करने के बारे में भविष्य को ध्यान में रखकर फैसले लेते हैं, जिससे सेंट्रल बैंक और सरकारें लोगों की उम्मीदों को बेहतर ढंग से आकार दे सकती हैं और आर्थिक उतार-चढ़ाव को संतुलित कर सकती हैं। विजेताओं के कार्यों से नीति निर्माताओं को तेजी और मंदी से निपटने के लिए बेहतर ढंग से तैयार होने में मदद मिलती है। नए ढांचे ने वैश्विक वित्तीय संकट के बाद नीति निर्माण में सहायता की है। कोलंबिया यूनिवर्सिटी के 70 वर्षीय वुडफोर्ड ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'अधिकारियों को अर्थव्यवस्था में स्थिरता लाने के काम को सिर्फ़ ऐसे काम के तौर पर नहीं देखना चाहिए जिसमें लोग अर्थव्यवस्था को कंट्रोल करने के लिए लीवर खींचते हैं, और इसका अर्थव्यवस्था में मौजूद लोगों की समझ से कोई लेना-देना नहीं होता।'

-प्रोफेसर अर्थशास्त्र, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर

करंट अफेयर

उ. कोरिया ने कई बैलिस्टिक मिसाइलें समुद्र की ओर दागीं

उत्तर कोरिया ने सोमवार को अपने पूर्वी समुद्री क्षेत्र की ओर कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। दक्षिण कोरिया की सेना ने यह जानकारी दी। हाल के दिनों में हथियारों के प्रदर्शन की बढ़ती घटनाओं के बीच इस प्रक्षेपण से तनाव और बढ़ गया है। दोनों देशों के बीच कूटनीतिक बातचीत लंबे समय से ठप है। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने बताया कि ये मिसाइलें उत्तर कोरिया की राजधानी प्योंगयांग के आसपास के क्षेत्र से दागी गईं। उत्तर कोरिया ने हाल के वर्षों में अपने हवाई अड्डे का इस्तेमाल मिसाइलों के प्रक्षेपण के एक प्रमुख केंद्र के रूप में किया है। ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने तत्काल यह स्पष्ट नहीं किया कि कितनी मिसाइलें दागी गईं या उन्होंने कितनी दूरी तय की। जापान के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसने कम से कम दो मिसाइलों का पता लगाया और आकलन किया कि ये मिसाइलें जापान के विशेष आर्थिक क्षेत्र के बाहर समुद्र में गिरीं। यह प्रक्षेपण दक्षिण कोरिया द्वारा शुक्रवार को अपने देश में विकसित पहली हाइपरसोनिक मिसाइल का उड़ान परीक्षण किए जाने के कुछ दिनों बाद हुआ। इस हथियार को ध्वनि की गति से कम से कम पांच गुना तेज उड़ान भरने और मिसाइल रक्षा प्रणालियों को चकमा देने के लिए तैयार किया गया है।



ऑफ बीट

केवल एक परमाणु पक्षी का रंग बदल सकता है

पूरे जंतु जगत में पक्षी सबसे रंगीन जीवों में से एक हैं। लेकिन इतने सारे रंगों वाले पक्षी अलग अलग कैसे होते हैं? चमकीले लाल, नारंगी और पीले पंख या चोंच वाले लगभग सभी पक्षी अपने रंग उत्पन्न करने के लिए कैरोटीनॉयड नामक पिगमेंट के समूह का उपयोग करते हैं। लेकिन, ये पक्षी सीधे तौर पर कैरोटीनॉयड नहीं बना सकते। उन्हें अपने आहार में पौधों से ये तत्व प्राप्त करने होते हैं। तोते इस नियम के अपवाद हैं, जिन्होंने रंगीन रंगद्रव्य बनाने का एक बिल्कुल नया तरीका विकसित किया है, जिसे 'सिटाकोफल्विन'' कहते हैं। वैज्ञानिकों को इन विभिन्न रंगों के बारे में कुछ समय से जानकारी है, लेकिन पक्षियों द्वारा रंग में भिन्नता लाने के लिए इनका उपयोग करने के पीछे के जैव-रासायनिक और आनुवंशिकी आधार को लेकर उनकी समझ अभी सीमित है। हालांकि, तोते और 'फिंच' (रंग बिरंगी छोटी चिड़ियों की प्रजाति) के बारे में हाल ही में किए गए दो अलग-अलग अध्ययनों ने इस रहस्य पर महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की है। एक अध्ययन 'करेंट बायोलॉजी' में प्रकाशित हुआ है जिसका नेतृत्व हममें से एक (डैनियल हूपर) ने किया था। दूसरे अध्ययन का नेतृत्व पुर्तगाली जीवविज्ञानी रॉबर्टो अबोरे ने किया और उसे 'साइंस' पत्रिका में प्रकाशित किया गया।



अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से hbcgpati@gmail.com पर भेज सकते हैं।

लोकसभा नेता प्रतिपक्ष पर भड़के भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी

राहुल गांधी सुप्रीम कोर्ट को 'प्रभावित' और 'डराने धमकाने' की कोशिश कर रहे, यह बेहद शर्मनाक

सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि राहुल गांधी सुरक्षा घेरा तोड़कर दूसरी तरफ भाग गए और दूसरे गेट से अंदर घुसने की कोशिश की। उन्होंने इसे मानसिक संतुलन खोने या किसी 'संदिग्ध ताकतों' के प्रभाव में होने का सबूत बताया, ऐसा लगता है कि वे भारत में अव्यवस्था फैलाने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं



एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भाजपा राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी भारी भीड़ के साथ सुप्रीम कोर्ट पहुंचे, जैसे वे सर्वोच्च न्यायालय को प्रभावित और डराने-धमकाने की कोशिश कर रहे हों। उन्होंने इस घटना को शर्मनाक और अभूतपूर्व बताया और कहा कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी देश को अराजकता की आग में झोंकने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि मुझे नहीं लगता कि किसी विपक्षी नेता ने पहले कभी ऐसा कुछ किया है। वे कथित तौर पर सुरक्षा घेरा तोड़कर दूसरी तरफ भाग गए और दूसरे गेट से अंदर घुसने की कोशिश की। उन्होंने इसे मानसिक संतुलन खोने या किसी 'संदिग्ध ताकतों' के प्रभाव में होने का सबूत बताया, जिससे ऐसा लगता है कि वे भारत की सड़कों पर अव्यवस्था फैलाने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं। कांग्रेस पार्टी और विपक्ष के नेता राहुल गांधी भारत की संवैधानिक संस्थाओं और भारत के संविधान के लिए सबसे बड़ा ख़तरा बन गए हैं।

देश को अराजकता की आग में झोंकने की प्रयास हो रहा

कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी भारत के संविधान के लिए सबसे बड़ा खतरा बन गए हैं


नई दिल्ली के बाराखंभा रोड पर विरोध प्रदर्शन के दौरान जुटा अपार जनसमूह

अब कांग्रेस मुख्य न्यायाधीश का इस्तीफा मांग रही

त्रिवेदी ने आरोप लगाया कि केरल में कांग्रेस-मुस्लिम लीग गठबंधन सरकार ने कांग्रेस की राज्य इकाई के माध्यम से 'एक्स' पर कहा कि अगर मुख्य न्यायाधीश कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सक्षम नहीं हैं तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए, और उनकी जगह किसी नए व्यक्ति को नियुक्त किया जाएगा। उन्होंने कहा कि देशवासियों को यह समझना चाहिए कि कानून-व्यवस्था असल में अदालत का मामला नहीं है। इससे साफ़ पता चलता है कि उनका इरादा क्या था: पहले वे चाहते थे कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार इस्तीफ़ा दें, फिर गृह मंत्री अमित शाह, फिर प्रधानमंत्री मोदी, और अब वे चाहते हैं कि मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत इस्तीफ़ा दें।

ज्ञानेश का इस्तीफा मुख्य मांग: टीएमसी



इंडिया ब्लॉक में शामिल ममता बेनर्जी ने कहा कि सरकार इतनी डरी हुई है कि उसने आम लोगों के लिए ट्रेनें भी रोक दी हैं। आप समझ सकते हैं कि लोगों को कितनी परेशानी हुई होगी। ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा हमारी मुख्य मांग है।

सीईसी की नियुक्ति से जुड़ा कानून रद्द हो: औवेसी



एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने सीईसी और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से जुड़े कानून को रद्द करने की मांग की। नियुक्ति प्रक्रिया में पीएम और विपक्ष के नेता के साथ भारत के मुख्य न्यायाधीश को भी शामिल करना चाहिए। कानून में सीईसी और चुनाव आयुक्तों को सेवानिवृत्ति के बाद कानूनी सुरक्षा देने वाले इस कानून को रद्द करना चाहिए।

लोकतंत्र बचाना हमारी जिम्मेदारी: सपा



समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि आंदोलन और धरना-प्रदर्शन जारी रहेंगे। लोकतंत्र को बचाना हमारी जिम्मेदारी है। भाजपा को हटाने पर ही देश बचेगा। भाजपा को हटाने पर ही लोकतंत्र बचेगा। भाजपा चुनाव आयोग के साथ मिलकर संविधान और लोकतंत्र को नष्ट करना चाहती है। वह हमेशा सत्ता में बने रहना चाहती है। वे फर्जी मतदाता सूचियां बनाते हैं, फर्जी वोट डलवाते हैं और चुनावी नतीजों में हेरफेर करते हैं। हम उपलब्ध सभी कानूनी और व्यावहारिक तरीकों को अपनाएंगे। सरकार को हमारी बात सुननी चाहिए और चुनाव आयोग को हटाना चाहिए।

भाजपा के लिए सब कुछ 'डेमोकुर्सी' का मामला: कांग्रेस



कांग्रेस महासचिव और संचार प्रभारी जयराम रमेश ने जंतर-मंतर को प्रदर्शन स्थल की सूची से हटाए जाने को लेकर पीएम नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधा। पार्टी ने आरोप लगाया कि अब उनके लिए लोकतंत्र का कोई महत्व नहीं रह गया है और उनके लिए सब कुछ 'डेमोकुर्सी' यानी सत्ता की कुर्सी का मामला बनकर रह गया है। यह पीएम और गृह मंत्री की जोड़ी में व्याप्त 'अत्यधिक घबराहट' का स्पष्ट संकेत है। उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक जंतर-मंतर अब वह स्थान नहीं रहेगा, जहां लोकतंत्र को रोजाना मजबूती देने वाली खुराक मिलती थी।

वकीलों ने भी दिया साथ


राज्यसभा सासंद अभिषेक मनु सिंघवी के साथ कई वकील भी विरोध मार्च में शामिल हुए

विरोध मार्च से पहले की बैठक


दिल्ली में विरोध मार्च से पहले इंडिया ब्लॉक के नेताओं ने संविधान क्लब में एक बैठक की


विरोध प्रदर्शन मार्च में नेहा बोरा और योगेंद्र यादव भी शामिल हुए

खबर संक्षेप

स्कूल वैन की टक्कर से 3 चचेरे भाइयों की मौत

बदायूं। यूपी के बदायूं जिले में सोमवार को तेज रफ्तार स्कूल वैन की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार तीन चचेरे भाइयों की मौत हो गई, जबकि उनका एक दोस्त गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक का हाल ही में अग्निवीर भर्ती के लिए चयन हुआ था। पुलिस के मुताबिक, यह हादसा अपराह्न करीब ढाई बजे बिसौली कोतवाली क्षेत्र में हुआ।



पूर्व सीएम केजरीवाल पर एफआईआर दर्ज

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल समेत आप नेताओं और विधायकों के खिलाफ दिल्ली सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी की शिकायत पर एफआईआर दर्ज की है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि गुरुद्वारा बंगला साहिब परिसर में हंगामा किया गया और उसके बाद गुमराह करने वाले वीडियो और सोशल मीडिया पोस्ट फैलाए गए।



8वें वेतन आयोग की दशहरे के बाद तुरंत होगी बड़ी बैठक

49 लाख केंद्रीय कर्मचारियों और 68 लाख से अधिक पेंशनभोगियों को मिलेगा फायदा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

आठवें वेतन आयोग के पास रिपोर्ट तैयार कर उसे सौंपने के लिए अब बस कुछ ही महीने बचे हैं। 3 नवंबर 2025 इसकी समय-सीमा शुरू हुई थी। फिलहाल बैठकों का दौर जारी है। 8वां केंद्रीय वेतन आयोग (सीपीसी) अभी सलाह-मशविरे के दौर में है।

सुप्रीम कोर्ट की रिटायर्ड जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता वाला यह आयोग फिलहाल विभिन्न कर्मचारी यूनियनों, प्रतिनिधियों, समूहों, पेंशनभोगी संघों, फेडरेशनों और अन्य संबंधित पक्षों के साथ बैठकें कर रहा है। इससे पहले आयोग कई राज्यों का दौरा कर चुका है। अभी हाल ही में बेंगलुरु में भी बैठक हुई थी। अब दशहरे के तुरंत बाद एक और बड़ी बैठक होने वाली है, जिसमें कई बड़े मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है।

आयोग के पास रिपोर्ट सौंपने के लिए मई, 2027 तक का समय



भले ही आठवें वेतन आयोग को 1 जनवरी 2026 से ही लागू माना जा रहा है, लेकिन आयोग द्वारा रिपोर्ट तैयार कर इसे सरकार को सौंपना बाकी है। इसके बाद इसे सरकारी मंजूरी मिलने के बाद ही बढ़ा हुआ पैसा कर्मचारियों के बैंक अकाउंट में आएगा। चूंकि आयोग के गठन के बाद इसे अपनी रिपोर्ट तैयार करनेके लिए मई, 2027 तक का समय दिया गया था। माना जा रहा है कि अगले साल के आखिर तक यह पूरी तरह से लागू होगा। रिपोर्ट सौंपने के बाद केंद्रीय वित्त मंत्रालय और मंत्रियों का एक विशेष समूह इन सिफारिशों का बारीकी से अध्ययन करेगा। इसमें यह देखा जाएगा कि वेतन और पेंशन में प्रस्तावित बढ़ोतरी से देश के खजाने पर कितना बोझ पड़ेगा और किन-किन बदलावों को मंजूरी दी जा सकती है और किन्हें नहीं। समीक्षा पूरी होने के बाद इसे केंद्रीय मंत्रिमंडल के पास भेजा जाता है।

कैबिनेट से मिलेगी मंजूरी

कैबिनेट से हरी झंडी मिलने पर सरकार आधिकारिक गजट नोटिफिकेशन जारी करती है। फिर जाकर विभाग नई सैलरी का कैलकुलेशन शुरू करते हैं। इस पूरे प्रॉसेस में 3-6 महीने का वक्त और लग सकता है।

हर 10 साल में वेतन आयोग का गठन होता है

समय के साथ बढ़ती महंगाई और बदलती अर्थव्यवस्था को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार हर 10 साल में अपने कर्मचारियों के भत्ते, वेतन और पेंशन में बदलाव के लिए वेतन आयोग या सीपीसी का गठन करती है। हालांकि, सरकार हर 6 महीने में महंगाई भत्ता (डीए) बढ़ाती है, लेकिन एक समय बाद सिर्फ डीए बढ़ाने भर से काम नहीं चलता। सरकारी कर्मचारियों के जीवन स्तर में सुधार के लिए बेसिक सैलरी में भी बदलाव की जरूरत पड़ती है। कुल मिलाकर नए वेतन आयोग के लागू होने से केंद्र सरकार के करीब 49 लाख कर्मचारियों और 68 लाख से अधिक पेंशनभोगियों को फायदा होगा।

22-23 अक्टूबर को मुंबई में होगी बैठक

8वां वेतन आयोग 22-23 अक्टूबर (गुरुवार-शुक्रवार) को मुंबई का दौरा करेगा। इससे पहले दिल्ली में 8वें वेतन आयोग की मीटिंग 7 और 10 अगस्त को हुई थी। जयपुर में 31 अगस्त और 1 सितंबर को मीटिंग हुई। उसके बाद चेन्नई में 7-8 सितंबर को, पुडुचेरी में 9 सितंबर को और चंडीगढ़ में 16 से 18 सितंबर तक मीटिंग हुई। हाल ही में बेंगलुरु में 7 और 8 अक्टूबर को मीटिंग हुई।

8वें वेतनमान देने वाला पहला राज्य बना असम: बिस्वा

असम के सीएम मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने एक्स पर 11 अक्तूबर को गुवाहाटी में हुए एक सरकारी कार्यक्रम के दौरान का वीडियो शेयर किया है, इस वीडियो के साथ कैप्शन में उन्होंने लिखा कि असम देश का पहला राज्य बन जाएगा जो 8वां राज्य वेतन आयोग गठित करेगा। ये कदम कर्मचारियों के कल्याण और प्रगतिशील शासन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

पंजाब सरकार को सुप्रीम कोर्ट से राहत

एफआईआर होगी दर्ज, लेकिन दंडात्मक कार्रवाई पर लगी रोक



एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को निर्देश दिया कि सीबीआई पंजाब सरकार से जुड़े लोगों के खिलाफ कोई सख्त कार्रवाई न करे। सीबीआई राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच कर रही है। यह आदेश पंजाब सरकार की उस याचिका पर आया है जिसमें हाई कोर्ट के उस निर्देश पर रोक लगाने की मांग की गई थी। जस्टिस एमएम सुंदेश और पीबी वराले की बेंच ने केंद्र, सीबीआई, ईडी और अन्य को नोटिस जारी किया। बेंच ने कहा कि हम एफआईआर पर रोक नहीं लगा रहे हैं। हम कह रहे हैं कि कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जानी चाहिए। पंजाब सरकार की ओर से सीनियर वकील विकास सिंह और सिद्धार्थ लूथरा पेश हुए।

आरोपों की स्वतंत्र जांच हो: याचिकाकर्ता

याचिकाकर्ता ने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से आम आदमी पार्टी (आप) सरकार को सूचना भेजे जाने के बावजूद अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। यह तर्क दिया गया कि इन आरोपों की स्वतंत्र जांच होनी चाहिए क्योंकि इनसे राज्य सरकार के कामकाज पर गंभीर सवाल उठते हैं। हाई कोर्ट ने पंजाब पुलिस और सरकार को यह भी निर्देश दिया कि इस मामले से जुड़े सभी दस्तावेज सीबीआई को सौंप दिए जाएं। हाई कोर्ट के फैसले को कई आधारों पर चुनौती देते हुए पंजाब सरकार ने कहा कि फैसले में कई कमियां हैं। सरकार का कहना है कि कोर्ट ने पीएमएलए की धारा 66(2) के तहत दी गई जानकारी को एक ऐसे निर्देश के तौर पर लिया जिससे केस दर्ज करना अनिवार्य हो जाता है, जो सुप्रीम कोर्ट के 2022 के फैसले के खिलाफ है। हाई कोर्ट का फैसला सरकारी कर्मचारियों की ओर से ट्रांसफर, टेंडर और पॉलिसी से जुड़े फैसलों पर एफआईआर दर्ज करने का निर्देश देता है।

मरीजों को बिलिंग संबंधी विवादों से बचाने के लिए केंद्र की महत्वपूर्ण पहल

अस्पतालों में इलाज और सुविधाओं की दरें प्रमुखता से प्रदर्शित करना अनिवार्य करने की तैयारी, केंद्र ने राज्यों को लिखा पत्र

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

अस्पतालों में इलाज, जांच और अन्य चिकित्सा सुविधाओं के शुल्क को लेकर पारदर्शिता बढ़ाने तथा मरीजों को बिलिंग संबंधी विवादों से बचाने के लिए केंद्र सरकार ने महत्वपूर्ण पहल की है। केंद्र ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेंट्स (नैदानिक प्रतिष्ठानों) में उपलब्ध सेवाओं और सुविधाओं की दरें प्रमुखता से प्रदर्शित कराने को कहा है। इसका उद्देश्य मरीजों और उनके परिजनों को इलाज की संभावित लागत की पहले से जानकारी देना, सोच-समझकर अस्पताल और उपचार का चयन करने में मदद करना तथा स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति भरोसा मजबूत करना है। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने इस संबंध में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को पत्र लिखा है। पत्र में स्वास्थ्य सेवाओं की कीमतों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और संबंधित नियामकीय प्रावधानों के अनुपालन की समीक्षा करने पर जोर दिया गया है। केंद्र ने राज्यों से यह सुनिश्चित करने को कहा है कि अस्पतालों में चिकित्सा सेवाओं के शुल्क की जानकारी ऐसी जगह प्रदर्शित की जाए, जहां मरीज और उनके साथ आने वाले लोग उसे आसानी से देख और समझ सकें।

इलाज का खर्च जानने में मिलेगी मदद

अस्पतालों में इलाज शुरू होने के बाद कई बार मरीजों और उनके परिजनों को जांच, परामर्श, प्रक्रियाओं, अस्पताल में भर्ती रहने और अन्य सुविधाओं के वास्तविक खर्च का स्पष्ट अनुमान नहीं मिल पाता। उपचार के दौरान बिल में विभिन्न मदों के जुड़ने से कई बार मरीजों और अस्पताल प्रबंधन के बीच विवाद की स्थिति भी पैदा होती है। केंद्र सरकार की इस पहल का उद्देश्य ऐसी समस्याओं को कम करना है। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव ने अपने पत्र में रेखांकित किया है कि यदि चिकित्सा सेवाओं की दरें स्पष्ट और प्रमुखता से प्रदर्शित होंगी तो मरीज तथा उनके परिजन उपचार पर होने वाले संभावित खर्च को समझ सकेंगे। इससे उन्हें अपनी आर्थिक स्थिति के अनुरूप चिकित्सा संबंधी निर्णय लेने और इलाज के लिए बजट की योजना बनाने में सुविधा होगी। साथ ही, अस्पतालों में उपलब्ध सेवाओं और उन पर लगने वाले शुल्क के बारे में पहले से जानकारी मिलने से अनावश्यक भ्रम और गलतफहमी की आशंका भी कम हो सकती है।

नियमों के अनुपालन की समीक्षा करेंगे राज्य

केंद्र ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से लागू नियामकीय प्रावधानों के तहत अस्पतालों के अनुपालन की समीक्षा करने को कहा है। इसके साथ ही शुल्क संबंधी जानकारी को स्पष्ट, सुलभ और मरीजों की नजर में आने वाली जगहों पर उपलब्ध कराने के लिए उचित कदम उठाने का आग्रह किया गया है। इस पहल का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि केवल दरों की सूची उपलब्ध कराना पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि मरीजों और उनके परिजनों के लिए उसे आसानी से देख पाना और समझ पाना भी जरूरी है। शुल्क की जानकारी स्पष्ट होने से अस्पताल में भर्ती होने से पहले उपचार की संभावित लागत का आकलन करना आसान हो सकता है। इससे मरीजों को उपलब्ध विकल्पों पर विचार करने और उपचार संबंधी निर्णय अधिक जानकारी के साथ लेने में मदद मिलेगी।

विदेशी मरीजों के लिए भी पैकेज दरें प्रदर्शित करने पर जोर

केंद्र सरकार ने भारत में चिकित्सा और आयुष वीजा पर उपचार के लिए आने वाले विदेशी मरीजों के लिए भी पारदर्शी दर व्यवस्था पर विशेष जोर दिया है। राज्यों से ऐसे अंतरराष्ट्रीय मरीजों के लिए उपचार पैकेज की दरें स्पष्ट रूप से प्रदर्शित कराने की दिशा में कदम उठाने को कहा गया है। भारत में आधुनिक चिकित्सा के साथ आयुर्वेद, योग और अन्य आयुष पद्धतियों से उपचार के लिए भी विदेशी मरीज आते हैं। ऐसे मरीजों के लिए उपचार की लागत, उपलब्ध सुविधाओं और पैकेज में शामिल सेवाओं की स्पष्ट जानकारी महत्वपूर्ण होती है। केंद्र का मानना है कि पैकेज दरों के पारदर्शी प्रदर्शन से विदेशी मरीज विभिन्न विकल्पों की तुलना कर सकेंगे और अपनी जरूरतों के अनुरूप निर्णय ले पाएंगे।इससे कीमतों और बिलिंग को लेकर शिकायतों को कम करने में भी मदद मिल सकती है। साथ ही, भारत को चिकित्सा और आयुष उपचार के एक भरोसेमंद अंतरराष्ट्रीय केंद्र के रूप में स्थापित करने के प्रयासों को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

स्वास्थ्य सेवाओं में जवाबदेही बढ़ाने की पहल

केंद्र सरकार की इस पहल को मरीज-केंद्रित स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक कदम माना जा रहा है। स्वास्थ्य सेवाओं में पारदर्शिता केवल उपचार की गुणवत्ता तक सीमित नहीं है, बल्कि मरीज को उपचार की लागत और उपलब्ध सुविधाओं की सही जानकारी देना भी इसका महत्वपूर्ण हिस्सा है।अस्पतालों में शुल्क का स्पष्ट प्रदर्शन होने से मरीजों और चिकित्सा संस्थानों के बीच जानकारी का अंतर कम हो सकता है। इससे मरीजों को उपचार के आर्थिक पहलुओं को समझने, अस्पताल प्रबंधन से आवश्यक जानकारी मांगने और बिल में शामिल मदों के बारे में सवाल पूछने में सहूलियत होगी। केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और मरीजों की जरूरतों के प्रति संवेदनशील बनाना उसकी प्राथमिकताओं में शामिल है। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से अपेक्षा की गई है कि वे संबंधित नियमों के अनुपालन की समीक्षा कर आवश्यक कदम उठाएं, ताकि चिकित्सा सेवाओं के शुल्क की स्पष्ट जानकारी मरीजों को आसानी से मिल सके।

अब राज्यों की कार्रवाई पर नजर

केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव के पत्र के बाद अब राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की ओर से उठाए जाने वाले कदम महत्वपूर्ण होंगे। शुल्क प्रदर्शन की मौजूदा व्यवस्था की समीक्षा, अस्पतालों में दर सूची की उपलब्धता और उसकी दृश्यता सुनिश्चित करना इस पहल के प्रभावी क्रियान्वयन के प्रमुख पहलू होंगे। हालांकि, केंद्र की इस अपील के बाद राज्यों में अनुपालन की स्थिति और कार्रवाई का विवरण सामने आने पर ही इसके वास्तविक प्रभाव का आकलन किया जा सकेगा। यदि शुल्क संबंधी जानकारी स्पष्ट और आसानी से उपलब्ध होती है तो इससे मरीजों को इलाज के खर्च की बेहतर समझ मिलेगी, बिलिंग संबंधी विवादों को कम करने में मदद मिल सकती है और स्वास्थ्य सेवाओं में पारदर्शिता तथा विश्वास को बढ़ावा मिलेगा।

उत्तर रेलवे
ई–निविदा सूचना
निविदा संख्या: 35-क.वि.-नई दिल्ली-2026-27 दिनांक : 12.10.2026
वरिष्ठ मंडल वि. अभि./क.वि., डी.आर.एम. ऑफिस, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्न कार्य हेतु खुली निविदायें आमंत्रित करते हैं।

1	कार्य का नाम व स्थान	भाग–F: DLI डिवीजन के GHH/TSS की बढ़ती लोड जरूरतों को पूरा करने के लिए मौजूदा OHE क्षमता को बढ़ाने हेतु फीडर वायर की व्यवस्था।
2	अनुमानित लागत	रु. 14,75,17,157.71/-
3	बयाना राशि	रु. 29,50,400/-
4	प्री–बिड कॉन्फ्रेंस की तारीख और समय	21.10.2026 (11:00 बजे)
5	ई–निविदा ऑनलाइन जमा करने की अवधि	23.10.2026 (00:00 बजे) से 06.11.2026 (15:00 बजे तक)
6	ई–निविदा समापन की अंतिम तथा ई–निविदा खुलने की तारीख और समय	06.11.2026 (15:00 बजे)
7	वेबसाइट विवरण जहां निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है	www.ireps.gov.in

3541/26
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कार्यालय, नगर पंचायत धरमजयगढ़ जिला - रायगढ़ (छ.ग.)
क्र. 859 / लो.नि.वि/न.पं./2026-27 धरमजयगढ़ दिनांक 12/10/2026
।। ई-प्रोक्योरमेन्ट निविदा आमंत्रण सूचना ।।
नगर पंचायत, धरमजयगढ़, रायगढ़ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	सि.नि.क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत राशि रू. (लाख में)	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि
1	201412 (2nd call)	Construction of Sports Complex (At Ward No. 09 Deepnagar)	RS. 234.00 (SOR 231.20 + NON SOR 2.80)	27.10.2026
2	201420 (2nd call)	NEHRU GARDEN EXTENSION AND RENOVATION (AT WARD NO. 10 NARAITIKRA)	RS. 195.74 (SOR 183.45 + NON SOR 12.29)	27.10.2026

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेन्ट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in & www.cguad.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।
मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत धरमजयगढ़
जिला - रायगढ़ (छ.ग.)

यूरोप में नियमों के कारण विनिर्माण प्रतिस्पर्धी नहीं

सभी कंपनियां भारत में विनिर्माण करना पसंद करेगी

यूरोप में प्रतिस्पर्धी बने रहना काफी मुश्किल

वाणिज्य मंत्री गोयल ने कहा, भारत बनेगा वैश्विक केंद्र

यूरोप की कार कंपनियां भारत में विनिर्माण को देंगी प्राथमिकता

भारतीय कामगारों की मांग जर्मनी और जापान में

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जर्मनी और जापान जैसे देशों में भारतीय कामगारों की मांग है। भारत के निर्यात के बारे में गोयल ने कहा कि मंत्रालय चालू वित्त वर्ष में वस्तुओं और सेवाओं का कुल एक लाख करोड़ डॉलर का निर्यात हासिल करने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि निर्यात और आयात, दोनों बढ़ रहे हैं। इससे घरेलू उद्योग और अंतरराष्ट्रीय निवेशकों को प्रोत्साहन मिलता है।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि यूरोप के नियमों के कारण वहां वाहनों का विनिर्माण प्रतिस्पर्धी नहीं रह जाएगा और ऐसे में यूरोप की सभी कार कंपनियां भारत में विनिर्माण करना पसंद करेंगी। गोयल ने कहा कि भारत वैश्विक कार विनिर्माण केंद्र बनने जा रहा है।

यहां 'दिल्ली डायलॉग' कार्यक्रम में उन्होंने कहा, ''आखिरकार भारत कार विनिर्माण का वैश्विक केंद्र बनने जा रहा है। सभी कंपनियां भारत आएंगी और यहां विनिर्माण करेंगी। यूरोप में इतने अव्यावहारिक नियम हैं कि वहां प्रतिस्पर्धी बने रहना असंभव हो जाएगा। सभी यूरोपीय विनिर्माता भारत आएंगे।''





ब्रिटेन के साथ समझौता 15 जुलाई से हुआ लागू

भारत ने मुक्त व्यापार समझौतों के तहत ब्रिटेन और यूरोपीय संघ (ईयू) को कोटा आधारित शुल्क रियायतें दी हैं। ब्रिटेन के साथ समझौता 15 जुलाई से लागू हो गया था, जबकि यूरोपीय संघ के साथ समझौते पर इस साल के अंत तक हस्ताक्षर होने की संभावना है।

ईयू की कार्बन सीमा को लेकर जताई चिंता

मंत्री ने यूरोपीय संघ के किसी नियम का विस्तार से उल्लेख नहीं किया। हालांकि, भारत और कुछ अन्य देशों ने ईयू की कार्बन सीमा समायोजन व्यवस्था (सीबीएएम) को लेकर चिंता जताई है। गोयल ने कहा कि जैसे-जैसे भारतीय बाजार में मांग का स्तर विनिर्माण को व्यावहारिक रूप से संभव बनाने लायक होगा, वैसे-वैसे अंतरराष्ट्रीय वाहन कंपनियां भारत में अधिक विनिर्माण करेंगी।

आयात के लिए महंगी कारों को शामिल किया गया

ब्रिटेन और यूरोपीय संघ (ईयू) से कारों के आयात के लिए तय कोटा का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इसके तहत मुख्य रूप से महंगी कारों को शामिल किया गया है, जबकि कम कीमत वाली कार का खंड को अभी नहीं खोला गया है। शुरुआत में भारतीय बाजार की संभावनाएं परखने के बाद पुणे में विनिर्माण संयंत्र स्थापित किए।

टाटा जगुआर खरीदने के बाद मुश्किल में पड़ गई थी

गोयल ने कहा, ''मुझे नहीं पता कि आप इस बारे में जानते हैं या नहीं। टाटा को जगुआर खरीदने के बाद काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा था। टाटा मोटर्स खुद भी बंद होने की कगार पर पहुंच गई थी। इसके बाद कंपनी ने बड़े पैमाने पर इंजीनियरिंग में बदलाव किए और कुछ मॉडल भारत में बनाने शुरू किए... कई साल बाद आखिरकार वह मुनाफा कमाने में सफल हुई।''

सेबी ने विज्ञापन संहिता अधिसूचित की

अब खास वित्तीय उत्पादों का नहीं होगा प्रचार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

बाजार नियामक सेबी ने शेयर ब्रोकर, समाशोधन निगम समेत वित्तीय बाजार मध्यस्थों के लिए साझा विज्ञापन संहिता अधिसूचित की है।

इसके तहत इन इकाइयों को अपने ब्रांड या कंपनी के स्तर पर प्रचार के लिए जानी-मानी हस्तियों को शामिल करने की अनुमति दी गई है, लेकिन किसी खास वित्तीय उत्पाद या सेवा का समर्थन करने पर रोक लगाई गई है। साझा विज्ञापन संहिता शेयर ब्रोकर, डिपॉजिटरी प्रतिभागियों, निवेश सलाहकारों, शोध विश्लेषकों, ऑनलाइन बॉण्ड मंच संचालकों, पोर्टफोलियो प्रबंधकों और म्यूचुअल फंड तथा परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियों पर लागू होगी।



प्रचार-प्रसार का दावा नहीं किया जा सकेगा : सेबी ने आठ अक्टूबर की अधिसूचना में कहा, ''हस्तियों को बाजार मध्यस्थों के ब्रांड या इकाई के स्तर पर प्रचार करने की अनुमति होगी। इस तरह के प्रचार में विनियमित इकाई द्वारा दी जाने वाली सेवाओं या उत्पादों के नाम शामिल हो सकते हैं, लेकिन किसी खास उत्पाद या सेवा के बारे में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्रचार-प्रसार या दावा नहीं किया जा सकेगा।''

विज्ञापन से पहले हस्ती से अनुमति लेनी होगी : सेबी ने कहा कि किसी हस्ती को शामिल करने वाले विज्ञापन के लिए संबंधित पर्यवेक्षी निकाय से पहले मंजूरी लेनी होगी। यदि किसी संबंधित इकाई के लिए ऐसा कोई निकाय निर्धारित नहीं है, तो सेबी से पूर्व अनुमति लेनी होगी। प्रचार पर होने वाले खर्च का बोझ ग्राहकों पर नहीं डाला जाएगा और न ही इसे म्यूचुअल फंड योजना से वसूला जाएगा।

1000 टन से ज्यादा सोना खरीदा

चीन बना रहा डॉलर को टक्कर देने का प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन इन दिनों सोने की खरीद पर जमकर पैसा खर्च कर रहा है। 2026 के पहले 8 महीनों में ही चीन ने 1,000 टन से ज्यादा सोना आयात किया। इस पर चीन ने रिकॉर्ड 158.8 अरब डॉलर खर्च किए। भारतीय रुपए में यह रकम 15 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा है। चीन ने पूरे 2025 में 886 टन सोना आयात किया था, लेकिन इस साल वह आठ महीनों में ही पिछले साल का आंकड़ा पार कर चुका है। इतना ही नहीं, चीन का सेंट्रल बैंक लगातार 23 महीने से सोने का रिजर्व बढ़ा रहा है। सितंबर 2026 में उसने करीब 23 टन सोना खरीदा, जो लगभग तीन साल में उसकी सबसे बड़ी मासिक खरीद बताई गई है। चीन की इस खरीद के पीछे सिर्फ सोने की कीमतों से मुनाफा कमाने की सोच नहीं है।



वह अमेरिकी डॉलर और अमेरिकी सरकारी बांड पर अपनी निर्भरता घटाना चाहता है। दूसरी ओर, चीन की कमजोर प्रॉपर्टी मार्केट, शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव और बैंक जमा पर कम रिटर्न के कारण आम लोग भी सोने को निवेश के ऑप्शन के तौर पर देख रहे हैं। अब चीन के सोने के भंडार को लेकर एक और बड़ी चर्चा शुरू हो गई है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक, चीन दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा आधिकारिक गोल्ड होल्डर देश है।

रुपया 96 पैसे की छलांग के साथ 95.75 प्रति डॉलर

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से घरेलू मुद्रा को मजबूती देने के लिए सप्ताहांत में कई कदम उठाए जाने के बाद रुपया सोमवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 96 पैसे मजबूत होकर 95.75 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर रहा। छह महीने से अधिक समय में रुपये की यह एक दिन की सबसे बड़ी बढ़त है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि आरबीआई के उपायों से निकट अवधि में रुपये को बल मिल सकता है। इन उपायों से हाजिर बाजार में डॉलर की मांग घटने और विदेशी मुद्रा बाजार में रुपये के खिलाफ बड़े दांव लगाने पर अंकुश लगने की उम्मीद है।

ज्योतिष
कहते नहीं करके दिखाते है
सभी समस्याओं का समाधान
जैसा चाहोगे करके दूंगा
कारोबार, प्यार में परेशानी, दुश्मन से छुटकारा, गृहक्लेश, पति-पत्नी के झगड़े, लव मैरिज, प्रोपटी, कोर्ट केस, किया कराया, जादू टोना, मनचाही इच्छा
A to Z समस्या का समाधान
स्पेशलिस्टः मनचाहा प्यार, प्रेम-विवाह
पंडित पी. के. शास्त्री
हमारे किये हुए काम को कोई ज्योतिष, पंडित या मौलवी काट दे तो उसे मुंह मांगा ईनाम।
काम ना होने पर पैसे वापस
+91 99974 92579

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्प्ले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

कच्चे तेल के दाम चढ़ने से सेंसेक्स 548 अंक टूटा

एजेंसी ▶▶ मुंबई

कच्चे तेल के दाम में तेजी तथा विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली के दबाव से घरेलू शेयर बाजार सोमवार को नुकसान में रहे। मानक सूचकांक बीएसई सेंसेक्स करीब 548 अंक टूटा जबकि एनएसई निफ्टी में 157 अंक की गिरावट आई।

विश्लेषकों के अनुसार, अमेरिका में बॉण्ड प्रतिफल में वृद्धि से भी निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। तीस शेयर पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 547.65 अंक यानी 0.76 प्रतिशत की गिरावट के साथ 71,924.68 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 796.23 अंक तक टूट गया था। निफ्टी भी 157.10 अंक नुकसान के साथ 22,363.35 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से आईटीसी, टेक महिंद्रा, हिंदुस्तान यूनिलीवर, लार्सन एंड टुब्रो, भारतीय स्टेट बैंक और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के शेयर में सबसे अधिक गिरावट रही। वहीं, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, कोटक महिंद्रा बैंक और एचसीएल टेक के शेयर लाभ में रहे। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लि. के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''भारतीय बाजार शुरुआती बढ़त बरकरार रखने में विफल रहे। 10 साल के सरकारी बॉण्ड पर प्रतिफल तीन साल के उच्चतम स्तर पर पहुंचने और वैश्विक अनिश्चितताओं के कारण विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार बिकवाली से बाजार धारणा प्रभावित हुई।

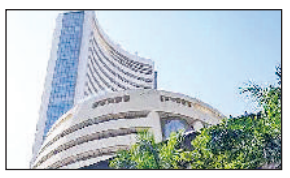

- विदेशी संस्थागत निवेशकों ने पूंजी की निकासी की

एशियाई बाजार में रही गिरावट

एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और चीन का शंघाई एसएसई कम्पोजिट गिरावट के साथ बंद हुए। हांगकांग का हैंगसेंग मामूली बढ़त में रहा। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार में तेजी रही। अमेरिकी बाजार शुक्रवार को बढ़त के साथ बंद हुए थे।

ग्राहकों को सीधे उत्पाद बेचने वाले उद्योग का कारोबार 7 फीसदी बढ़ा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली



- कारोबार समाप्त वित्त वर्ष में 23,522 करोड़ रुपए पहुंचा
- इस क्षेत्र में 91 लाख सक्रिय विक्रेता हैं

भारत में ग्राहकों को सीधे उत्पाद बेचने वाले (डायरेक्ट सेलिंग) उद्योग का कारोबार मार्च, 2025 में समाप्त वित्त वर्ष में सात प्रतिशत की सालाना दर से बढ़कर 23,522 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। सोमवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। रिपोर्ट के अनुसार, अगले वित्त वर्ष तक इसके 25,000 करोड़ रुपये के पार जाने का अनुमान है। एसोसिएशन ऑफ डायरेक्ट सेलिंग एंटिटीज ऑफ इंडिया (एडीएसईआई) ने शोध भागीदार कांतार के साथ मिलकर यह रिपोर्ट तैयार की है। रिपोर्ट के अनुसार, इस क्षेत्र में 91 लाख सक्रिय विक्रेता हैं, जिनमें 47 प्रतिशत महिलाएं हैं। यह क्षेत्र स्वरोजगार और अतिरिक्त आय का एक साधन है।

रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया के 15 सबसे बड़े प्रत्यक्ष बिक्री बाजारों में भारत 11वें स्थान पर है। यह उद्योग उद्यमिता, प्रशिक्षण और नियामकीय नियमों के बेहतर अनुपालन के जरिये अपनी पहुंच बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। एडीएसईआई के अध्यक्ष संजीव कुमार ने कहा, यह रिपोर्ट विश्वसनीय आंकड़ों और गुणात्मक जानकारी के जरिये भारत में ग्राहकों को उत्पाद सीधे बेचने वाले उद्योग के वास्तविक योगदान को सामने लाती है। इसके केंद्र में 91 लाख से अधिक लोगों की आजीविका है, जिनमें करीब आधी महिलाएं हैं। यह उद्यमिता की भावना पर आधारित है पिछले एक दशक में यह उद्योग सरकार के स्वरोजगार, कौशल विकास और महिलाओं के नेतृत्व में विकास को बढ़ावा देने के दृष्टिकोण के अनुरूप रहा है।

सक्रिय विक्रेताओं में 43 लाख महिलाएं

रिपोर्ट के अनुसार, उद्योग के सक्रिय विक्रेताओं में करीब 43 लाख महिलाएं हैं। काम के समय में लचीलापन, कारोबार शुरू करने के लिए अपेक्षाकृत कम पूंजी की जरूरत और औपचारिक शैक्षणिक योग्यता की अनिवार्यता नहीं होने से ग्रामीण तथा छोटे शहरों में रहने वाली महिलाओं के लिए यह काम स्वतंत्र रूप से आय अर्जित करने का एक जरिया बन सकता है।

एचसीएल टेक का मुनाफा 21 प्रतिशत बढ़कर 5132 करोड़

नई दिल्ली। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनी एचसीएल टेक का चालू वित्त वर्ष 2026-27 की सितंबर तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 21.18 प्रतिशत बढ़कर 5,132 करोड़ रुपये रहा है। नोएडा मुख्यालय वाली कंपनी ने वित्त वर्ष 2025-26 की समान तिमाही में 4,235 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। कंपनी ने कहा कि समीक्षाधीन तिमाही में उसकी परिचालन आय 11.5 प्रतिशत बढ़कर 35,620 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले इसी अवधि में 31,942 करोड़ रुपये थी। तिमाही आधार पर कंपनी का शुद्ध लाभ 11 प्रतिशत और परिचालन आय तीन प्रतिशत बढ़ी।

सूचना

मैं, Mukesh Kumar S/o Sh. Ramniwas R/o Village Sikanderpur Badha, Tehsil Manesar, Distt. Gurugram, Haryana बयान करता हूं कि मेरे बेटे के आधार कार्ड व फैमिली आईडी में उसका नाम Hawi Yadav दर्ज है जोकि गलत है। जबकि मेरे बेटे की मार्कशीट व जन्म प्रमाण पत्र में उसका नाम Hawa Singh दर्ज है। जोकि सही है। उपरोक्त दोनों नाम Hawa Singh और Hawi Yadav एक ही व्यक्ति यानि की मेरे बेटे के हैं और उसका सही नाम Hawa Singh है।

उत्तर रेलवे
रेल कोच नवीनीकरण, सोनीपत
निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य यांत्रिक अभियंता, कार्यालय, रेल कोच नवीनीकरण कारखाना, सोनीपत, निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित करते है।

1	निविदा संख्या	353922R
2	कार्य का नाम और कार्य स्थानः	"आरसीएनके में कोच शॉट ब्लास्टिंग, बोगी शॉट ब्लास्टिंग और पेंट लाइन का संचालन पेंट और शॉट्स के साथ (कार्यक्षेत्र के अनुसार)"
3	अनुमानित लागत	रुपये 132008529.43/- जीएसटी @ 18% सहित
4	बयाना राशि	रू. 2640200/-
5	निविदा फार्म का मूल्य	शून्य
6	कार्य अवधि	स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से 36 महीने (03 वर्ष)
7	निविदा प्रपत्र जमा करने की तथा खुलने की तिथि व समय	31/10/2026 को 12:00 बजे तक। निविदा खोलने की प्रक्रिया उसी दिन 12:15 बजे होगी।
8	निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने के लिए इंटरनेट साइट	उपरोक्त निविदा IREPS साईट पर उपलब्ध है जो कि है www.ireps.gov.in
9	यदि हिन्दी व इंग्लिश के नोटिस में कोई विरोधाभास है, तो इंग्लिश का नोटिस ही मान्य होगा।	

पत्र स. 353922R दिनांकः हस्ताक्षर के अनुसार 3531/2026
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

रुपये में मजबूती से सोना 1400 रुपये टूटा, चांदी 2000 रुपये गिरी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

- सोना घटकर 1.53 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम
- चांदी भी 2000 रुपए गिरकर 2,26,500 रुपए किलोग्राम

रुपये में मजबूती और वैश्विक बाजारों में कमजोरी के बीच राष्ट्रीय राजधानी में सोमवार को सोने की कीमत 1,400 रुपये घटकर 1.53 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई। अखिल भारतीय सराफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत शुक्रवार को 1,54,400 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। चांदी की कीमत भी 2,000 रुपये गिरकर 2,26,500 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी कर सहित) रह गई। पिछले कारोबारी सत्र में यह 2,28,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के जिंस विश्लेषक सौमिल गांधी ने कहा, ''वैश्विक बाजारों से कमजोर संकेत मिलने के कारण सोमवार को घरेलू बाजार में सोने की कीमतों में नरमी रही। रुपये में मजबूती ने भी कीमती धातुओं की कीमतों पर दबाव बढ़ाया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने घरेलू मुद्रा को मजबूती देने के उद्देश्य से सप्ताहांत में कई उपाय किए थे।

ईवी व माइल्ड हाइब्रिड वाहनों का संतुलित पोर्टफोलियो रखने की योजना पर हो रहा काम

वोल्वो भारत में प्लग इन हाइब्रिड वाहन करेगी पेश

नई दिल्ली। स्वीडन की वाहन विनिर्माता कंपनी वोल्वो भारत में प्लग-इन हाइब्रिड वाहन पेश करने की संभावनाएं तलाश रही है, लेकिन ऊंची कर दरों के कारण उसे इन वाहनोंकी कीमत प्रतिस्पर्धी रखने में चुनौती दिख रही है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को यह बात कही। वोल्वो कार इंडिया के प्रबंध निदेशक ज्योति मल्होत्रा ने नई इलेक्ट्रिक लक्जरी एसयूवी 'ईएक्स90' की पेशकश के मौके पर कहा कि कंपनी भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) और माइल्ड हाइब्रिड वाहनों का संतुलित पोर्टफोलियो रखने की योजना पर काम कर रही है। इसके साथ ही प्लग-इन हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहनों की संभावनाओं का भी आकलन किया जा रहा है। मल्होत्रा ने बातचीत में कहा, ''भारत में प्लग-इन हाइब्रिड वाहन पर कर की दरें इनके लिए अनुकूल नहीं हैं।

राशिफल

मेष मन प्रसन्न रहेगा। परिवार में सुख-शान्ति रहेगी। घर-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। भवन के रख-रखाव एवं साज-सज्जा के कार्यों पर खर्च बढ़ेगे।

वृष आत्मविश्वास में कमी रहेगी। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से आय हो सकती है।

मिथुन मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु फिर भी आत्मसंयत रहें। रहन-सहन भी अव्यवस्थित रहेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। स्वाथ्य का ध्यान रखें।

कर्क पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाग-दौड़ बढ़ेगी। कारोबार के लिए विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। भाइयों का सहयोग रहेगा। यात्रा के योग बन रहे हैं।

सिंह व्यर्थ के क्रोध से बचें। बातचीत में सन्तुलित रहें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। व्यवधान आ सकते हैं। आय में कमी आ सकती है।

कन्या अपनी भावनाओं को वश में रखें। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। शैक्षिक एवं शोधादि कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। परिश्रम अधिक रहेगा। खर्चों में वृद्धि होगी।

वृश्चिक व्यर्थ के क्रोध से बचें। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। किसी पुराने मित्र से भेंट हो सकती है। घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं।

धनु मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। संयत रहें। व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें। शैक्षिक कार्यों के सुखद-परिणाम मिलेंगे। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मकर आत्मसंयत रहें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी और आय के साधन भी बनेंगे। खर्च भी बढ़ेंगे। रुचि बढ़ेगी।

कुंभ मन शान्त तो रहेगा। फिर भी धैयशीलता बनाये रखने का प्रयास करें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धार्मिक संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है।

मीन मन अशान्त तो हो सकता है। वाणी में मधुरता भी रहेगी। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है।

शब्द पहेली - 6376

1	2	■	3	4	■	5	6	■	7	8
9		10	■	11	12	■	13	14	■	
■	15		16	■	17	18	■	19	20	■
21	■	22		23	■	24	25	■	26	27
28	29	■	30		31	■	32	33	■	
■	34	35	■	36		37	■	38	39	■
40	■	41	42	■	43		44	■	45	46
47	48	■	49	50	■	51		52	■	
■	53	54	■	55	56	■	57		58	■
59	■	60	61	■	62	63	■	64		65
66		■	67		■	68		■	69	

बाएँ से दाए
1. बलगम-2
3. जाप, मंत्र पाठ-2
5. काया, बदन-2
7. ठाठ-बाट-2
9. गिरावट, अवनति-3
11. बुरी आदत-2
13. सदं, अच्छा-2
15. बंदर-3
17. अपशिष्ट पदार्थ-2
19. थोड़ा-2
22. दबाना, कुचलना-3
24. शारीरिक ऊंचाई-2
26. आम जनता-2
28. पिता के पिता-2
30. पक्षाघात, फालिज-3
32. मनमौजी, अलमस्त-2
34. नवीन-2
36. लोच-3
38. गाड़ी, घोड़ागाड़ी-2
41. बीता हुआ दिन-2
43. लेखनी, पेन-3
45. अधर-2
47. रांझा की प्रेमिका-2
49. अप्सरा, परी -2
51. गर्भ, कोख-3
53. दंड, शिक्षा -2
55. पाश, फंदा-2
57. परखना-3
60. वोट, अभिप्राय-2
62. हत्या-2
64. तिरस्कृत-3
66. शराब-2
67. उद्देश्य-2
68. टूंटी, नलका-2
69. आनंद-2

ऊपर से नीचे
1. प्याला-2
2. धर्म आदेश-3
4. क्षण, लमहा-2
6. गगन, आकाश-2
8. सरुर, खुमार-2
10. पति की बहन-3
12. अंधकार-2
14. शर्म, लज्जा-2
16. पासों से भविष्य जानने की विद्या-3
18. भाग्य (अंग्रेजी-2)
20. रहस्य-2
21. कुर्बान-2
23. अनुकृति-3
25. जोर, बल-2
27. नाखून-2
29. दक्षिणा-2
31. पढ़ने वाला-3
33. परत-2
35. भैंस जैसा एक प्राणी-2
37. झगड़ा-3
39. भूमि, धरा -2
40. राहगीर-2
42. रक्त-2
44. मां का प्रेम-3
46. दम-2
48. आनंद-2
50. छुट्टी-2
52. झगड़ना-3
54. प्याला-2
56. प्यार-2
58. असफल-3
59. यमराज-2
61. पैंदा-2
63. संपत्ति-2
65. सम्राट-2

शब्द पहेली - 6375 का हल

■	य	ती	म	खा	ना	■	म	हा	की	र
क	क्ष	■	हा	■	ना	ह	क	■	र	म
हा	■	ना	न	सें	स	■	र	मा	■	जा
नी	र	व	ता	■	सु	र	■	न	म	न
का	■	खे	■	अ	र	क्त	■	■	सी	■
र	वा	ना	हो	ना	■	पा	ल	न	हा	र
■	ह	■	■	चा	ह	त	■	का	■	च
का	न	न	■	र	म	■	ब	र	सा	ना
म	■	र	ज	■	स	का	र	ना	■	का
धा	र	■	खि	लो	फ	■	स	■	भो	र
म	स	ख	रा	■	र	म	ता	जो	गी	■





17 साल की माया ने तोड़ा सानिया का 22 साल पुराना रिकॉर्ड

माया ने जीता अपना पहला पेशेवर खिताब

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत की उभरती हुई युवा टेनिस खिलाड़ी माया राजेश्वरन ने सीधे सेटों में जीत दर्ज करके पुर्तगाल में डब्ल्यू35 लागोस टूर्नामेंट के रूप में अपना पहला पेशेवर खिताब जीता।

क्वालीफायर के रूप में टूर्नामेंट में भाग लेने वाली माया ने खेले गए फाइनल में स्पेन की सेलिया सेर्विनो रुइज़ को 6-4, 6-2 से हराया। इस जीत से यह 17 वर्षीय खिलाड़ी सानिया मिर्जा के बाद पेशेवर एकल खिताब जीतने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय खिलाड़ी बन गई हैं। माया ने यूक्रेन की येलीज़ावेटा कोट्लियार के साथ मिलकर युगल खिताब भी जीता। उन्होंने एकल में एक भी सेट नहीं गंवाया। उन्होंने पहले दौर में ही शीर्ष वरीयता प्राप्त जस्टिना मिकुलस्काइट को पराजित करके अपने इरादे जतला दिए थे।

यह तो बस शुरुआत है : माया

माया ने टूर्नामेंट जीतने के बाद कहा, 'यह तो बस शुरुआत है। यह मेरा पहला खिताब है। यह मेरे पेशेवर करियर की शुरुआत के लिए अच्छा संकेत है। इससे मुझे आत्मविश्वास मिला है कि मैं अच्छी तरह से चुनौती पेश कर सकती हूं।'

आठ वर्ष की आयु से खेलना किया था शुरू

12 जून 2009 को तमिलनाडु के कोयंबटूर में जन्मीं माया राजेश्वरन रेवती का टेनिस का सफर आठ साल की उम्र में शुरू हुआ था। उनके पिता ने उन्हें पहली बार इस खेल से परिचित कराया। उनका मकसद उनमें अनुशासन और फिटनेस की आदत डालना था। हालांकि जल्द ही माया की इस खेल में गहरी दिलचस्पी हो गई और 10 साल की उम्र तक उन्होंने टेनिस को गंभीरता से अपनाने का फैसला कर लिया। उन्होंने भारत में 'प्रो सर्व टेनिस अकादमी' में ट्रेनिंग ली और 2025 मुंबई ओपन में सबका ध्यान खींचने से पहले कई आईटीएफ जूनियर खिताब जीते। 15 साल की उम्र में वाइल्डकार्ड एंट्री के तौर पर खेलते हुए उन्होंने डब्ल्यूटीए 125 इवेंट के सेमीफाइनल में पहुंचकर जाने-माने खिलाड़ियों को चौंका दिया।



वुहान ओपन नहीं खेलेंगीं झेंग और मीरा

बीजिंग। चाइना ओपन फाइनल खेलने के बाद झेंग किनवेन और मीरा आंद्रीवा वुहान ओपन से हट गई हैं। झेंग ने दाहिने कंधे की चोट का हवाला दिया है, जबकि आंद्रीवा ने शेड्यूल में बदलाव के कारण हटने का फैसला किया है। टूर्नामेंट से हटने की घोषणा करते हुए झेंग ने कहा कि लगातार मैचों के बोझ के कारण वह शारीरिक रूप से थक गई हैं। डब्ल्यूटीए के अनुसार, झेंग ने कहा, मुझे यह बताते हुए बहुत अफसोस हो रहा है कि मैं इस साल के वुहान ओपन से हट रही हूं। वुहान वह जगह है जहां से मेरे टेनिस के सपने की शुरुआत हुई थी, और वुहान ओपन ही वह टूर्नामेंट है जिससे मैंने डब्ल्यूटीए 1000 लेवल पर अपनी पहचान बनाई थी। मैं हमेशा अपने घरेलू फैंस के सामने खेलने का इंतजार करती रही हूं।



मुंबई इंडियन्स में शामिल हुईं अमेरिकी तेज गेंदबाज नॉरिस

नई दिल्ली। अमेरिका की बाएं हाथ की तेज गेंदबाज तारा नॉरिस अगले साल होने वाली महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में मुंबई इंडियन्स की ओर से खेलेंगी। उन्हें यूपी वारियर्स के साथ सफल 'ट्रेड' सौदे के बाद मुंबई की टीम में शामिल किया गया है। नॉरिस को वारियर्स ने 2026 सत्र से पहले 10 लाख रुपए में अपनी टीम में शामिल किया था। डब्ल्यूपीएल ने कहा कि यह 28 वर्षीय तेज गेंदबाज इसी राशि पर मुंबई इंडियन्स से जुड़ेंगी। डब्ल्यूपीएल ने कहा, 'नॉरिस 10 लाख रुपए की मौजूदा राशि पर मुंबई इंडियन्स से जुड़ेंगी।' नॉरिस ने डब्ल्यूपीएल की पहली नीलामी में किसी फ्रेंचाइजी से जुड़ने वाली एसोसिएट देश की पहली खिलाड़ी बनकर इतिहास रचा था। उन्होंने पहले सत्र में दिल्ली कैपिटल्स का प्रतिनिधित्व किया था और डब्ल्यूपीएल में पांच विकेट लेने वाली पहली गेंदबाज बनी थीं। नॉरिस ने अमेरिका की ओर से अब तक पांच एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय और 17 महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं। उन्होंने 2021 में अमेरिकी टीम के लिए पदार्पण किया था।

रणजी ट्रॉफी : ऑलराउंडर रवींद्र ने ठोका 16वां फर्स्ट क्लास शतक

जडेजा की छत्तीसगढ़ के खिलाफ 102 रन की धमाकेदार पारी

पहली पारी में सौराष्ट्र ने बनाए 392 रन

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने रणजी ट्रॉफी के पहले राउंड में शतक बनाया। सौराष्ट्र की ओर से खेलते हुए उन्होंने छत्तीसगढ़ के खिलाफ 102 रन की पारी खेली। रवींद्र जडेजा का यह 16वां फर्स्ट क्लास शतक रहा। 209 गेंद का सामना किया और 7 चौके लगाए। वे सौराष्ट्र के आखिरी विकेट के तौर पर आउट हुए। इससे उनकी टीम ने पहली पारी में 392 रन का स्कोर बनाया।

जडेजा पांचवें नंबर पर बैटिंग को उतरे थे। उनके व प्रेरक मांकड़ (129) के बीच पांचवें विकेट के लिए 205 रन की पार्टनरशिप हुई। मगर इस साझेदारी के टूटने के साथ ही सौराष्ट्र की पारी ढह गई। उसने आखिरी पांच विकेट 36 रन में गंवा दिए। यह तो एक छोर पर जडेजा थे, जिससे टीम 392 तक पहुंचने में सफल रही नहीं तो 380 से पहले ही पारी सिमट जाती।



रवींद्र का 8 साल बाद सौराष्ट्र के लिए शतक

जडेजा ने सौराष्ट्र के लिए फर्स्ट क्लास क्रिकेट में नौवां शतक बनाया। उनके छह शतक भारत और एक वेस्ट जोन के लिए आया है। जडेजा ने सौराष्ट्र के लिए बनाए 9 में से 3 शतकों को ट्रिपल सेंचुरी तक पहुंचाया है। जडेजा ने इससे पहले 2018-19 में आखिरी बार सौराष्ट्र के लिए रणजी ट्रॉफी में शतक बनाया था। तब उन्होंने नाबाद 178 रन की पारी खेली थी। 2018-19 से लेकर 2026-27 के सीजन के बीच जडेजा ने बहुत कम मैच सौराष्ट्र के लिए खेले थे। पिछले सीजन दो मैचों उतरे थे। दरअसल भारतीय टीम के तीनों फॉर्मेट का हिस्सा होने की वजह से वह घरेलू क्रिकेट नहीं खेल पाए थे।

साई फेल, सुंदर ने झटके 2 विकेट

रणजी ट्रॉफी के पहले राउंड में सोमवार को साई सुदर्शन का बल्ला नहीं चला। वह तमिलनाडु के लिए ओपनिंग करने उतरे और 3 रन बनाकर पवेलियन लौटे। चेतन शर्मा ने उन्हें बोल्ड किया। इससे पहले उन्हें फील्डिंग के दौरान घुटने में चोट लगी थी। साई लंगड़ाते हुए मैदान से बाहर गए थे। हालांकि, उनकी चोट गंभीर नहीं थी और वह ओपनिंग करने उतरे। तमिलनाडु ने राजस्थान को पहली पारी में 363 रन पर आउट कर दिया। भारतीय टेस्ट टीम के एक अन्य खिलाड़ी वाशिंगटन सुंदर ने 2 विकेट झटके। उन्होंने 23 ओवर में 58 रन देकर 2 विकेट लिए। वाशिंगटन ने कार्तिक शर्मा और चेतन शर्मा को आउट किया।

रिंकू सिंह-माधव कौशिक के शतक



रणजी ट्रॉफी के एलीट ग्रुप ए के पहले मैच में यूपी ने बिहार के खिलाफ बेहतरीन आगाज किया है। उत्तरप्रदेश की टीम ने बिहार के खिलाफ मैच की पहली पारी में 540 रन बनाए। ओपनर माधव कौशिक ने 150 रन की पारी खेली। वहीं मध्यक्रम के बल्लेबाज रिंकू सिंह ने 112 रन की बेहतरीन पारी खेली। मुकाबले के पहले दिन यूपी की टीम ने 3 विकेट पर 287 रन बनाए थे। दूसरे दिन टीम के लिए आराध्य यादव (84) और जीशान अंसारी (58) ने अच्छी पारियां खेलीं। अंत में अभिनंदन सिंह ने 30 गेंद पर 43 रन बनाते हुए स्कोर 540 रन तक पहुंचा दिया। यूपी ने कुल 153.1 ओवर बल्लेबाजी की। बिहार के गेंदबाजों को टीम ने पूरी तरह थका दिया। बिहार के लिए इस पारी में अमोद यादव ने सर्वाधिक चार विकेट लिए। उन्होंने 29.1 ओवर डालते हुए 6 मेडन के साथ 91 रन दिए और चार सफलताएं हासिल कीं।

रणजी ट्रॉफी में हरियाणा दूसरे दिन मजबूत स्थिति में

अंकित और यशवर्धन दलाल ने जमाए शतक



हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

चौधरी बंसीलाल क्रिकेट स्टेडियम में खेले जा रहे रणजी ट्रॉफी मुकाबले के दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक हरियाणा की टीम ने अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। स्टंप्स तक हरियाणा ने अपनी पहली पारी में 4 विकेट के नुकसान पर 178 रन बना लिए हैं और वह मेहमान टीम के स्कोर से अब केवल 75 रन दूर है। इससे पहले, हिमाचल प्रदेश की पहली पारी 113.4 ओवरों में 253 रन पर सिमट गई। हिमाचल की ओर से मध्यक्रम के बल्लेबाज आकाश वशिष्ट ने संकट मोचन की भूमिका निभाते हुए शानदार शतकीय पारी खेली। उन्होंने 227 गेंदों का सामना करते हुए 11 चौकों और 1 छक्के की मदद से नाबाद 113 रन बनाए। उनके अलावा कप्तान पुखराज मान ने 30 और ऋतिक कालिया ने 28 रनों का योगदान दिया। हरियाणा के लिए घातक गेंदबाजी करते हुए तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज ने 27 ओवरों में 55 रन देकर 4 महत्वपूर्ण विकेट झटके। पार्थ वत्स ने 2, जबकि अमन कुमार और सामंत जाखड़ को 1-1 सफलता मिली। जवाब में, हरियाणा की शुरुआत सधी हुई रही। सलामी बल्लेबाज अंकित कुमार ने 7 चौकों की मदद से 59 रनों की शानदार पारी खेली। दिन का खेल खत्म होने पर यशवर्धन दलाल 69 रन और ऑलराउंडर पार्थ वत्स 33 रन बनाकर क्रीज पर डटे हुए हैं। दोनों बल्लेबाज तीसरे दिन पारी को आगे बढ़ाएंगे। हिमाचल की ओर से गेंदबाजी में आर्यमन सिंह ने शुरुआती झटके देते हुए 3 विकेट अपने नाम किए, जबकि अर्पित गुलेरिया को 1 सफलता मिली। मैच के तीसरे दिन हरियाणा की नजरें पहली पारी में बढ़त हासिल करने पर टिकी होंगी।

खबर संक्षेप



कार्ट रिपब्लिक से जुड़ी 11 वर्षीय रेसर अतिका

सिंगापुर। भारतीय रेसिंग सनसनी अतिका मीर को एफवन ड्राइवरों को तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली कार्ट रिपब्लिक (केआर) टीम ने अनुबंधित किया है। यह इटली के दिग्गज डिनो चिएसा की टीम है, जिन्होंने लुई हैमिल्टन सहित कई फॉर्मूला वन विश्व चैंपियन के करियर को आगे बढ़ाने में मदद की है। भारत की 11 वर्षीय रेसर अतिका ने यूरोप में कई कार्टिंग सीरीज में अपने प्रदर्शन से चिएसा को प्रभावित किया और उन्होंने अब सत्र के बीच केआर से जुड़ने का फैसला किया है।

पाक ने श्रीलंका को हराकर सीरीज पर किया कब्जा

रावलपिंडी। पाकिस्तान ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना दूसरा सबसे बड़ा स्कोर बनाकर श्रीलंका को 82 रन से करारी शिकस्त दी और इस तरह से तीन मैचों की श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली। माज़ सदाकत (96) और कप्तान साहिबजादा फरहान (73) दोनों को शुरू में जीवनदान मिले, जिसका फायदा उठाकर उन्होंने बड़ी पारियां खेली। इससे पाकिस्तान तीन विकेट पर 215 रन बनाने में सफल रहा, जो 2021 में इंग्लैंड के खिलाफ बनाए गए 6 विकेट पर 232 रन के बाद उसका टी20 में दूसरा सर्वोच्च स्कोर है। श्रीलंका की टीम बड़े लक्ष्य के सामने लड़खड़ा गई और 7 विकेट पर 133 रन ही बना पाई।

वीनू मांकड़ ट्रॉफी: हरियाणा अंडर-19 टीम ने ओडिशा को सात विकेट से दी मात

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

पुदुचेरी के सीएपी ग्राउंड-4 पर खेले गए वीनू मांकड़ ट्रॉफी एलीट ग्रुप के एक रोमांचक मुकाबले में हरियाणा अंडर-19 क्रिकेट टीम ने ओडिशा अंडर-19 को 7 विकेट से करारी शिकस्त दी है। हरियाणा के खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए टूर्नामेंट में अपनी धमाकेदार जीत दर्ज की है। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी ओडिशा की टीम ने सधी हुई शुरुआत की और 47.4 ओवर में 263 रन बनाकर ऑल आउट हो गई. ओडिशा की ओर से सुभासिस मल्लिक ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 117 गेंदों पर 12 चौकों और 5 छक्कों की मदद से 114 रनों की शानदार शतकीय पारी खेली। इसके अलावा शुभम पलाई ने 58 रनों का अहम योगदान दिया। हरियाणा की तरफ से गेंदबाजी आक्रमण में सिद्धार्थ दलाल, कर्तव्य जगदेव और प्रक्षित राठी ने घातक गेंदबाजी का प्रदर्शन करते हुए 3-3 विकेट झटके, जिससे ओडिशा की पारी बड़े स्कोर तक नहीं पहुंच सकी। 264 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी हरियाणा की टीम की शुरुआत भी मजबूत रही। टीम ने 46.3 ओवरों में मात्र 3 विकेट खोकर आसानी से 264 रन बना लिए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। कप्तान और स्टार बल्लेबाज निधिष गौड़ ने कप्तानी पारी खेलते हुए नाबाद 113 रन बनाए, जिसमें 11 चौके और 3 छक्के शामिल रहे। उनका बखूबी साथ निभाते हुए संदीप परिहार ने ताबड़तोड़ 63 रन जोड़े, जिसमें 4 चौके और 4 छक्के शामिल थे। इसके अलावा अर्जुन वीर सिंह ने 24 और गौरिश दहिया ने नाबाद 22 रनों का योगदान दिया। ओडिशा के गेंदबाजों में राज यादव और जोगेश्वर बाग को 1-1 सफलता मिली।

कप्तान निधिष का शतक



निधिष गौड़



प्रक्षित राठी

शंघाई मास्टर्स : राफेल जोडर ने की जोकोविच के रिकॉर्ड की बराबरी

राफेल ने लेहेका के खिलाफ दर्ज की जीत, पहुंचे चौथे राउंड में

एजेंसी ▶▶ शंघाई

शंघाई मास्टर्स 1000 के तीसरे राउंड में राफेल जोडर ने जिरी लेहेका के खिलाफ 4-6, 7-6(2), 6-4 से जीत दर्ज करते हुए चौथे राउंड में जगह बनाई। जोडर ने इस सीजन की अपनी 40वीं जीत हासिल करते हुए अपने पहले एटीपी टूर पर लगातार प्रभावित किया है। 20 वर्षीय खिलाड़ी इस सीजन में किसी एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट के चौथे राउंड में पांचवीं बार पहुंचा है। जोडर ने लगातार 5 इवेंट्स में ऐसा किया, जिससे वे 2007 में नोवाक जोकोविच के बाद ऐसा करने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए।



जिरी की सर्विस रही शानदार : जोडर

मैच के बारे में जोडर ने कहा, डटे रहना, यही वह बात है जिस पर उन्हें सबसे ज्यादा गर्व है। आज के हालात में खेलना बहुत मुश्किल था। जिरी ने शुरू से आखिर तक बहुत अच्छा खेला और उनकी सर्विस भी शानदार रही। आज यह मैच जीतने के लिए मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ देना पड़ा। जोडर भी एटीपी फाइनल्स के दावेदार बन गए हैं। वह अभी 'एटीपी लाइव रेस टू ट्यूरिन' में 11वें नंबर पर हैं।

ला लीगा: रेसिंग सैंटेंडर ने 2-2 पर रोका मुकाबला

पहले ही मिनट में गोल, फिर भी जीत से चूका वैलेंसिया

एजेंसी ▶▶ सैंटेंडर

वैलेंसिया सीएफ ने ला लीगा के मैचडे 8 में रियल रेसिंग सैंटेंडर के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ खेला। इस मुकाबले में वैलेंसिया के लिए दानी राबा और डेविड ओटोरबी ने गोल किए। वैलेंसिया ने मैच की शानदार शुरुआत की और मुकाबला शुरू होने के एक मिनट के भीतर ही बढ़त हासिल कर ली। जेवियर एगुइरे की टीम के लिए दानी राबा ने हाल ही में प्रमोट हुई रेसिंग सैंटेंडर के खिलाफ शुरुआती गोल दागा।

हालांकि, मेजबान टीम ने 32वें मिनट में वापसी की। इनिगो विसेंट ने शानदार मूव बनाते हुए यासिर जबिरी को गोल करने का मौका दिया, जिसे उन्होंने भुनाकर स्कोर 1-1 कर दिया। हालांकि, वैलेंसिया के युवा सब्स्टीट्यूट डेविड ओटोरबी ने 65वें मिनट में गोल करके अपनी टीम को 2-2 से ड्रॉ दिलाया।

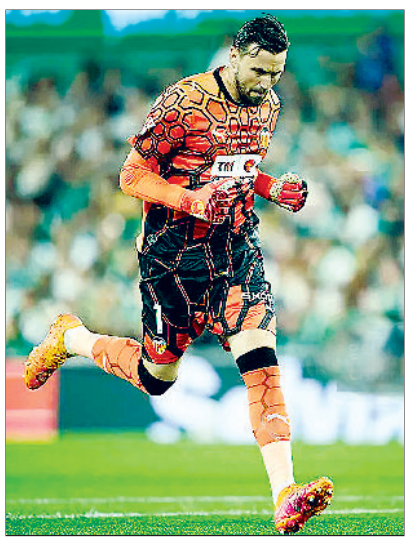

घरेलू मैदान में जीता रियल बेटिस

एक अन्य मैच में इस्को ने दो गोल किए और रियल बेटिस ने अपने घरेलू मैदान पर ओसासुना को 5-2 से हराया, जिससे वे ला लीगा में तीसरे स्थान पर पहुंच गए और टॉप पर चल रही बार्सिलोना से पांच अंक पीछे हैं। ओसासुना के डिफेंडर उनाई सैंटोस के फाउल करने के बाद इस्को ने दसवें मिनट में पेनल्टी स्पॉट से गोल करके खाता खोला और 31वें मिनट में कुवो हनाडिज की मदद से एज अब्दे ने बेटिस की बढ़त को दोगुना कर दिया। हाफ टाइम के तीन मिनट बाद बेटिस 3-0 से आगे हो गई जब एंटे बुदिमिर का क्लीयरेंस का प्रयास डिएगो लोरेंटे से टकराकर नेट में चला गया, लेकिन बुदिमिर और बेटिस के पूर्व फॉरवर्ड राउल गार्सिया के तेज गोल ने ओसासुना को मुकाबले में वापस ला दिया।

रियल सोसिदाद ने कोरुना की वापसी को किया नाकाम

रियल सोसिदाद ने दूसरे हाफ में डेपोर्टिवो ला कोरुना की जबरदस्त वापसी की कोशिश को नाकाम करते हुए अपने घरेलू मैदान पर 3-2 से जीत हासिल की, जबकि मैच के आखिर में उनके पास दस खिलाड़ी ही बचे थे। टीम को शुरुआती बढ़त जॉन मार्टिन ने दिलाई, जिन्होंने कार्लोस सोलर के कॉर्नर पर शानदार हेडर लगाकर गोल किया। इसके बाद आर्सेन जखार्यान ने 34वें मिनट में गोल कर बढ़त 2-0 कर दी। सोसिदाद ने अपनी बढ़त और मजबूत कर ली जब गोंकालो गुएडेस ने हाफवे लाइन से शानदार दौड़ लगाते हुए बाएं पैर से बेहतरीन गोल दागा और स्कोर 3-0 कर दिया। हालांकि, डेपोर्टिवो ने हार नहीं मानी और वापसी की कोशिश जारी रखी।

कमिंस, स्टार्क और हेजलवुड के सामने नहीं टिकी द. अफ्रीका

डरबन। साउथ अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला डरबन के मैदान पर जारी है। इस मैच के पहले दिन बैकफुट पर रहने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम ने बाकी के दोनों दिनों में बढ़त बनाए रखी। साउथ अफ्रीका के सामने ऑस्ट्रेलिया ने पहले तो पहली पारी में 390 रन का मजबूत टोटल बनाया। इसके बाद साउथ अफ्रीकी बैटर्स को उनके घर की पिच पर कमिंस, स्टार्क और जोश हेजलवुड ने टिकने नहीं दिया, जिससे साउथ अफ्रीकी टीम 284 रन ही बना सकी और वह ऑस्ट्रेलिया से पीछे रही। इसके बाद तीसरे दिन के अंत तक ऑस्ट्रेलिया ने बिना विकेट गंवाए 33 रन बना लिए थे और 139 रन की बढ़त हासिल कर ली है। अब ऑस्ट्रेलियाई टीम बड़ा स्कोर बनाकर साउथ अफ्रीका को हार की तरफ धकेलना चाहेगी।

162 पर साउथ अफ्रीका के गिरे 6 विकेट

डरबन के मैदान पर दूसरे दिन के अंत तक साउथ अफ्रीका ने एक विकेट पर 27 रन बना लिए थे। उसके लिए ऐडन मार्करम 15 रन, तो डेविड बेडिंगहम 112 रन बनाकर नाबाद रहे थे। इन दोनों ने तीसरे दिन पारी को आगे बढ़ाया और साउथ अफ्रीकी टीम 363 रन से पीछे थी। मार्करम और डेविड ने सधी शुरुआत की, लेकिन ज्यादा देर तक वे कमिंस, स्टार्क और हेजलवुड के कहर को झेल नहीं सके। मार्करम को स्टार्क ने फिर अपने जाल में फंसाया और तीसरे दिन का पहला, जबकि साउथ अफ्रीका का दूसरा विकेट गिरा। मार्करम 67 गेंदों में सात चौकों की मदद से 37 रन बनाकर चलते बने। वहीं, डेविड ने मोर्चा संभाले रखा और 73 गेंदों में 49 रन बनाए।



यह जानकारी सऊदी अरब में मौजूद भारत के दूतावास ने अपनी एक्स पोस्ट के जरिए दी

रियाद में होगा हूती के हमले में मारे गए भारतीय मोहम्मद युसूफ अली का अंतिम संस्कार





होर्मुज में 2 भारतीय सवार व्यापारिक जहाजों पर हुआ हमला, विदेश मंत्रालय ने की शांति बहाली की अपील

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

बीते दिनों सऊदी-अरब के किंग खालिद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल 3 और 4 पर यमन के हूती विद्रोहियों के हवाई हमले में मारे गए एक 46 वर्षीय भारतीय आईटी इंजीनियर मोहम्मद युसूफ अली का अंतिम संस्कार रियाद में ही होगा। खाड़ी देश में मौजूद भारत के दूतावास ने अपनी एक एक्स पोस्ट के जरिए यह जानकारी देते हुए बताया कि 10 अक्टूबर को हुए हमले में मारे गए भारतीय नागरिक के परिजनों ने यह निर्णय लिया है कि उनका अंतिम संस्कार रियाद में ही किया जाएगा। दूतावास द्वारा इस संबंध में पीड़ित परिवार को हर संभव मदद प्रदान की जा रही है। जिसमें अंतिम संस्कार से जुड़ी हुई तमाम औपचारिकताओं को पूरा करना भी शामिल है। ज्ञात हो कि हमले की सीसीटीवी फुटेज के हवाले से सऊदी प्रशासन ने दावा किया है कि इस हमले को यमन के हूती विद्रोहियों ने अंजाम दिया है। हालिया हुए हमले में 13 लोगों की मौत हुई है, 300 से ज्यादा लोग घायल हैं। उधर, विदेश मंत्रालय ने होर्मुज जलडमरूमध्य में दो वाणिज्यिक जहाजों पर हुए हमलों की घटना के बाद एक बयान के जरिए संघर्ष का समाधान निकालने को लेकर बने हुए नई दिल्ली के पक्ष को मजबूती से दोहराते हुए कहा कि इस संबंध में बातचीत और कूटनीति के मार्ग को ही अपनाया जाना चाहिए। नाविकों की सुरक्षा भारत की सरकार की शीर्ष प्राथमिकताओं में शुमार है।

मदीना की यात्रा पर थे हैदराबाद के अली : प्राप्त जानकारी के अनुसार, मोहम्मद अली भारत के हैदराबाद के मेहंदीपट्नम के रहने वाले एक आईटी प्रोफेशनल (इंजीनियर) थे। हमले के वक्त वो और उनका परिवार (पत्नी समीरा और तीन बच्चे) सऊदी अरब के हवाईअड्डे पर पवित्र उमरा यात्रा के लिए मदीना जा रहे थे। हमले में अली गंभीर रूप से घायल हुए, बाद में उनकी मौत हो गई। जबकि परिवार के बाकी सदस्य जख्मी हैं। अनुमानित आंकड़ों के हिसाब से खाड़ी के इस महत्वपूर्ण देश में रहने वाले भारत के लोगों की कुल संख्या 26 लाख के करीब है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद सऊदी अरब को प्रवासियों का दूसरा घर बता चुके हैं।

पीड़ित परिवारों से संपर्क में दूतावास : दूतावास की पोस्ट में यह भी बताया गया कि मिशन के अधिकारियों ने अस्पताल का दौरा किया। जहां हमले में घायल हुए भारतीयों का उपचार किया जा रहा है। कुल करीब पांच लोग इस वक्त आईसीयू में भर्ती हैं। जिनमें से तीन पहले से भर्ती हैं। जबकि दो अन्य को भी बाद में भर्ती किया गया है। दो को सामान्य वार्ड में भेजा गया है और बाकी को छुट्टी दे दी गई है। दूतावास हमले में घायल हुए लोगों के लगातार संपर्क में बना हुआ है और उन्हें हर प्रकार से जरूरी सहायता प्रदान कर रहा है।

जयशंकर ने व्यक्त की संवेदनाएं : यहां बता दें कि हमले के अगले दिन यानी 11 अक्टूबर को दूतावास ने बताया कि इस घटना में देश के एक व्यक्ति की मृत्यु हो गई है। साथ ही कहा, दुख की इस घड़ी में भारतीय मिशन पीड़ित परिवार के प्रति अपनी गहन संवेदनाएं व्यक्त करता है व उन्हें हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए तैयार है। वहीं, मामले पर विदेश मंत्री डा.एस.जयशंकर ने भी एक्स पोस्ट के जरिए शोक जताते हुए संबंधित परिवारजनों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त की थीं।

मंत्रालय के बयान का सार : पिछले रविवार को होर्मुज जलडमरूमध्य के इलाके में दो भारतीय सवार व्यापारिक जहाजों पर किए गए हमलों की भारत ने कड़ी निंदा की है। जिनमें से एक एमटी पेट्रो डॉल्फिन नामक जहाज को ड्रोन से निशाना बनाया गया। हमले के वक्त जहाज पर देश के कुल 11 नाविक सवार थे और उनमें से 2 अभी भी लापता हैं। दूसरा जहाज मार्शल द्वीपसमूह का टैंकर एमटी वाल्थेरा था। जिस पर किसी अज्ञात प्रोजेक्टाइल से हमला किया गया, जहाज पर आग लग गई। लेकिन इस पर सवार सभी 11 भारतीय नाविक सुरक्षित हैं।

मस्कट में दूतावास की पैनी नजर : ओमान में भारतीय दूतावास दोनों जहाजों पर हुए हमलों के मामले पर बेहद बारीकी के साथ नजर बनाए हुए है। इस कवायद का मकसद घटना में लापता हुए देश के लोगों को बचाने तथा चालक दल को हर प्रकार से सहायता प्रदान करना है। जिसके लिए ओमान के अधिकारियों, संबंधित जहाजों की प्रबंधन कंपनियों के साथ समन्वय किया जा रहा है।

हर हाल में हमलों पर लगे रोक

विदेश मंत्रालय ने कहा कि इसमें कोई दोराय नहीं है कि नई दिल्ली की सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में नाविकों की सुरक्षा का मुद्दा शामिल है। वाणिज्यिक जहाजों पर लगातार हो रहे हमले गंभीर चिंता का विषय हैं। जो पहले से ही अस्थिर बने हुए हालात को और अधिक जटिल बना रहे हैं। संघर्ष का निदान वार्ता और कूटनीति से ही संभव है। व्यापारिक जहाजों, नाविकों व नागरिक अवसंरचना पर हमले हर हाल में बंद होने चाहिए। जिससे तनाव में तत्काल कमी लाई जा सके। इसके अलावा होर्मुज सहित अन्य महत्वपूर्ण जलमार्गों पर नौवहन की स्वतंत्रता, समुद्री व्यापार की सुरक्षा, निर्बाध आवाजाही को सुनिश्चित बनाए रखने के लिए अंतरराष्ट्रीय नियम कानूनों का अनिवार्य रूप से पालन किया जाना चाहिए।

एशियाई खेलों में सेना के खिलाड़ियों ने जीते रिकॉर्ड 27 पदक, रक्षा मंत्री ने किया सम्मानित



बोले राजनाथ सिंह, जीतने वालों की सफलता का श्रेय उनके अनुशासन, कड़ी मेहनत और खेल उत्कृष्टता को जाता है

हारने वालों से कहा, हार तो हार मान लेने से होती है, आपने तो किसी ने किसी रूप में देश और रक्षा बलों का मान बढ़ाया है

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को नई दिल्ली में जापान में बीते दिनों संपन्न हुए 'एशियाई खेलों-2026' में रिकॉर्ड 27 पदक (6 स्वर्ण, 11 रजत और 10 कांस्य) जीतने वाले भारतीय सेना के खिलाड़ियों को सम्मानित किया है। इस महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजन में इसे रक्षा बलों के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के रूप में देखा जा रहा है। गौरतलब है वैश्विक स्तर के इन खेलों में तीनों सशस्त्र सेनाओं के कुल 92 खिलाड़ियों ने 19 स्पर्धाओं में भाग लिया था। सभी ने 85 पदक (21 स्वर्ण, 27 रजत और 37 कांस्य) अपने नाम किए हैं। रक्षा मंत्री ने विजेताओं से बातचीत कर उन्हें ढेरों शुभकामनाएं दीं और जो लोग इस प्रतियोगिता में सफल नहीं हो सके। उनसे बातचीत कर उनका उत्साहवर्धन किया। सेना के एथलीटों ने भारत की कुल पदक तालिका में 32%, स्वर्ण पदकों में 28.57% योगदान दिया है।

यूनिट, खेल की तैयारियों के बीच संतुलन जरूरी: रक्षा मंत्रालय ने बताया, खिलाड़ियों से रूबरू होते हुए उन्होंने कहा कि उनकी इस शानदार सफलता का श्रेय कड़ी मेहनत, अनुशासन और टीम भावना के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन को जाता है। पदक जीतने का यह पूरा सफर आसान नहीं होता। इसमें सुबह-सुबह के प्रशिक्षण, जिम वर्कआउट, उस दौरान लगने वाली चोटें और फिर मिला आराम शामिल होता है। साथ ही इसी बीच यूनिट के कर्तव्यों, खेल की तैयारियों के बीच संतुलन बनाए रखना व परिवारों से दूरी भी जरूरी होती है। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी भी मौजूद रहे।

यूं बढ़ाया खिलाड़ियों का हौसला: उन्होंने प्रतियोगिता में जीत का स्वाद न चखने वाले खिलाड़ियों से कहा कि हार तो असल मायने में उसे स्वीकार कर लेने पर होती है। मैं कहूंगा कि सभी खिलाड़ियों ने किसी न किसी रूप में अपने प्रदर्शन से देश का गौरव बढ़ाया है। खिलाड़ियों की क्षमता पर विश्वास व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि मुझे इस बात में कोई शक नहीं है कि इनकी उपलब्धियां आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेंगी। उन्होंने पीएम मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की खेल ढांचे को मजबूती प्रदान की प्रतिबद्धता को दोहराया। इसके अलावा मिशन ओलंपिक विंग द्वारा निभाई गई भूमिका की भी सराहना की। केंद्र का मकसद सिर्फ भागीदारी बढ़ाना नहीं है। बल्कि भारत को एक अंतरराष्ट्रीय खेल जगत में अग्रणी शक्ति के रूप में स्थापित करना है।

वीजा नीतियों का असर

सपने छोड़ अमेरिका से स्वदेश लौट रहे भारतीय टेक पेशेवर पिछले साल की तुलना में अधिक

एच-1बी वीजा, ग्रीन कार्ड और जॉब मार्केट का दबाव

एजेंसी ⏭ सिलिकॉन वैली

अमेरिका में छंटनी , एच-1बी वीजा की कड़ी शर्तों, पीईएआरएम-ग्रीन कार्ड प्रक्रिया के अचानक रोके जाने और कानूनी अनिश्चितताओं के बीच सैकड़ों भारतीय आईटी पेशेवर अपना अमेरिकी सपना पीछे



छोड़कर भारत लौट रहे हैं।

अकेले टेक्सास राज्य में फॉरक्लोजर के 4,961 मामले सामने आए, जिसमें अगस्त 2026 में पिछले साल की तुलना में 43.46 फीसदी की भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई। स्थिति इतनी गंभीर व आपातकालीन हो गई है कि कई टेक पेशेवर संपत्ति बेचने या समेटने का समय न मिलने के कारण अमेरिका में अपने घर, फर्नीचर और गाड़ियां तक छोड़कर या कबाड़ी के पास भेजकर रातों-रात भारत आ रहे हैं। हैदराबाद लौटे एक टेक पेशेवर ने मीडिया को बताया कि वीजा और नौकरी की अनिश्चितता के बीच मेरे पास कोई विकल्प नहीं बचा था कई भारतीय परिवारों ने अमेरिका में बड़े घर खरीदे थे।

सिद्धू मूसेवाला मर्डर केस से जुड़ा है लिंक

अदालत में पेश न होने पर 'भगोड़ा' घोषित होंगे शाहबाज और रेहान

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय हथियार तस्करी और आतंकी माड्यूल से जुड़े मामले में फरार शाहबाज अंसारी और उसके चाचा रेहान अंसारी पर कानून का शिकंजा कसने की तैयारी है।

राउज एवेन्यू स्थित सत्र अदालत ने दोनों के खिलाफ भगोड़ा घोषित करने की प्रक्रिया शुरू करने का आदेश दिया है। अदालत ने कहा है कि दोनों 30 नवंबर तक पेश नहीं होते हैं तो उन्हें भगोड़ा घोषित करने की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस की रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों के खिलाफ जारी गैर-जमानती वारंट तामील नहीं हो सके हैं और वे गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार ठिकाने बदल रहे हैं।

क्राइम ब्रांच ने अदालत को बताया कि बुलंदशहर स्थित शाहबाज और रेहान के घरों पर 29 जुलाई और चार अगस्त को छापेमारी की गई थी, लेकिन दोनों के घर बंद मिले। पुलिस ने दूसरे राज्यों में भी उनकी तलाश की।

मक्का रक्षा समझौते के सक्रिय होने से बढ़ा क्षेत्रीय तनाव

हूतियों पर रियाद के हवाई अड्डे पर मिसाइल हमला करने का था आरोप

सऊदी अरब की मदद पर भड़का ईरान, पाकिस्तान और तुर्की को यमन से दूर रहने की दे डाली

तेहरान ने यमन में दखल के गंभीर परिणाम भुगतने की दी चेतावनी

एजेंसी ⏭ तेहरान

सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्की के बीच रक्षा सहयोग बढ़ने से पश्चिम एशिया में तनाव गहराने लगा है। ईरान ने इस समझौते की आलोचना करते हुए पाकिस्तान और तुर्की को यमन के मामलों में हस्तक्षेप से दूर रहने की चेतावनी दी है। तेहरान की नाराजगी की प्रमुख वजह सऊदी अरब को मिल रही सैन्य मदद और यमन के हूती विद्रोहियों के खिलाफ तेज होते हवाई हमले हैं। हूती विद्रोहियों को ईरान का करीबी सहयोगी माना





जाता है। ईरान ने पाकिस्तान की अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थ की भूमिका पर भी सवाल उठाए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, बीते सप्ताह यमन के हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब की राजधानी रियाद के हवाई अड्डे पर मिसाइल हमला किया था।

समझौते को बताया कागजी खानापूर्ति

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने पड़ोसी देशों से आत्मनिर्भरता और वास्तविक भाईचारे पर आधारित नीति अपनाने की अपील की। वहीं, ईरानी संसद के राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति आयोग के सदस्य अहमद बख्शायेश ने समझौते को कागजी करार दिया। ईरानी नेता अलाउद्दीन बोरुजेर्दी ने पाकिस्तान और तुर्की को इतिहास से सीखने की सलाह देते हुए कहा कि यमन में वर्षों तक चले युद्ध के अनुभव को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। ईरानी सांसद इब्राहिम रेजाई ने कहा कि सऊदी अरब को बाहरी देशों के साथ समझौते करने के बजाय अपनी नीतियों में सुधार करना चाहिए। उधर, सांसद अहमद नादेरी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि यमन के खिलाफ युद्ध में सऊदी अरब का साथ देने से पाकिस्तान की छवि प्रभावित हो सकती है।



हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109